किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 264 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 05 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

FSSAI का बड़ा एक्शनः 'एनर्जी ड्रिंक' दावों पर रेड बुल, स्टिंग, कैम्पा समेत कई ब्रांड्स को नोटिस

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द के इस्तेमाल और उत्पादों पर किए जा रहे कथित भ्रामक दावों को लेकर कई प्रमुख बेवरेज कंपनियों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वाले ब्रांड्स में रेड बुल, पेप्सिको इंडिया की स्टिंग और एड्रेनालिन रश, कैम्पा एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी तथा हेल एनर्जी शामिल हैं।

एफएसएसएआई के अनुसार, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और इसके तहत बनाए गए नियमों में 'एनर्जी ड्रिंक' श्रेणी के लिए कोई अलग मानक निर्धारित नहीं किया गया है। ऐसे में उत्पादों की ब्रांडिंग और लेबलिंग में 'एनर्जी ड्रिंक' जैसे शब्दों का उपयोग तथा उनसे जुड़े कार्यात्मक या चिकित्सीय लाभों के दावे नियामकीय जांच के दायरे में आते हैं।

भ्रामक दावों पर जताई आपत्ति

एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स) रेगुलेशन, 2011 के तहत 'फूड कैटेगरी सिस्टम' का उपयोग किसी उत्पाद का नाम रखने या उसकी लेबलिंग के लिए नहीं किया जा सकता। नियामक ने यह भी कहा कि खाद्य उत्पादों के लिए ऐसे दावों की अनुमति नहीं है, जिनसे यह संकेत मिले कि उत्पादः

ऊर्जा स्तर बढ़ाता है,

फोकस या एकाग्रता बेहतर करता है,
शरीर और दिमाग को ताजगी देता है,
मस्तिष्क को स्टिम्युलेट करता है,
शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करता है,
या सामान्य कमजोरी दूर करने में मदद करता है।

एफएसएसएआई का कहना है कि इस तरह के दावे उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकते हैं और मौजूदा खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुरूप नहीं हैं।

नियमों के पालन के दिए निर्देश

नोटिस में संबंधित कंपनियों को अपनी ब्रांडिंग, लेबलिंग और प्रचार सामग्री की समीक्षा कर नियमों के अनुरूप आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। एफएसएसएआई ने कहा कि उसका उद्देश्य खाद्य एवं पेय पदार्थों के क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन, गलत ब्रांडिंग और उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले दावों पर रोक लगाना तथा सभी उत्पादों को खाद्य सुरक्षा कानूनों के अनुरूप सुनिश्चित करना है।

पहले भी हुई थी कार्रवाई

गौरतलब है कि जून महीने में भी एफएसएसएआई ने कई फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को उत्पादों की ब्रांडिंग, लेबलिंग, भ्रामक दावों और उपभोक्ता शिकायतों से जुड़े नियमों के उल्लंघन के आरोप में नोटिस जारी किए थे।

साथ ही, उन्हें निर्धारित समय के भीतर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए थे।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 579 अंक उछला, निफ्टी 24,175 के पार

समाज जागरण

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच व्यापार वार्ता को लेकर सकारात्मक संकेतों तथा कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा, जिसके चलते बाजार में व्यापक खरीदारी देखने को मिली।

कारोबार समाप्त होने पर बीएसई सेंसेक्स 579.48 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,502.12 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी-50 169.85 अंक यानी 0.71 प्रतिशत चढ़कर 24,175.70 के स्तर पर पहुंच गया।

दिनभर रही खरीदारी

सेंसेक्स 77,083.14 पर खुला और कारोबार के दौरान 77,578.93 का इंट्रा-डे उच्च स्तर छुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 24,062.20 पर खुलने के बाद दिन में 24,194.55 के उच्चतम स्तर तक पहुंचा।

मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी

व्यापक बाजार में भी मजबूती का माहौल रहा। निफ्टी मिडकैप 0.48 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 1.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों के साथ-साथ मिड और स्मॉलकैप कंपनियों में भी दिखाई दिया।

आईटी सेक्टर बना बाजार का स्टार

सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी आईटी ने सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए 4.64 प्रतिशत की छलांग लगाई। यह मई 2025 के बाद आईटी सेक्टर की सबसे बड़ी इंट्रा-डे बढ़त रही। इसके अलावा ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई।

हालांकि कैपिटल गुड्स, पावर, टेलीकॉम और पीएसयू बैंक सेक्टरों में 0.4 से 0.7 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली।

इन शेयरों ने दिखाई दम

निफ्टी-50 में इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, बजाज फिनसर्व और विप्रो के शेयरों ने सबसे अधिक बढ़त दर्ज की। वहीं मैक्स हेल्थकेयर, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति सुजुकी के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

कच्चे तेल में गिरावट से बाजार को मिला सहारा

विश्लेषकों के अनुसार, कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता के सकारात्मक संकेतों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए राहत की उम्मीद बढ़ी और शेयर बाजार में निवेशकों की खरीदारी तेज हुई। हालांकि क्षेत्र में स्थायी शांति को लेकर अभी कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है।

निवेशकों की संपत्ति में 3.25 लाख करोड़ रुपये का इजाफा

बाजार में व्यापक खरीदारी के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर लगभग 479.75 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले कारोबारी सत्र में 476.50 लाख करोड़ रुपये था। इससे निवेशकों की कुल संपत्ति में एक ही दिन में करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

UAE में 50 डिग्री के पार पहुंच सकता है पारा, 40 दिनों तक भीषण गर्मी का अलर्ट

दुबई। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद अब संयुक्त अरब अमीरात भीषण गर्मी की नई चुनौती का सामना करने जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों में क्षेत्र में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच सकता है। भीषण गर्मी, अत्यधिक उमस और रेगिस्तानी गर्म हवाओं के कारण लोगों को अगले करीब 40 दिनों तक कठिन मौसम का सामना करना पड़ सकता है।

स्थानीय मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस अवधि को अरब क्षेत्र में पारंपरिक रूप से "जमरत अल-कैथ" कहा जाता है। यह वर्ष का सबसे गर्म दौर माना जाता है, जब तेज धूप, गर्म हवाएं और अधिक आर्द्रता मिलकर तापमान का असर और बढ़ा देती हैं।

राजस्थान में मानसून की एंट्री, 7 दिन की देरी के बाद पूर्वी जिलों में पहुंची बारिश, कई इलाकों में भारी वर्षा का अलर्ट

समाज जागरण

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने गुरुवार को आखिरकार राजस्थान में दस्तक दे दी। इस बार मानसून ने सामान्य तिथि की तुलना में करीब सात दिन की देरी से राज्य के पूर्वी हिस्सों में प्रवेश किया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में मानसून के पूरे राजस्थान में तेजी से फैलने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अपडेट के मुताबिक, मानसून की उत्तरी सीमा फिलहाल टोंक, जयपुर और अलवर से होकर गुजर रही है। इसके चलते पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में बारिश की गतिविधियां तेज हो गई हैं।

इन संभागों में बारिश का अलर्ट

जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान कोटा, अजमेर, भरतपुर और जयपुर संभाग के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं कोटा संभाग के कुछ जिलों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी भी जारी की गई है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले एक से दो दिनों में जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और अजमेर संभाग में मानसूनी गतिविधियां और तेज होंगी। इस दौरान पूर्वी राजस्थान के अधिकांश क्षेत्रों में व्यापक वर्षा, कई स्थानों पर तेज बारिश तथा अन्य इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पश्चिमी राजस्थान में भी बढ़ेगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में भी मौसम तेजी से बदलने वाला है। जोधपुर और बीकानेर संभाग के कई क्षेत्रों में आने वाले दिनों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, क्योंकि मानसून धीरे-धीरे पश्चिमी हिस्सों की ओर बढ़ रहा है।

लोगों को सतर्क रहने की सलाह

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक आर.एस. शर्मा ने निचले इलाकों में जलभराव की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने भारी बारिश, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने तथा आधिकारिक मौसम बुलेटिन पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

साथ ही किसानों, यात्रियों और स्थानीय प्रशासन को मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी गई है।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने बदला मिजाज, काले बादलों के बीच बारिश; IMD का येलो अलर्ट, उत्तराखंड में ऑरेंज अलर्ट

समाज जागरण

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में काले बादल छा गए और कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। हालांकि बारिश के कारण कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

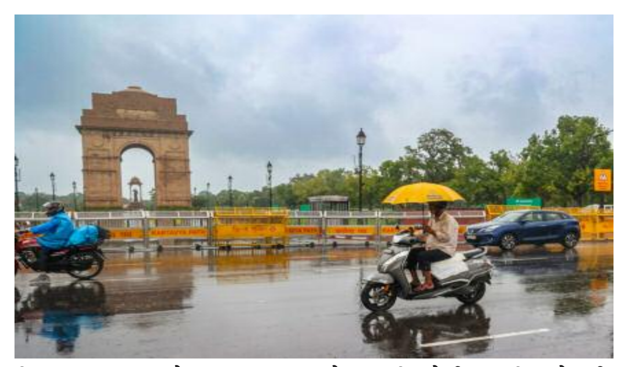

मौसम विभाग के अनुसार, दिनभर आसमान में बादल छाए रहेंगे और बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं तथा गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है।

यूपी में सातवें साल भी नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें, योगी सरकार ने करोड़ों उपभोक्ताओं को दी बड़ी राहत

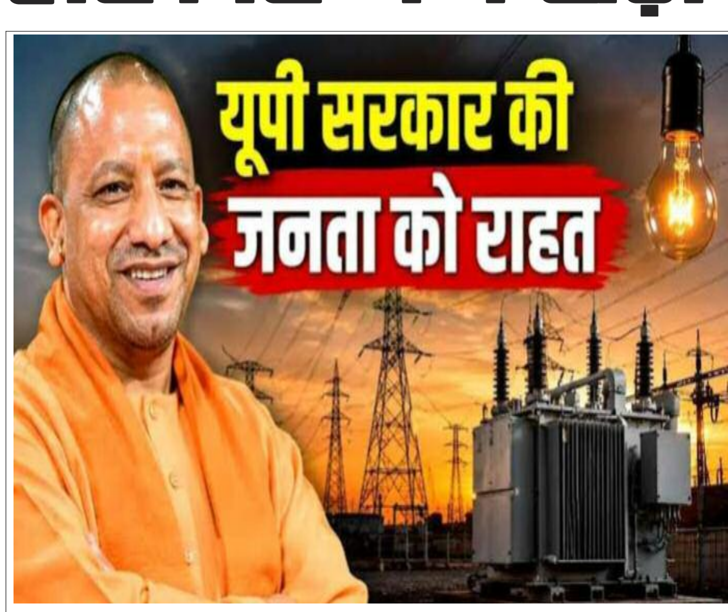

समाज जागरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही राज्य में लगातार सातवें वर्ष बिजली की दरें स्थिर रहेंगी। सरकार का दावा है कि पिछले सात वर्षों में बिजली दरों में एक पैसे की भी वृद्धि नहीं की गई है।

सरकार के इस फैसले से घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। बढ़ती महंगाई के बीच बिजली दरों को यथावत रखने को आम उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा कदम माना जा रहा है।

बिजली दरें स्थिर, आपूर्ति रिकॉर्ड स्तर पर

प्रदेश सरकार का कहना है कि बिजली दरों को स्थिर रखने के साथ-साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में भी लगातार सुधार किया गया है। शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर शहर, गांव, सड़क और गली तक 247 गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

गर्मी में बना नया बिजली आपूर्ति रिकॉर्ड

इस वर्ष भीषण गर्मी के दौरान उत्तर प्रदेश ने बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड बनाया। राज्य में अधिकतम 32,673 मेगावाट बिजली आपूर्ति दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। बढ़ती बिजली मांग के बावजूद आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखना सरकार की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

ऊर्जा मंत्री ने दी जानकारी

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार सातवें वर्ष भी बिजली की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए वही बिजली दरें लागू रहेंगी, जो सात वर्ष पहले निर्धारित की गई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब प्रदेश में बिजली की मांग और आपूर्ति दोनों रिकॉर्ड स्तर पर हैं।

सरकार का मानना है कि बिजली दरों को स्थिर रखने और बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करने से प्रदेश के आर्थिक विकास, औद्योगिक निवेश और आम जनता की सुविधाओं को और मजबूती मिलेगी।

बिजली दरें नहीं बढ़ीं, लेकिन किरायेदार मजदूरों से मनमानी वसूली पर कौन लगाएगा रोक?

उत्तर प्रदेश सरकार भले ही लगातार सातवें वर्ष बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं कर रही है, लेकिन नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली से सटे औद्योगिक क्षेत्रों में रहने वाले लाखों किरायेदार मजदूरों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में फैक्ट्रियों और उद्योगों में कार्यरत मजदूर 15 से 20 हजार रुपये मासिक वेतन पर काम करते हैं। अधिकांश मजदूर किराये के कमरों में रहते हैं, जहां कई मकान मालिक बिजली मीटर में 25 से 40 प्रतिशत तक अतिरिक्त लोड/फास्ट रीडिंग का हवाला देकर या मनमाने तरीके से 8 से 12 रुपये प्रति यूनिट तक बिजली शुल्क वसूलते हैं।

ऐसे में जहां एक ओर 3 से 4 हजार रुपये मासिक किराया देना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर बिजली का भारी बिल मजदूरों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालता है। कम आय वाले परिवारों के लिए यह आर्थिक रूप से बेहद कठिन स्थिति बन जाती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बिजली की खरीद-फरोख्त या निर्धारित नियमों से अधिक दर पर बिजली की वसूली नियामकीय प्रावधानों का उल्लंघन हो सकती है, और यदि कोई मकान मालिक उपभोक्ताओं से निर्धारित नियमों के विपरीत मनमाना शुल्क वसूलता है तो संबंधित बिजली वितरण कंपनी और सक्षम प्राधिकरण के समक्ष इसकी शिकायत की जा सकती है।

जरूरत इस बात की है कि सरकार और बिजली विभाग ऐसे मामलों की नियमित निगरानी करें, ताकि किरायेदारों–विशेषकर मजदूर वर्ग–को सरकारी राहत का वास्तविक लाभ मिल सके और मनमानी वसूली पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

इंडो-पैसिफिक पर भारत-जापान का सख्त संदेश

दक्षिण चीन सागर में एकतरफा कार्रवाई बर्दाश्त नहीं

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत और जापान ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन को लेकर एकजुट रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में किसी भी तरह की एकतरफा कार्रवाई, सैन्य दबाव या यथास्थिति बदलने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी। दोनों देशों ने बिना किसी देश का नाम लिए समुद्री क्षेत्र में बढ़ती आक्रामक गतिविधियों पर गहरी चिंता जताई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच हुई बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर की मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान पर जोर दिया।

नौवहन की स्वतंत्रता पर जोर

संयुक्त बयान में कहा गया कि भारत और जापान अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों में नेविगेशन (नौवहन) और ओवरफ्लाइट (हवाई आवागमन) की स्वतंत्रता तथा सुरक्षा को प्रभावित करने वाली किसी भी एकतरफा और उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हैं।

दोनों देशों ने स्पष्ट किया कि बल प्रयोग, धमकी या दबाव के जरिए मौजूदा स्थिति (स्टेटस क्वो) बदलने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा।

लोकतंत्र की मूल आत्मा की रक्षा और भारत का भविष्य।

भारत वैश्विक सिरमौर लोकतंत्र।

विश्व के लोकतांत्रिक इतिहास में भारत का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत ने जिस दृढ़ता, परिपक्वता और संवैधानिक प्रतिबद्धता के साथ लोकतंत्र को अपनाया, वह विश्व के लिए प्रेरणा का विषय है। अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों, जातीय समूहों और परंपराओं से युक्त इतना विशाल राष्ट्र आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार

पर सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। यह केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सहिष्णुता, समन्वय और सामाजिक परिपक्वता का प्रमाण है।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रसिद्ध कृति डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा था भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। वास्तव में भारत अनेक सभ्यताओं, संस्कृतियों और जीवन-शैलियों का जीवंत संगम है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां भाषाओं, रीति-रिवाजों, खान-पान, वेशभूषा, लोककला, लोकगीत, नृत्य, धार्मिक आस्थाओं और सामाजिक परंपराओं की अद्भुत विविधता होने के बावजूद राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण बनी हुई है। संविधान ने इस विविधता को सम्मान देते हुए सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किए तथा भाषाई सौहार्द बनाए रखने के लिए हिंदी को राजभाषा और 22 भारतीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिया।

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था

संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह सफल नहीं होगा; और यदि संविधान साधारण भी हो, किंतु उसे चलाने वाले अच्छे हों, तो वह सफल सिद्ध होगा।।यह कथन लोकतंत्र में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की नैतिक जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। भारत की सामाजिक संरचना अत्यंत जटिल होते हुए भी समन्वयवादी रही है। यहां ग्रामीण और शहरी जीवन, संयुक्त और एकल परिवार, विभिन्न जातीय एवं सांस्कृतिक समूह, जनजातीय समाज तथा आधुनिक जीवनशैली समानांतर रूप से विकसित हुए हैं। अनेक सामाजिक अंतर्विरोधों के बावजूद भारतीय लोकतंत्र ने संवाद, संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से समाधान खोजने का निरंतर प्रयास किया है।

महात्मा गांधी का विश्वास था

भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। वे ग्राम स्वराज, पंचायती राज, स्वावलंबन, सर्वोदय और मानवीय विकास को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते थे। दूसरी ओर पंडित जवाहरलाल नेहरू आधुनिक विज्ञान, औद्योगिकीकरण, बड़े बांधों और सार्वजनिक उपक्रमों को आधुनिक भारत के निर्माण की आधारशिला मानते थे। इन दोनों दृष्टिकोणों के समन्वय से भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था का मार्ग अपनाया, जिसने लंबे समय तक विकास की दिशा निर्धारित की।

सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था–

"हमारी शक्ति हमारी एकता में निहित है।" ।स्वतंत्रता के बाद 500 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में विलय उनकी अद्वितीय राजनीतिक दूरदर्शिता का परिणाम था, जिसने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ किया।।भारत धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी विश्व का मार्गदर्शक रहा है। हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्मों की जन्मस्थली होने के साथ-साथ भारत ने इस्लाम, ईसाई, पारसी तथा अन्य सभी धर्मों को समान सम्मान दिया। भारतीय संविधान का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप इसी समावेशी परंपरा का प्रतिबिंब है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था

हम केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।

विदेश नीति के क्षेत्र में भारत ने स्वतंत्रता के बाद गुटनिरपेक्षता को अपनाकर विश्व शांति, सह-अस्तित्व और स्वतंत्र निर्णय क्षमता का परिचय दिया। आज भी भारत की विदेश नीति राष्ट्रीय हितों के साथ वैश्विक सहयोग और संतुलन पर आधारित है।डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का कथन आज भी प्रासंगिक है

यदि किसी देश को भ्रष्टाचार-मुक्त और सुंदर राष्ट्र बनाना है, तो उसके तीन प्रमुख स्तंभ हैं माता, पिता और शिक्षक।

यह लोकतंत्र की सफलता में नैतिक शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व की महत्ता को दर्शाता है।आज भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, अंतरिक्ष, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रक्षा, कृषि और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। इतनी विशाल जनसंख्या, बहुभाषिकता और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद लोकतांत्रिक व्यवस्था का सफल संचालन भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

भारत की लोकतांत्रिक शक्ति केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि संविधान के प्रति आस्था, विधि का शासन, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र निर्वाचन प्रणाली, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विविधता में एकता की भावना ही इसकी वास्तविक शक्ति है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मयार्दाओं, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। यदि हम विविधता में एकता की इस महान परंपरा को बनाए रखेंगे, तो भारत केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि सबसे सशक्त, समावेशी और प्रेरणादायक लोकतांत्रिक राष्ट्र भी बना रहेगा।

संजीव ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार, चिंतक एवं लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़,
9009 415 415,

बरसात आने की प्रसन्नता

ये काली घटाएँ जब गगन में मुस्कुराती हैं,
सूखी धरती के होंठों पे हरियाली छाती है।
रिमझिम बूँदों का मधुर स्वर सुनाई देता है,
मन का हर कोना खुशियों से भर जाता है।

धूप से व्याकुल जीवन को राहत मिलती है,
मिट्टी की सोंधी-सोंधी 'खुशबू' दिल छूती है।
पेड़-पौधे नया जीवन पाकर झूमते उठते हैं,
नदियाँ, तालाब व झरने गुनगुनाने लगते हैं।

बच्चे कागज की नावें लेके निकल पड़ते हैं,
बारिश की बूँदों संग 'मोती' भी बिखरते हैं।
छाता थामे हर चेहरा मुस्कान से खिलता है,
सावन का सुहाना मौसम मन को भाता है।

बारिश सिर्फ पानी नहीं, खुशियों का सन्देश,
प्रकृति का अनुपम उपहार जीवन हैं विशेष।
जब-जब सावन की फुहारें धरती पे आती हैं,

परमाणु तकनीक से हाइड्रोजन बनाने में भारत प्रथम

महेन्द्र तिवारी

भारत ने विज्ञान, ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में देश ने दुनिया की पहली ऐसी हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया है जो बिजली के बजाय परमाणु रिएक्टर से प्राप्त ऊष्मा का उपयोग करती है। यह उपलब्धि केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र के लिए भी एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण मोड़ मानी जा रही है।

आज पूरी दुनिया स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा की तलाश में जुटी हुई है। जीवाश्म ईंधनों पर दुनिया की अत्यधिक निर्भरता ने जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और ऊर्जा सुरक्षा जैसी अनेक गंभीर चुनौतियां पैदा कर दी हैं। ऐसे कठिन समय में हाइड्रोजन को भविष्य के सबसे सुरक्षित ईंधन के रूप में देखा जा रहा है। हाइड्रोजन का उपयोग आने वाले समय में परिवहन, इस्पात उद्योग, उर्वरक निर्माण, रसायन और अन्य भारी उद्योगों में बड़े पैमाने पर किया जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उपयोग के दौरान इससे बिल्कुल भी कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं होता है।

अब तक दुनिया भर में अधिकांश स्वच्छ हाइड्रोजन उत्पादन विद्युत आधारित इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया से ही किया जाता रहा है। इस पारंपरिक प्रक्रिया में पानी को बिजली की सहायता से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित किया जाता है। यदि यह आवश्यक बिजली सौर ऊर्जा या पवन ऊर्जा से प्राप्त की जाए तो तैयार होने वाली गैस को हरित हाइड्रोजन कहा जाता है। लेकिन इस पुरानी प्रक्रिया में बहुत बड़ी मात्रा में बिजली की आवश्यकता होती है, जिससे उत्पादन की कुल लागत अत्यधिक बढ़ जाती है और व्यावसायिक व्यवहार्यता कम हो जाती है।

भारत ने इसी बड़ी चुनौती का व्यावहारिक समाधान खोजने की दिशा में पूरी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाया है। कलपक्कम में स्थापित की गई नई सुविधा बिजली का भारी उपयोग करने के बजाय परमाणु रिएक्टर से निकलने वाली अत्यधिक ऊष्मा का सीधे उपयोग करती है। इससे ऊर्जा की बबार्दी बहुत कम होती है और पूरी उत्पादन प्रक्रिया पहले के मुकाबले कहीं अधिक दक्ष बन जाती है। भारतीय वैज्ञानिकों का अटूट विश्वास है कि भविष्य में यह उन्नत तकनीक बड़े पैमाने पर बेहद कम लागत में स्वच्छ हाइड्रोजन उपलब्ध कराने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी।

यह गौरवशाली परियोजना परमाणु ऊर्जा विभाग, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तथा निरंतर प्रयासों का एक बेहद सुखद परिणाम है। इस अत्याधुनिक सुविधा का आधिकारिक उद्घाटन 26 जून 2026 को किया गया। इसे कई वर्षों के गहन शोध, कठिन परीक्षणों और जटिल तकनीकी विकास के बाद अंतिम रूप दिया गया है। इस संयंत्र की सफलता ने भारत के परमाणु अनुसंधान इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है।

इस विशिष्ट संयंत्र में कॉपर क्लोरीन ऊष्मा-रासायनिक

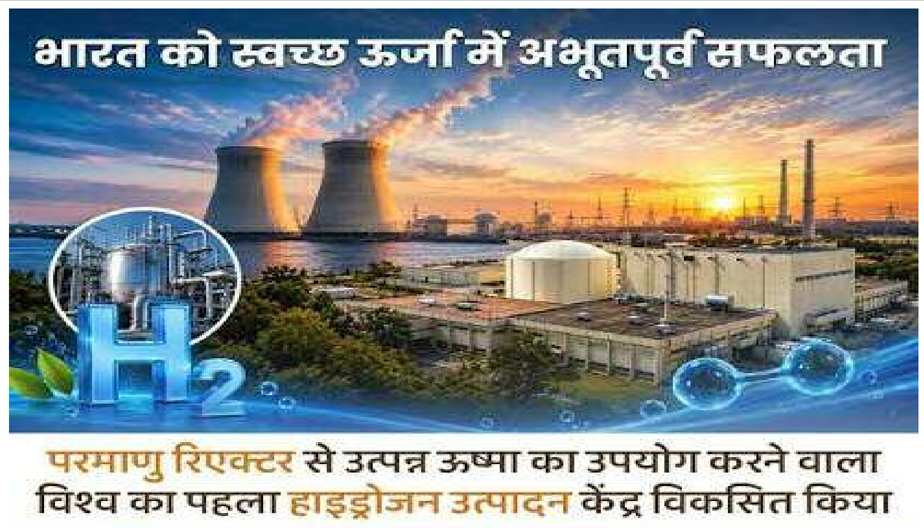

चक्र का उपयोग किया गया है। यह एक विशेष और जटिल रासायनिक तकनीक है जिसमें तांबा और क्लोरीन आधारित रासायनिक अभिक्रियाओं की एक पूरी श्रृंखला के माध्यम से पानी से हाइड्रोजन को अलग किया जाता है। इस पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया में मुख्य ऊर्जा स्रोत केवल ऊष्मा ही होती है। यही कारण है कि इसमें बाहरी बिजली की आवश्यकता बहुत कम पड़ती है और पूरी प्रक्रिया बेहद किफायती हो जाती है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए आवश्यक ऊष्मा का मुख्य स्रोत कलपक्कम का प्रसिद्ध फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर है। यह रिएक्टर कलपक्कम परिसर में ही स्थित है और भारत के उन्नत परमाणु अनुसंधान कार्यक्रम का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इसी ऐतिहासिक रिएक्टर से प्राप्त होने वाली उच्च स्तरीय ऊष्मा का उपयोग पहली बार सीधे तौर पर हाइड्रोजन उत्पादन के लिए सफतापूर्वक किया गया है।

ऊर्जा क्षेत्र के बड़े विशेषज्ञों के अनुसार भारत की यह अनूठी उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि अब परमाणु ऊर्जा केवल बिजली उत्पादन तक ही सीमित नहीं रह गई है। अब परमाणु ऊर्जा का उपयोग सीधे स्वच्छ ईंधन के निर्माण में भी किया जा सकता है। इससे परमाणु ऊर्जा की उपयोगिता कई गुना बढ़ जाती है तथा दुनिया भर में चल रहे ऊर्जा परिवर्तन की वैश्विक प्रक्रिया को एक बिल्कुल नई और सकारात्मक दिशा मिलती है।

भारत लंबे समय से स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अपने लिए बड़े और कड़े लक्ष्य निर्धारित करता रहा है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैव ईंधन और पारंपरिक हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में देश ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अब परमाणु ऊष्मा आधारित इस नए हाइड्रोजन उत्पादन ने भारत की इस विकास यात्रा में एक अत्यंत प्रभावशाली नया अध्याय जोड़ दिया है, जो दुनिया के लिए अनुकरणीय है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि हाइड्रोजन आने वाले दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा वाहक बन सकता है। जिस प्रकार आज के समय में बिजली हमारे आधुनिक जीवन का मुख्य आधार बनी हुई है, ठीक उसी प्रकार भविष्य में हाइड्रोजन ही सभी बड़े उद्योगों और परिवहन व्यवस्था का प्रमुख ईंधन बन सकता है। इसीलिए आज दुनिया भर के तमाम विकसित देश इसके उत्पादन की सबसे सस्ती और प्रभावी तकनीकों को खोजने पर काम कर रहे हैं।

भारत की यह नई पहल इस दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है कि यह देश की वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता को दुनिया के सामने मजबूती से प्रदर्शित करती है। इस पूरी परियोजना में उपयोग की गई तकनीक का संपूर्ण विकास पूर्ण रूप से भारतीय वैज्ञानिकों और स्वदेशी संस्थानों द्वारा ही किया गया है। इससे वैश्विक समुदाय को यह स्पष्ट संदेश जाता है कि भारत अब केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं बल्कि उनका वास्तविक निमार्ता भी बन चुका है।

किसी भी संप्रभु राष्ट्र की आर्थिक प्रगति का मुख्य आधार उसकी ऊर्जा सुरक्षा ही होती है। भारत वर्तमान में अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा विदेशों से आयातित कच्चे तेल और गैस से पूरा करता है। यदि भविष्य में स्वदेशी परमाणु हाइड्रोजन उत्पादन बड़े स्तर पर व्यावसायिक रूप से सफल होता है, तो ऊर्जा आयात पर भारत की निर्भरता काफी हद तक कम हो सकती है। इससे देश के बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार की बड़ी बचत होगी और आंतरिक ऊर्जा आपूर्ति अधिक सुरक्षित बनेगी।

जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती को देखते हुए भी यह भारतीय उपलब्धि अत्यंत प्रासंगिक है। दुनिया भर में कार्बन उत्सर्जन को तेजी से कम करने के गंभीर प्रयास चल रहे हैं। हाइड्रोजन को कार्बन मुक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक प्रमुख और अचूक साधन माना जाता है। परमाणु ऊष्मा आधारित इस उत्पादन पद्धति से बहुत कम समय में बड़ी मात्रा में स्वच्छ ईंधन तैयार करने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं।

इस स्वदेशी तकनीक की एक और सबसे बड़ी विशेषता इसकी उच्च दक्षता है। पारंपरिक इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया में पहले बिजली का उत्पादन किया जाता है, फिर उसका संचरण होता है और अंत में उपयोग होता है, जिससे इस दौरान कुछ ऊर्जा की हानि अवश्य होती है। इसके विपरीत यह ऊष्मारासायनिक प्रक्रिया सीधे रिएक्टर की उपलब्ध ऊष्मा का उपयोग करती है। इससे कुल ऊर्जा का उपयोग बहुत प्रभावी और नुकसान रहित होता है।

कलपक्कम का यह संयंत्र अभी एक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी प्रदर्शन परियोजना के रूप में कार्य कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने से पहले इस तकनीक की व्यवहारिकता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को पूरी तरह से सिद्ध करना है। यदि इसके दीर्घकालिक परिणाम पूरी तरह सफल रहते हैं, तो भविष्य में देश के अन्य हिस्सों में भी इसी प्रकार की बड़ी उत्पादन इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं।

भारत का परमाणु कार्यक्रम पिछले कई दशकों से अत्यंत सतर्कता और निरंतरता के साथ विकसित होता रहा है। देश ने परमाणु अनुसंधान, ईंधन चक्र, रिएक्टर डिजाइन और सुरक्षित परमाणु ऊर्जा उत्पादन में दशकों का उल्लेखनीय अनुभव अर्जित किया है। अब उसी पुराने और समृद्ध अनुभव का उपयोग देश के सुरक्षित भविष्य के लिए स्वच्छ ईंधन के उत्पादन में बहुत समझदारी के साथ किया जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर भी भारत की इस महान तकनीकी उपलब्धि को बहुत ध्यान और सम्मान से देखा जा रहा है। कई विकसित पश्चिमी देश भी वर्तमान में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत द्वारा प्रदर्शित किया गया यह अनूठा मॉडल भविष्य में अन्य सभी प्रगतिशील देशों के लिए एक नई प्रेरणा बन सकता है। यदि यह तकनीक व्यावसायिक स्तर पर पूरी तरह सफल सिद्ध होती है, तो दुनिया के अनेक परमाणु ऊर्जा संपन्न देश इसे अपने यहाँ अपनाने पर विचार कर सकते हैं।

भारत ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल तकनीक, रक्षा उत्पादन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई उल्लेखनीय तथा वैश्विक उपलब्धियां हासिल की हैं। परमाणु ऊष्मा आधारित यह हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा इसी गौरवशाली श्रृंखला की एक और अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। यह स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि हमारा देश अब अत्यंत जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का स्वदेशी समाधान विकसित करने की पूर्ण क्षमता रखता है।

इस उपलब्धि का महत्व केवल तकनीकी सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके आर्थिक आयाम भी बहुत व्यापक हैं। भविष्य में यदि इस तकनीक से स्वच्छ हाइड्रोजन का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन संभव होता है, तो देश में बिल्कुल नए प्रकार के उद्योग विकसित होंगे। इससे युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर बढ़ेंगे और भारत के ऊर्जा क्षेत्र में बड़े विदेशी निवेश आकर्षित होंगे, जिससे देश की आर्थिक वृद्धि को एक नई शक्ति मिलेगी।

आज जब पूरी दुनिया स्वच्छ, टिकाऊ और भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों की खोज में निरंतर लगी हुई है, तब भारत ने एक ऐसा साहसिक कदम उठाया है जो भविष्य की वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। कलपक्कम की यह आधुनिक सुविधा केवल एक वैज्ञानिक संयंत्र नहीं है, बल्कि यह उस भारतीय वैज्ञानिक दृष्टि का जीवंत प्रतीक है जो बड़ी चुनौतियों को भी महान अवसरों में बदलने का हौसला रखती है। परमाणु रिएक्टर की छिपी हुई गर्मी से स्वच्छ ईंधन बनाने की यह अद्भुत उपलब्धि भारत को वैश्विक ऊर्जा नवाचार के अग्रणी देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करती है।

भारत-जापान की नई रणनीतिक साझेदारी से बदलेंगे एशिया के शक्ति समीकरण

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में गुरुवार को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची को अपनी 'छोटी बहन' कहकर संबोधित किया, तब यह केवल शिष्टाचार का एक वाक्य नहीं था। कूटनीति की दुनिया में शब्द अक्सर दस्तावेजों से ज्यादा गहरे संदेश देते हैं। इस संबोधन के पीछे वह भरोसा छिपा था, जिसे भारत और जापान ने पिछले ढाई दशकों में धीरे-धीरे तैयार किया है। लेकिन इस मुलाकात की असली अहमियत भावनात्मक रिश्ते से कहीं आगे है। यह उस दौर में हुई है, जब एशिया की राजनीति नए मोड़ पर खड़ी है, चीन का बढ़ता दबदबा पड़ोसी देशों की चिंता बढ़ा रहा है, वैश्विक सप्लाई चेन नए ठिकाने तलाश रही है और तकनीक भविष्य की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है। ऐसे समय में भारत और जापान ने दुनिया को यह संकेत दिया है कि दोनों देशों की साझेदारी अब केवल निवेश और व्यापार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और सामरिक सुरक्षा की नई धुरी बनने जा रही है।

भारत और जापान के रिश्तों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि इनमें कभी उतार-चढ़ाव की राजनीति नहीं दिखी। 1952 में राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद दोनों देशों के बीच विश्वास लगातार बढ़ता गया। 2000 में रिश्तों को नई दिशा मिली, 2006 में उन्हें 'स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप' का दर्जा मिला और 2014 में इन्हें 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप' में बदल दिया गया। यह वही दौर था, जब जापान ने भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एशिया में सबसे भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखना शुरू किया। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल, मेट्रो परियोजनाएं और औद्योगिक टाउनशिप जैसे दर्जनों बड़े प्रोजेक्ट इसी सोच का परिणाम हैं। जापान ने पिछले दो दशकों में भारत में अरबों डॉलर का निवेश किया और आज करीब 1,400 जापानी कंपनियां भारतीय बाजार में सक्रिय हैं।

लेकिन इस बार का शिखर सम्मेलन इसलिए अलग था क्योंकि पहली बार दोनों देशों ने रक्षा सह-विकास समझौते पर हस्ताक्षर किए। अब तक भारत और जापान संयुक्त नौसैनिक अभ्यास, रक्षा संवाद और समुद्री सुरक्षा तक सहयोग कर रहे थे, लेकिन रक्षा तकनीक के संयुक्त विकास की दिशा में यह पहला कदम है। इसका मतलब केवल हथियार बनाना नहीं है। इसका अर्थ है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश ऐसी तकनीकों पर साथ काम करेंगे, जो समुद्री निगरानी, सुरक्षित संचार, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रक्षा प्रणाली और भविष्य की युद्ध तकनीकों की दिशा तय करेंगी। रक्षा विशेषज्ञ इसे भारत-जापान संबंधों का सबसे बड़ा रणनीतिक मोड़ मान रहे हैं, क्योंकि जापान लंबे समय तक रक्षा निर्यात और सैन्य तकनीक साझा करने में बेहद सतर्क रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया। इसके पीछे चीन की बढ़ती आक्रामकता सबसे बड़ा कारण है। पिछले एक दशक में दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों का निर्माण, ताइवान के आसपास लगातार सैन्य अभ्यास, पूर्वी चीन सागर में सेनकाकू द्वीपों को लेकर जापान के साथ तनाव और हिंद महासागर में चीनी नौसेना की बढ़ती मौजूदगी ने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था बदल दी है। दूसरी ओर, भारत भी पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लंबे सैन्य गतिरोध का सामना कर चुका है। ऐसे में नई दिल्ली और टोक्यो की रणनीतिक सोच पहले से कहीं ज्यादा समान दिखाई देती है। दोनों देश मानते हैं कि समुद्री रास्तों की सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान और नियम-आधारित व्यवस्था ही एशिया में स्थिरता बनाए रख सकती है। यही वजह है कि क्वाड के भीतर भी भारत और जापान सबसे सक्रिय साझेदारों में गिने जाते हैं।

रक्षा सहयोग के साथ-साथ आर्थिक सुरक्षा इस शिखर सम्मेलन का दूसरा सबसे बड़ा विषय रही। कोविड महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को यह सिखाया कि केवल सस्ती सप्लाई चेन पर्याप्त नहीं

होती, बल्कि भरोसेमंद साझेदार भी जरूरी होते हैं। लंबे समय तक दुनिया का अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन चीन पर निर्भर रहा, लेकिन अब अमेरिका, जापान, भारत और यूरोप वैकल्पिक सप्लाई नेटवर्क तैयार करने में जुटे हैं। इसी रणनीति के तहत भारत और जापान ने सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजी और उन्नत विनिर्माण में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है। आज दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था चिप्स पर टिकी है और जापान इस क्षेत्र में कच्चे माल, मशीनरी तथा तकनीक का बड़ा केंद्र है, जबकि भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का नया हब बन रहा है। दोनों देशों की साझेदारी भविष्य की तकनीकी प्रतिस्पर्धा में निर्णायक साबित हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन के दौरान बताया कि पिछले एक वर्ष में दोनों देशों के बीच लगभग 120 नए कारोबारी समझौते हुए हैं। अब लक्ष्य अगले दस वर्षों में भारत में 10 ट्रिलियन येन का जापानी निवेश आकर्षित करना है। भारतीय मुद्रा में इसकी कीमत करीब छह लाख करोड़ रुपये से अधिक बैठती है। यह निवेश केवल कारखाने लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, बैटरी तकनीक और हाई-टेक उद्योगों में भी लगाया जाएगा। वर्ष 2025-26 में भारत-जापान द्विपक्षीय व्यापार लगभग 27 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है, लेकिन दोनों सरकारें मानती हैं कि यह क्षमता के मुकाबले अभी भी काफी कम है। इसलिए अब निवेश और व्यापार दोनों को अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी की जा रही है।

शिखर सम्मेलन में हरित ऊर्जा को भी नई प्राथमिकता मिली। 'गोवर्धन' पहल के तहत भारत-जापान बायोगैस मिशन शुरू किया गया है, जिसके जरिए आधुनिक बायोगैस संयंत्रों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इसका मकसद केवल स्वच्छ ऊर्जा पैदा करना नहीं है, बल्कि कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग, किसानों की अतिरिक्त आय, जैविक उर्वरकों का उत्पादन और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना भी है। जापान की पर्यावरणीय तकनीक और भारत की विशाल कृषि अर्थव्यवस्था का यह मेल आने वाले वर्षों में ग्रामीण विकास का नया मॉडल बन सकता है। तकनीक के क्षेत्र में भी दोनों देशों की सोच तेजी से बदल रही है। अब सहयोग केवल हार्डवेयर या मशीनों तक सीमित नहीं रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, 6जी संचार, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त अनुसंधान का रास्ता खोला गया है। जापान के पास उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग और सटीक विनिर्माण की क्षमता है, जबकि भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल प्रतिभा और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञता है। यदि दोनों की ताकतें एक मंच पर आती हैं, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया केंद्र उभर सकता है।

2027 में भारत और जापान अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे करेंगे। लेकिन उससे पहले ही दोनों देशों ने साफ कर दिया है कि आने वाला दशक केवल दोस्ती का नहीं, बल्कि साझा नेतृत्व का दशक होगा। बदलती वैश्विक राजनीति में, जहां कई पुराने गठबंधन कमजोर पड़ रहे हैं, वहीं भारत और जापान का रिश्ता लगातार मजबूत हो रहा है। यही वजह है कि नई दिल्ली में बोला गया 'छोटी बहन' का एक वाक्य केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि उस रणनीतिक विश्वास का प्रतीक बन गया, जिसके सहारे दोनों देश एशिया की नई शक्ति संरचना को आकार देने की तैयारी कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी केवल भारत और जापान की नहीं, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की दिशा तय करने वाली सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में गिनी जा सकती है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

"समाधान समारोह" अभियान के तहत 21 से 23 अगस्त तक विशेष लोक अदालत, सुप्रीम कोर्ट में लंबित सुलह योग्य मामलों का होगा निस्तारण

संदीप गर्ग/समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर। जनपद में "समाधान समारोह" अभियान के अंतर्गत 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में माननीय उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) में लंबित सुलह-योग्य मामलों का आपसी सहमति से निस्तारण कराने का अवसर मिलेगा।

यह जानकारी जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव के निदेशों के क्रम में अपर जिला जज एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर, शिवानी रावत ने दी। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत का उद्देश्य ऐसे मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराना है, जिनमें पक्षकारों के बीच आपसी समझौते की संभावना है। जिन वादकारियों के मामले वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं और जिनमें समझौता संभव है, वे इस विशेष लोक अदालत के माध्यम से अपने विवादों का शीघ्र और सरल समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जनपदवासियों से अपील की कि जिन मामलों में आपसी सुलह-समझौते की संभावना हो, वे इस विशेष लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराएं।

विशेष लोक अदालत के माध्यम से लंबित मामलों का निस्तारण होने से पक्षकारों का समय और धन दोनों की बचत होगी तथा न्यायिक प्रक्रिया भी अधिक सरल और प्रभावी बन सकेगी। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

योगी सरकार की नई आईटीआई प्रवेश व्यवस्था लागू, युवाओं को मिलेगा पारदर्शी और डिजिटल प्रवेश का लाभ

संदीप गर्ग/समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 2 जुलाई। उत्तर प्रदेश सरकार ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की प्रवेश प्रक्रिया में व्यापक बदलाव किए हैं। नई व्यवस्था का उद्देश्य प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और रोजगारोन्मुख बनाकर प्रदेश के लाखों युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ना है।

प्रदेश सरकार के अनुसार नई आईटीआई प्रवेश प्रणाली के तहत आवेदन से लेकर सीट आवंटन तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इससे अभ्यर्थियों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और ग्रामीण व दूरदराज क्षेत्रों के युवाओं को भी समान अवसर मिल सकेंगे।

नई व्यवस्था में अभ्यर्थी अपनी रुचि के अनुसार राजकीय आईटीआई, निजी आईटीआई अथवा दोनों प्रकार के संस्थानों में आवेदन कर सकेंगे। सीटों का आवंटन पूरी तरह मेरिट और अभ्यर्थियों की वरीयता के आधार पर ऑनलाइन किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी प्रत्येक जानकारी अभ्यर्थियों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रदेश सरकार ने स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देते हुए राजकीय आईटीआई एवं पीपीपी मॉडल पर संचालित संस्थानों में 75 प्रतिशत सीटें संबंधित जनपद के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित रखने का निर्णय लिया है। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा और क्षेत्रीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

सामाजिक न्याय को ध्यान में रखते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण व्यवस्था यथावत रखी गई है। वहीं राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को वरीयता अंक देने का भी प्रावधान किया गया है।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी वर्गों की महिला अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क सिर्फ 100 रुपये निर्धारित किया गया है। सरकार का मानना है कि इससे तकनीकी शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी बढ़ेगी।

नई प्रवेश नीति में सीट अपग्रेडेशन की सुविधा भी दी गई है। यदि किसी अभ्यर्थी को प्रारंभिक चरण में उसकी पसंद का संस्थान या ट्रेड नहीं मिलता है, तो बाद के चरणों में मेरिट के आधार पर बेहतर विकल्प मिलने का अवसर रहेगा। साथ ही अंतिम चरण में रिक्त सीटों को भरने की विशेष व्यवस्था भी की गई है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण का अवसर मिल सके।

सरकार का कहना है कि आईटीआई संस्थानों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। आधुनिक मशीनों, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और डिजिटल प्रशिक्षण संसाधनों के माध्यम से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

प्रदेश सरकार का मानना है कि नई आईटीआई प्रवेश व्यवस्था कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी तथा उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी कौशल विकास राज्यों में शामिल करने में अहम भूमिका निभाएगी।

(सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

सहकारिता सप्ताहः जेवर में निबंध प्रतियोगिता आयोजित, विजेता विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

संदीप गर्ग/समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 2 जुलाई। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को विकासखंड जेवर कार्यालय में "सहकारिता का ग्रामीण विकास में योगदान" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं समाजसेवी गोपाल कृष्ण अग्रवाल मुख्य अतिथि तथा विकासखंड जेवर की ब्लॉक प्रमुख मुन्नी देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को सहकारिता के सिद्धांतों, विभागीय योजनाओं तथा ग्रामीण विकास में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिल सकती है।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन में सहकारिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा। निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) आलोक रंजन ने किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता) विवेक यादव, अपर सांख्यिकी अधिकारी शिवानी सिंह, सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) मोहम्मद हसीब, शगुफ्ता मोबिन, अश्वनी यदुवंशी, समिति सचिव सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया गौतमबुद्धनगर जिला कारागार का मासिक निरीक्षण

संदीप गर्ग/समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 2 जुलाई। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के क्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शिवानी रावत ने गुरुवार को जिला कारागार, गौतमबुद्धनगर का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उप जेलर सुरजीत सिंह भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में जिला कारागार में 2,388 बंदी निरुद्ध हैं। सचिव ने कारागार की किशोर बैरकों का निरीक्षण कर वहां निरुद्ध किशोरों से उनके मुकदमों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। साथ ही उनकी समस्याओं को भी सुना और आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान सचिव ने जिला कारागार में संचालित लीगल एड सेल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कारागार में नियुक्त बंदी पीएलवी (पैरा लीगल वॉलंटियर) द्वारा किए जा रहे कार्यों और संधारित अभिलेखों का अवलोकन किया तथा विधिक सहायता संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान विधिक सहायता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

जेवर देहात में आज 12 घंटे बिजली रहेगी बाधित, 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर बदले जाने का कार्य

संदीप गर्ग/समाज जागरण

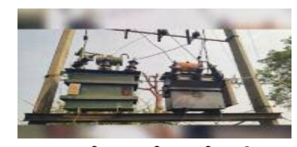

जेवर। जेवर क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। विद्युत नगरीय वितरण खंड (तकनीकी), 33 केवी यीडा, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने बताया है कि शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र जेवर देहात पर 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर संख्या-1 को बदलने का कार्य किया जाएगा। इस कारण उपकेंद्र से पोषित सभी 11 केवी फीडरों की विद्युत आपूर्ति सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक पूर्ण रूप से बाधित रहेगी।

विभाग के अनुसार, ट्रांसफार्मर प्रतिस्थापन का कार्य पूरा होने के बाद शाम 7 बजे के पश्चात पावर ट्रांसफार्मर संख्या-2 से सभी फीडरों को क्रमवार जोड़कर विद्युत आपूर्ति बहाल की जाएगी। वहीं शनिवार, 4 जुलाई 2026 को प्रातः 5 बजे से बिजली आपूर्ति सामान्य होने की संभावना है।

विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए सहयोग की अपील की है। साथ ही लोगों से बिजली का आवश्यकतानुसार ही उपयोग करने और ऊर्जा संरक्षण में सहयोग देने का आग्रह किया गया है।

विभाग ने बताया कि बिजली आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या शिकायत के लिए उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

नोएडाः जारचा पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ युवक को किया गिरफ्तार, बाइक भी बरामद

संदीप गर्ग/समाज जागरण

नोएडा। थाना जारचा पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, टीम ने एनटीपीसी रोड स्थित सलारपुर जंगल के पास से विवेक पुत्र स्वर्गीय राम अवतार निवासी ग्राम पटाड़ी, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार किया। आरोपी की उम्र करीब 27 वर्ष बताई गई है।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक .315 बोर का तमंचा, एक .315 बोर का जिंदा कारतूस तथा होंडा सीबी 125 हॉर्नेट मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मु.अ.सं. 117/2026 दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम पूर्व में दर्ज मु.अ.सं. 312/2019 (धारा 147, 148, 149, 352, 302 भादवि) के एक मामले में भी सामने आया है।

बरामदगी

एक तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस .315 बोर,
एक होंडा सीबी 125 हॉर्नेट मोटरसाइकिल
पुलिस मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

नोएडाः साइबर ठगी के शिकार पीड़ित के 45 हजार रुपये वापस, सेक्टर-58 पुलिस की त्वरित कार्रवाई

संदीप गर्ग/समाज जागरण

नोएडा। थाना सेक्टर-58 की साइबर टीम ने ऑनलाइन साइबर ठगी के शिकार एक पीड़ित के 45 हजार रुपये सफलतापूर्वक वापस कराकर राहत दिलाई है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को उसकी पूरी धनराशि वापस मिल गई।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने थाना सेक्टर-58 में शिकायत दर्ज कराई थी कि 26 अप्रैल 2026 को कंपनी के कार्य के नाम पर उससे 45,000 रुपये ऑनलाइन ले लिए गए। इसके बाद न तो कोई कार्य किया गया और न ही उसकी रकम वापस की गई, जिससे वह साइबर ठगी का शिकार हो गया।

शिकायत मिलते ही थाना सेक्टर-58 की साइबर टीम ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित बैंक एवं अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया। आवश्यक विधिक कार्रवाई और लगातार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप पीड़ित की पूरी 45 हजार रुपये की धनराशि वापस कराई गई।

धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने नोएडा पुलिस की साइबर टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनके त्वरित और प्रभावी कार्य की सराहना की। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर धनराशि वापस कराने की संभावना बढ़ सके।

नोएडा में सपा कार्यकर्ताओं ने मनाया अखिलेश यादव का 53वां जन्मदिन, बच्चों को बांटीं कॉपी-पेंसिल और मिठाइयां

संदीप गर्ग/समाज जागरण

नोएडा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का 53वां जन्मदिन गुरुवार को नोएडा विधानसभा इकाई द्वारा सेक्टर-9 स्थित झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में बच्चों के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान केक काटकर बच्चों और कार्यकर्ताओं के बीच वितरित किया गया तथा बच्चों को कॉपी, पेंसिल और रबर भी भेंट किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन नोएडा विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान के नेतृत्व में हुआ, जबकि इसकी अध्यक्षता पार्टी के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने की।

इस अवसर पर बबलू चौहान ने कहा कि अखिलेश यादव ऐसे नेता हैं जिन्हें हर वर्ग और विशेष रूप से युवा पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता चाहती है कि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव दोबारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनें, जिससे प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिल सके। उन्होंने अखिलेश यादव के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना भी की।

पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अखिलेश यादव ने नोएडा सहित पूरे उत्तर प्रदेश में विकास के कई महत्वपूर्ण कार्य कराए। उन्होंने नोएडा मेट्रो, सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट, सेक्टर-34 में नारी निकेतन, सेक्टर-18 से मामूरा तक एलिवेटेड रोड, मल्टीलेवल पार्किंग, होशियारपुर गांव में बालिका इंटर कॉलेज, सरफाबाद में मिनी स्टेडियम, सेक्टर-21ए में क्रिकेट स्टेडियम तथा विभिन्न अंडरपास जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन कार्यों ने क्षेत्र के विकास को नई दिशा दी।

कार्यक्रम में तनवीर अहमद, मोहम्मद तस्लीम, सुल्तान अंसारी, शालिनी खारी, नेहा पांडेय, हरपाल सिंह, गुड्डू चौधरी, विमला देवी, महेश, मोहित गौतम, सुमित, आमिर, अनीस, मनोज गौतम, अमन, साहिल चौधरी, देवेंद्र खारी, दीपक देशवाल, नीर अवाना, नदीम सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय बच्चे उपस्थित रहे।

नोएडा साइबर पुलिस का बड़ा खुलासाः IGL कर्मचारी बनकर ₹21.27 लाख की ठगी करने वाले गिरोह से जुड़े 4 आरोपी गिरफ्तार

संदीप गर्ग/समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने 21.27 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर साइबर अपराधियों को कमीशन के बदले अपने क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने का आरोप है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, अभिसूचना संकलन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई करते हुए सचिन कुमार, शहनवाज शेख, शिवम पांडेय और शुभम कुमार सिंह को नोएडा से गिरफ्तार किया गया। चारों आरोपी गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के निवासी हैं और उनकी उम्र 22 से 28 वर्ष के बीच है।

IGL कर्मचारी बनकर भेजा फर्जी लिंक

जांच में सामने आया कि साइबर अपराधियों ने खुद को आईजीएल कंपनी का कर्मचारी बताकर पीड़ित को बिल भुगतान के नाम पर एक फर्जी लिंक भेजा। लिंक के जरिए पीड़ित के मोबाइल का अनधिकृत एक्सेस प्राप्त कर उसके खाते से करीब 21.27 लाख रुपये की साइबर ठगी कर ली गई।

कमीशन पर उपलब्ध कराते थे क्रेडिट कार्ड

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी साइबर ठगों को 10 से 20 प्रतिशत कमीशन के बदले अपने क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराते थे। जांच में पाया गया कि आरोपी सचिन कुमार के क्रेडिट कार्ड में 1,49,490 तथा शहनवाज शेख के कार्ड में कुल 4,78,000 (2,56,000 और 2,22,000) की ठगी की रकम प्राप्त हुई थी। वहीं शिवम पांडेय और शुभम कुमार सिंह भी साइबर अपराधियों को अपने क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराते थे। अब तक इनके खातों में लगभग 6.50 लाख की ठगी की रकम आने की पुष्टि हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 318(4), 319(2) बीएनएस तथा आईटी एक्ट की धारा 66, 66उ और 66ऊ के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस की साइबर सुरक्षा सलाह

नोएडा साइबर पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है–

बिल भुगतान, केवाईसी या बैंक अपडेट के नाम पर आए किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

बैंक या किसी कंपनी का अधिकारी बताने वाले कॉल या संदेश की आधिकारिक नंबर से पुष्टि करें।

मोबाइल में किसी भी अनजान ऐप को स्क्रीन शेयर या एक्सेसिबिलिटी जैसी अनावश्यक अनुमति न दें।

ओटीपी, बैंक कार्ड, सीवीवी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.iN पर शिकायत दर्ज कराएं। थोड़े से कमीशन या लालच में अपना बैंक खाता या क्रेडिट कार्ड किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध न कराएं, क्योंकि ऐसा करना भी साइबर अपराध में संलिप्तता माना जा सकता है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

नोएडाः पीजी, हॉस्टल और किराये के कमरों में चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, 6 लैपटॉप, 7 मोबाइल, बाइक व नकदी बरामद

संदीप गर्ग/समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। थाना सेक्टर-126 पुलिस ने पीजी, हॉस्टल, फ्लैट और किराये के कमरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 6 चोरी के लैपटॉप, 7 मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल, 12,500 रुपये नकद, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और एक अवैध चाकू बरामद किया है।

कमरे का दरवाजा खुला देख उड़ाए लैपटॉप

पुलिस के अनुसार, एक पीड़ित ने थाना सेक्टर-126 में शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने कमरे का दरवाजा खुला होने का फायदा उठाकर उसके दो लैपटॉप तथा उसके रूम पार्टनर के दो लैपटॉप, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस चोरी कर लिए। शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-126 में मु.अ.सं. 117/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी और मुखबिर की सूचना से आरोपी गिरफ्तार

घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-131 स्थित गढ़ी शाहपुर के सामने से आरोपी बालन गोविन्दन को गिरफ्तार कर लिया।

तमिलनाडु का रहने वाला है आरोपी

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मूल रूप से तिरुपत्तूर (तमिलनाडु) का रहने वाला है और पिछले काफी समय से नोएडा व एनसीआर में रहकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। वह खासतौर पर पीजी, हॉस्टल, किराये के मकानों और फ्लैटों को निशाना बनाता था, जहां छात्र और नौकरीपेशा लोग रहते हैं।

चोरी के लिए अपनाता था नया तरीका

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि आरोपी कई दिनों तक रेकी कर ऐसे कमरों और मकानों की पहचान करता था, जहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होती थी या दरवाजे खुले रह जाते थे। मौका मिलते ही वह लैपटॉप, मोबाइल, नकदी, पहचान पत्र और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था।

वारदात को अंजाम देने के लिए वह अक्सर चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करता था। पहचान छिपाने के लिए कई बार रैपिडो और ओला जैसी ऐप आधारित बाइक सेवाओं का भी सहारा लेता था। चोरी किए गए मोबाइल और लैपटॉप राह चलते लोगों को कम कीमत पर बेच देता था या पार्सल के जरिए अपने गृह राज्य तमिलनाडु भेज देता था। चोरी से मिली रकम से वह अपने खर्च पूरे करता था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने पास एक अवैध चाकू भी रखता था, जिसका इस्तेमाल विरोध होने पर लोगों को डराकर भागने के लिए करता था।

कई मुकदमे पहले से दर्ज

पुलिस ने बताया कि 36 वर्षीय आरोपी बालन गोविन्दन के खिलाफ नोएडा के विभिन्न थानों में पहले से 6 से 7 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामद अन्य मोबाइल और लैपटॉप के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बरामद सामान

6 चोरी के लैपटॉप, 7 चोरी के मोबाइल फोन, चोरी की रकम से प्राप्त 12,500 नकद, 1 चोरी की मोटरसाइकिल, 1 आधार कार्ड एवं 1 ड्राइविंग लाइसेंस, 1 अवैध चाकू पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

सांसद डॉ. महेश शर्मा की अध्यक्षता में जेवर एयरपोर्ट का अध्ययन एवं भ्रमण, परियोजना की प्रगति और सुविधाओं का लिया जायजा

संदीप गर्ग/समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। लोकसभा हाउसिंग कमेटी द्वारा गुरुवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर में स्थानीय अध्ययन एवं भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतमबुद्धनगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने की। इस दौरान समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने एयरपोर्ट परियोजना की प्रगति, यात्री सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत अवलोकन किया।

कार्यक्रम के दौरान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अधिकारियों ने परियोजना की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्य की प्रगति और आगामी योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की। प्रतिनिधिमंडल को वीआईपी एवं वीवीआईपी लाउंज, टर्मिनल भवन, आगमन एवं प्रस्थान क्षेत्र, सुरक्षा व्यवस्था, सांसदों एवं विशिष्ट अतिथियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष व्यवस्थाओं, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं तथा पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास संबंधी पहल से अवगत कराया गया।

बैठक में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया , नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड , यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय, सुरक्षा प्रबंधन, यात्री सुविधाओं और भविष्य में चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को और बेहतर बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

अध्ययन एवं भ्रमण कार्यक्रम में लोकसभा हाउसिंग कमेटी की सदस्य एवं सांसद अपराजिता सारंगी, सांसद कोडिकुन्निल सुरेश, सांसद अक्षय यादव, बुलंदशहर सांसद भोला सिंह, अलीगढ़ सांसद सतीश कुमार गौतम, सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज सिंह, खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह, दादरी विधायक तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी एवं श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर सांसद डॉ. महेश शर्मा ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के वाइस चेयरमैन क्रिस्टोफ श्नेलमैन, यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, जिला प्रशासन तथा सभी संबंधित एजेंसियों का सफल आयोजन और बेहतर समन्वय के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में विश्वस्तरीय नागरिक उड्डयन अवसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है।

सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी ने जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

समाज जागरण

संभल।भारत सरकार द्वारा सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 06 जुलाई 2026 तक देशभर में सहकारिता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस क्रम में निर्धारित कार्यक्रमों के अंतर्गत गुरुवार को जनपद सम्भल में सहकारिता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कलक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली कलक्ट्रेट परिसर से प्रारम्भ होकर इस्लामनगर चौराहा, बहजोई होते हुए स्टेशन रोड स्थित सहकारी समिति परिसर में संपन्न हुई।

रैली के माध्यम से सहकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सहकारी आंदोलन के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। प्रतिभागियों ने झंडों, बैनरों एवं पोस्टरों के माध्यम से आमजन को सहकारिता की उपयोगिता, विभागीय योजनाओं तथा उनसे प्राप्त होने वाले लाभों की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक लोगों से सहकारी संस्थाओं से जुड़कर योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारिता की भावना को सुदृढ़ करना तथा जनसामान्य को सहकारिता विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक बनाना।

स्योहारा में अपराधियों की अब खैर नहीं, पीड़ितों को मिलेगा समय पर न्याय : थाना अध्यक्ष संजय तोमर

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर स्योहारा। नव नियुक्त थाना अध्यक्ष संजय तोमर ने बुधवार को स्योहारा थाने का कार्यभार ग्रहण करने के बाद अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण करना तथा पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

उन्होंने कहा कि चोरी, लूट, अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी, जुआ, सट्टा तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

थाना अध्यक्ष संजय तोमर ने क्षेत्रवासियों से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के आपसी विश्वास तथा सहभागिता से ही अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। महिला उत्पीड़न, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा और महिलाओं से जुड़े अन्य मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले बाजारों और प्रमुख मार्गों पर तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

थाना अध्यक्ष ने कहा कि थाने में आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुना जाएगा। कोई भी पीड़ित बिना किसी संकोच के सीधे उनसे मिल सकता है। उनके कार्यकाल में निष्पक्ष पुलिसिंग, पारदर्शी कार्यप्रणाली और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाकर स्योहारा क्षेत्र में सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण स्थापित करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

भारत टेक्स-2026: 14 से 17 जुलाई तक नई दिल्ली में सजेगा दुनिया का सबसे बड़ा टेक्सटाइल मंच, 7,000 से अधिक वैश्विक खरीदार होंगे शामिल

नई दिल्ली। भारत के वस्त्र उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए भारत टेक्स-2026 का आयोजन आगामी 14 से 17 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जाएगा। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह चार दिवसीय मेगा इवेंट देश के संपूर्ण टेक्सटाइल इकोसिस्टम को एक ही मंच पर लाकर वैश्विक व्यापार, निवेश, तकनीकी नवाचार और निर्यात को नई गति देने का काम करेगा।

भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन द्वारा आयोजित इस मेले में दुनिया भर के निमार्ता, निर्यातक, वैश्विक खरीदार, फैशन ब्रांड, निवेशक, नीति-निमार्ता, डिजाइनर, स्टार्टअप, तकनीकी विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। आयोजन का उद्देश्य भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता, गुणवत्ता, नवाचार और टिकाऊ (सस्टेनेबल) टेक्सटाइल उत्पादन को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है।

आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ' '5F वजिन'—Farm to Fibre, Fibre to Factory, Factory to Fashion और Fashion to Foreign से प्रेरित है। यह विजन कृषि से लेकर तैयार परिधान और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मजबूत बनाने पर केंद्रित है।

7,000 से अधिक खरीदार और 1.30 लाख व्यापारिक आगंतुक

आयोजकों के अनुसार भारत टेक्स-2026 के तीसरे संस्करण में 7,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार, 1.30 लाख से अधिक व्यापारिक आगंतुक, 1,600 से अधिक प्रदर्शक तथा 20,000 से अधिक वस्त्र उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। लगभग 16 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में आयोजित होने वाला यह आयोजन अब तक का सबसे बड़ा टेक्सटाइल व्यापार मेला होगा।

20 से अधिक देशों के 350 विशेषज्ञ करेंगे विचार साझा

कार्यक्रम में 20 से अधिक देशों के 350 से अधिक विशेषज्ञ, उद्योगपति, सीईओ, नीति-निमार्ता और अंतरराष्ट्रीय वक्ता विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखेंगे। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष इंटरनेशनल पवेलियन भी बनाया जाएगा।

अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, स्पेन, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, बांग्लादेश, वियतनाम, मिस्र, थाईलैंड, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों के प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग लेंगे।

राज्यों को मिलेगा निवेश आकर्षित करने का अवसर

भारत टेक्स-2026 में राज्यों की भी बड़ी भागीदारी रहेगी। उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, बिहार, कर्नाटक और तमिलनाडु प्रायोजक राज्यों के रूप में शामिल होंगे, जबकि आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, मणिपुर, राजस्थान और पश्चिम बंगाल अपने औद्योगिक क्लस्टर, निवेश संभावनाएं और वस्त्र उद्योग की ताकत का प्रदर्शन करेंगे। राज्य निवेशक संपर्क सत्रों के माध्यम से विभिन्न राज्यों को वैश्विक निवेशकों के सामने अपनी औद्योगिक नीतियों और बुनियादी ढांचे को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

टेक्सटाइल उद्योग की पूरी वैल्यू चेन होगी प्रदर्शित

प्रदर्शनी में फाइबर, यार्न, फैब्रिक, रेडीमेड गारमेंट, होम टेक्सटाइल, टेक्निकल टेक्सटाइल, मशीनरी, फैशन, डिजाइन, प्रिंटिंग तकनीक, टेक्सटाइल केमिकल्स और सहायक उद्योगों से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। भारत के प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टर जैसे तिरुपुर, अहमदाबाद और इचलकरंजी को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और ट्राइडेंट, वर्धमान टेक्सटाइल्स, अरविंद, शाही एक्सपोर्ट्स, RSWM, PDS लिमिटेड सहित कई बड़ी कंपनियां भी इस आयोजन का हिस्सा होंगी।

100 से अधिक नॉलेज सेशन होंगे आयोजित

भारत टेक्स-2026 में उद्योग जगत की चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर 100 से अधिक नॉलेज सेशन आयोजित किए जाएंगे। इनमें 39 पैनल चर्चा, 16 राउंडटेबल बैठकें, 37 मास्टरक्लास, 8 राज्य-विशेष सत्र तथा अनेक तकनीकी चचाएं शामिल हैं।

इन सत्रों में निर्यात बढ़ाने की रणनीति, सतत विकास, इंडस्ट्री 5.0, फाइबर सुरक्षा, तकनीकी नवाचार, वैश्विक सोर्सिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल टेक्नोलॉजी और एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी।

3,500 से अधिक बी2बी बैठकें और कई एमओयू

आयोजकों के मुताबिक आयोजन के दौरान 3,500 से अधिक बिजनेस-टू-बिजनेस (B2B) बैठकें, 100 से अधिक बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (B2G) बैठकें आयोजित होंगी। व्यापार, निवेश, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े 20 से अधिक समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है।

सस्टेनेबिलिटी और डिजिटल तकनीक पर रहेगा विशेष फोकस

इस बार CITI Textile Sustainability Awards 2026 भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संसाधन संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, सर्कुलर इकोनॉमी, सतत सामग्री, सामाजिक उत्तरदायित्व और उत्तरदायी व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कंपनियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रतिभागियों की सुविधा के लिए भारत टेक्स-2026 मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया है। इसके माध्यम से पंजीकरण, डिजिटल बैज, प्रदर्शकों की जानकारी, फ्लोर प्लान, बी2बी मीटिंग शेड्यूल, लाइव अपडेट और एआई आधारित सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

भारत को वैश्विक टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

आयोजकों का मानना है कि भारत टेक्स-2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक टेक्सटाइल विनिर्माण और निर्यात का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोजन नए व्यापारिक अवसर पैदा करेगा, विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, भारतीय एमएसएमई को वैश्विक बाजार से जोड़ेगा और 'ब्रांड इंडिया' को विश्व के वस्त्र उद्योग में और मजबूत पहचान दिलाएगा।

श्रावण मास शिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियां तेज, मार्गों पर पेड़ों की छंटाई एवं चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद बिजनौर में श्रावण मास शिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। श्रावण मास दिनांक 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ होगा तथा 03, 10, 17 एवं 24 अगस्त 2026 को श्रावण सोमवार एवं 11 अगस्त 2026 को श्रावण शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इन अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे तथा हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़िए जनपद बिजनौर के विभिन्न मार्गों से होकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करेंगे।

उन्होंने डीएफओ बिजनौर एवं नजीबाबाद को अपने-अपने सामाजिक वानिकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कांवड़ मार्गों एवं सड़कों के किनारे स्थित पेड़ों की अधिक झुकी हुई डालियों एवं टहनियों की तत्काल कटाई-छंटाई कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे कांवड़ यात्रियों के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

इसके अतिरिक्त संबंधित अधिकारियों को कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर ऐसे स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं, जहां जंगली जानवरों अथवा गुलदार के आने की संभावना रहती है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में "गुलदार प्रभावित क्षेत्र, कृपया अकेले न जाएं" संबंधी चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालु सतर्क रहें। साथ ही किसी भी आपातकालीन स्थिति में सहायता प्राप्त करने हेतु आवश्यक संपर्क नंबरों सहित सूचना पट्ट स्थापित किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि श्रावण मास शिवरात्रि एवं कांवड़ यात्रा-2026 सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराई जा सके।

अपराध पर नियंत्रण के साथ ही पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना : थाना प्रभारी विपिन कुमार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मडावर। बुधवार को नवयुक्त थाना प्रभारी विपिन कुमार ने मंडावर थाने का चार्ज लेते ही कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता अपराध पर नियंत्रण और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना है।अपराधियों के लिए थाना प्रभारी का सख्त संदेश है, उन्होंने कहा कि चोरी लूट अवैध गतिविधियों और अन्य आपराधिक घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। और कहा कि पुलिस को जनता अपना सहयोग दें उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा प्रदान करना उनका फर्ज बनता है। थाने के सभी स्टाफ को निर्देशित किया कि महिला उत्पीड़न के मामले में कार्यवाही करते हुए दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र में तेज गति बाइक चलाने वाले युवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि यदि कोई पीड़ित है। तो मुझसे आकर थाने मे मिल सकता है, और कहां की मेरे कार्यकाल में थाने में शिकायत लेकर आने वाले सभी पीड़ितों को न्याय दिलाना तथा अपराधों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जाएगा। और अपराधियों को किसी भी हालत में बक्सा नहीं जाएगा और थाना प्रभारी विपिन कुमार ने कहां की मेरी तरफ से पत्रकारों को कोई भी शिकायत का मौका नहीं मिलेगा तथा सभी सूचनाएं समय से उपलब्ध कराई जाएंगी।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में विशाल विधिक साक्षरता एवं सशक्तीकरण शिविर आयोजित

समाज जागरण
ब्यूरो : शमीम सिद्दीकी

बिजनौर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में बुधवार को समग्र विद्यालय नबलपुर बैराज में विशाल विधिक साक्षरता एवं सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को विधिक अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही आयोजित विशेष लोक अदालत में 20 वादों का मौके पर ही निस्तारण कर लोगों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव डॉ. मनु कालिया के निर्देशन में हुआ। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश संजय कुमार (7th), जिलाधिकारी जसजीत कौर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. मनु कालिया ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह सभी विभाग गांव में अपने-अपने सहायता काउंटर लगाकर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करें तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं।

जनपद न्यायाधीश संजय कुमार ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार विधिक जागरूकता शिविर आयोजित करता रहेगा। उन्होंने बताया कि किसी भी कानूनी सहायता की आवश्यकता होने पर आमजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने रोजगार मेलों, स्वरोजगार योजनाओं, लघु एवं कुटीर उद्योगों तथा बैंक ऋण की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए युवाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

शिविर में पुलिस विभाग ने मिशन शक्ति, महिला सुरक्षा एवं पारिवारिक विवादों के समाधान संबंधी सेवाओं की जानकारी दी। श्रम विभाग ने भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं एवं ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया से अवगत कराया। वन विभाग ने गंगा सैंक्चुरी क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण कानूनों की जानकारी देते हुए अवैध मत्स्य आखेट से बचने की अपील की।

कृषि विभाग ने मत्स्य पालन, तालाब विकास एवं कृषि योजनाओं की जानकारी दी, जबकि राजकीय आईटीआई की प्राचार्या मंजुल मयंक ने कौशल विकास एवं रोजगारपरक ट्रेडों के बारे में विस्तार से बताया। समाज कल्याण विभाग ने पेंशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं एलएडीसी प्रवीण कुमार देशवाल ने निःशुल्क विधिक सहायता, एलएडीसी प्रणाली तथा नालसा की सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान नालसा की योजनाओं का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया तथा राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी दी गई। शिविर में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया। मेडिकल कैंप लगाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा बच्चों को स्टेशनरी वितरित की गई। अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट कर किया गया और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव स्वाति चंद्रा ने किया। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह बाद विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें पात्र लोगों का पंजीकरण कर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

मॉनसून की मार से चीनी महंगी, जानें क्यों बढ़ रही हैं कीमतें और आगे क्या होगा ?

समाज जागरण

दुनिया भर में मौसम के बदलते मिजाज के कारण कमोडिटी बाजार में भारी उथल-पुथल मची हुई है। अलनीनो और कमजोर मॉनसून के कारण खरीफ फसलों की बुआई में गिरावट आई है। वैश्विक स्तर पर सप्लाई घटने की आशंकाओं के चलते चीनी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से सरकार पहले ही निर्यात पर रोक लगा चुकी है।

मॉनसून की मार, चीनी पर असर

मॉनसून में देरी और बारिश की कमी के कारण गन्ने के रकबे में भारी कमी आने की आशंका जताई जा रही है जिससे इस सीजन में चीनी उत्पादन कम होने का अनुमान लगाया जा रहा है। कम उत्पादन की खबरों के बीच चीनी के दाम बढ़ना शुरू हो गए हैं। पिछले एक महीने में घरेलू थोक बाजार में चीनी के दाम तीन फीसदी से ज्यादा जबकि खुदरा बाजार में आठ फीसदी से अधिक चढ़े हैं। वहीं वैश्विक बाजार में एक सप्ताह के अंदर चीनी के दाम करीब सात फीसदी चढ़ चुके हैं।

चीनी की कीमतों में उबाल

घरेलू बाजारों में चीनी की कीमतें भी बढ़ने लगी हैं। एक महीने पहले दिल्ली-मुंबई सहित देश के लगभग सभी शहरों में चीनी का खुदरा मूल्य 46 रुपये प्रति किलोग्राम था जो इस समय बढ़कर 50 रुपये प्रति किलोग्राम के पास पहुंच गया है। थोक बाजार की बात की जाए तो इस समय चीनी एम- 30 किस्म की कीमत दिल्ली में 4,580 रुपये, कानपुर में 4,600 रुपये, मुंबई में 4,400 रुपये, कोलकाता में 4,600 रुपये और चेन्नई में 4,680 रुपये प्रति क्विंटल हो चुके हैं जबकि एक महीने पहले दिल्ली थोक बाजार में चीनी के दाम 4,440 रुपये, कानपुर में 4,450 रुपये, मुंबई में 4,240 रुपये, कोलकत्ता में 4,450 रुपये और चेन्नई में 4,600 रुपये प्रति क्विंटल थे।

वैश्विक बाजार में भी चढ़े चीनी के दाम

भारत से लेकर ब्राजील तक कम बारिश और फसल की कटाई में देरी ने वैश्विक बाजार में सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्पादन और सप्लाई कम होने की आशंकाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दाम तेजी से बढ़े है। एक सप्ताह में कीमतों में 7 फीसदी की तेजी देखी जा रही है। वैश्विक बाजार में चीनी के दाम डेढ़ महीने की ऊंचाई पर पहुंच गए। चीनी के दाम बढ़कर 15 डॉलर प्रति पाउंड के पार पहुंच गए। अलनीनो से मौसम पर पड़ने वाले प्रभाव ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। इससे फसल पर असर पड़ने की आशंका बढ़ी है।

दाम बढ़ने के प्रमुख कारण

भारत में गन्ने की खेती वाले इलाकों में इस साल जून महीने में पिछले 12 वर्षों की सबसे कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में सामान्य के मुकाबले 38 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है। जुलाई में भी कम बारिश की आशंका है। जिसने गन्ना उत्पादन को लेकर चिंताओं को बढ़ा दिया है। चीनी उत्पादन 30-80 लाख टन तक घट सकता है। दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश ब्राजील में लगातार हो रही बारिश के कारण गन्ने की कटाई का काम काफी धीमा हो गया है। इसके अलावा, वहां कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण गन्ने से चीनी बनाने के बजाय इथेनॉल उत्पादन में इसका इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है, जिससे चीनी की ग्लोबल सप्लाई घट गई है। थाईलैंड में सूखे की स्थिति बनी हुई है।

आत्मदाह करने वाली युवती ने आठ दिन बाद तोड़ा दम, आरोपियों की गिरफ्तारी को कश्मीर पहुंची पुलिस

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद शहर कोतवाली परिसर में आत्मदाह करने वाली युवती की सोमवार को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। करीब आठ दिन तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद युवती ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम दिल्ली में कराया गया है, जबकि शव मंगलवार को बिजनौर लाया जाएगा।

21 जून की रात किरतपुर क्षेत्र निवासी युवती अपनी मां के साथ शहर कोतवाली पहुंची थी। आरोप है कि वह आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही थी। इसी दौरान उसने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसने पर उसे पहले मेरठ और बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, युवती ने वर्ष 2024 में स्वाहेड़ी गांव के कुछ लोगों के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के बाद उस प्रकरण में अंतिम रिपोर्ट न्यायालय भेज दी गई थी। इसके बाद वर्ष 2025 में उसने सेना में तैनात एक युवक के खिलाफ विवाह का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए अलग मुकदमा दर्ज कराया। इस मामले में पुलिस आरोप पत्र दाखिल कर चुकी थी और अदालत संज्ञान भी ले चुकी थी। इसी बीच आरोपी पक्ष को उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी पर अंतरिम राहत मिल गई थी।

घटना के बाद तत्कालीन शहर कोतवाली प्रभारी को निलंबित कर दिया गया था। वहीं युवती की मां की तहरीर पर मुख्य आरोपी सहित उसके परिवार के छह लोगों के खिलाफ धमकी, उत्पीड़न और अन्य धाराओं में एक और मुकदमा दर्ज किया गया। इनमें से एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इनमें से दो टीमें जम्मू-कश्मीर पहुंचकर सेना के अधिकारियों के सहयोग से आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

यातायात सिपाही से मारपीट में एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर। शहर कोतवाली पुलिस ने ड्यूटी पर तैनात यातायात सिपाही के साथ मारपीट और अभद्रता करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू, कर दी है, जबकि फरार दूसरे आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पुलिस के अनुसार 29 जून की शाम चांदपुर तिराहे पर ड्यूटी के दौरान यातायात आरक्षी सौरभके साथ दो युवकों ने अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की थी। आरोप है कि दोनों ने सिपाही को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के संबंध में शहर कोतवाली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रेलवे फाटक के पास रेलवे स्टेशन रोड से आरोपी रितिक पुत्र स्वराज उर्फ योगराज निवासी मोहल्लडपुर, थाना कोतवाली शहर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल दूसरे आरोपी हिमांशु पुत्र ब्रह्मपाल की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तारी की कार्रवाई उपनिरीक्षक विनय कुमार एवं कांस्टेबल सन्नी ने की। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कच्चे तेल की कीमतें घटीं, फिर भी पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं ? केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताई वजह

समाज जागरण

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तत्काल राहत मिलने की संभावना कम है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को इसका कारण स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकारी तेल विपणन

कंपनियां अभी भी उस महंगे कच्चे तेल की प्रोसेसिंग कर रही हैं, जिसकी खरीद पश्चिम एशिया में तनाव के चरम के दौरान की गई थी।

उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया था। इस दौरान पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस को लागत से कम कीमत पर बेचने के कारण 30 जून तक सरकारी तेल कंपनियों को 74,781 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।=

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियां सामान्यतः कच्चे तेल की खरीद दो महीने पहले करती हैं। वर्तमान में जिन रिफाइनरियों में कच्चे तेल की प्रोसेसिंग हो रही है, वह मुख्य रूप से अप्रैल और मई की शुरूआत में खरीदा गया था, जब वैश्विक बाजार में कीमतें काफी ऊंची थीं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें घटने का असर खुदरा ईंधन कीमतों पर तुरंत दिखाई नहीं देता।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित कटौती के सवाल पर हरदीप पुरी ने कहा कि यदि आने वाले कुछ सप्ताह तक कच्चे तेल की कीमतें निचले स्तर पर बनी रहती हैं, तो कीमतों में कमी पर विचार किया जा सकता है।

गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद जून के दूसरे पखवाड़े से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अब उपभोक्ताओं की नजर इस बात पर है कि इसका लाभ पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कब तक दिखाई देता है।

साल के अंत तक भारत-EU मुक्त व्यापार समझौते पर लग सकती है मुहर: पीयूष गोयल

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय यूनियन (EU) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (FTA) इस वर्ष के अंत तक अंतिम रूप ले सकता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि समझौते की कानूनी समीक्षा (लीगल स्क्रबिंग) अगले 10 से 12 दिनों में पूरी हो जाएगी, जिसके बाद इसे यूरोपीय आयोग और यूरोपीय संसद की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि यदि सभी प्रक्रियाएं तय समय पर पूरी होती हैं, तो 31 दिसंबर तक इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

उन्होंने बताया कि भारत और यूरोपीय यूनियन ने जनवरी में एफटीए वार्ता सफलतापूर्वक पूरी कर ली थी। इसके बाद दोनों पक्ष समझौते के मसौदे की कानूनी समीक्षा में जुटे हैं। समझौते के तहत 90 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लाइनों पर आयात शुल्क में रियायत देने पर सहमति बन चुकी है, जिससे दोनों पक्षों के बीच व्यापार और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है।

अग्रवाल मंडी में तीन व्यापारी भामाशाह सम्मान से सम्मानित

समाज जागरण

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा भामाशाह सम्मान सप्ताह के तहत सचिन सिंघल, राजकुमार गोयल और प्रमोद जैन को माल्यार्पण, पटका व सम्मान पत्र देकर किया गया सम्मानित। जिलाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता बोले- दानवीर भामाशाह से मिलती है प्रेरणा। अग्रवाल मंडी टटीरी। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा के निर्देश पर चल रहे भामाशाह सम्मान सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार 2 जुलाई 2026 को अग्रवाल मंडी में तीन व्यापारियों को भामाशाह सम्मान से विभूषित किया गया। सचिन सिंघल के प्रतिष्ठान पर आयोजित कार्यक्रम में सीमेंट व लोहा व्यवसायी सचिन सिंघल, खल-चोकर व चीनी व्यापारी राजकुमार गोयल तथा किराना मर्चेंट प्रमोद कुमार जैन बावली वाले को माल्यार्पण कर, पटका पहनाकर और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष

अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि दानवीर भामाशाह ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपनी संपूर्ण संपत्ति महाराणा प्रताप को भेंट कर दी थी, जिससे 12 वर्षों तक सेना का खर्च उठाया जा सकता था। ऐसे दानवीर को हम नमन करते हैं और सभी व्यापारियों को उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने तीनों व्यापारियों को बधाई दी और व्यापारी हितों में सहयोग के लिए आभार जताते हुए कारोबार की प्रगति की कामना की।

कार्यक्रम में मंडलीय मंत्री दीपक गोयल, व्यापारी संघ अग्रवाल मंडी के महामंत्री अंकुर शर्मा, मनोज मित्तल, डॉ. रामलाल,
सभासद राजीव गोयल, दयाचंद गुप्ता, ऋषभ जैन, अमन गोयल सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष ने बताया कि 29 जून से 5 जुलाई तक चलने वाले इस सम्मान सप्ताह के तहत जिले के अन्य नगरों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आधुनिक रालोद का बदलता स्वरूप: नई सोच और ऊर्जा के साथ बड़े मन का परिचय

डॉ. कुलदीप उज्जवल बोले - जयंत चौधरी की अगुवाई में संगठन से बड़ा उद्देश्य, अनुभव और युवा शक्ति का संगम

समाज जागरण

बागपत। रालोद के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कुलदीप उज्जवल और बागपत जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने दिल्ली पहुंचकर के.सी. त्यागी को संसदीय दल अध्यक्ष बनने पर दी बधाई। डॉ. उज्जवल ने कहा कि जयंत चौधरी ने स्वयं पीछे रहकर अनुभवी नेतृत्व को आगे बढ़ाकर लोकतांत्रिक नेतृत्व शैली का परिचय दिया है। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व राज्यमंत्री डॉ. कुलदीप उज्जवल तथा बागपत के जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने दिल्ली पहुंचकर पूर्व सांसद के.सी. त्यागी को संसदीय दल का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। इस मौके पर डॉ. कुलदीप उज्जवल ने कहा कि आज रालोद संगठन विस्तार से आगे बढ़कर एक ऐसे राजनीतिक ढांचे के निर्माण के दौर से गुजर रहा है, जिसमें अनुभव,
युवाशक्ति, सामाजिक संतुलन और लोकतांत्रिक नेतृत्व को साथ लेकर चलने की कोशिश साफ दिखती है।

इसके केंद्र में पार्टी अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह की सोच है। डॉ. उज्जवल ने कहा कि जयंत चौधरी ने पिछले वर्षों में साबित किया कि उनके लिए व्यक्ति से बड़ा संगठन और पद से बड़ा उद्देश्य है। 2024 लोकसभा चुनाव में उन्होंने अपनी परंपरागत बागपत सीट से खुद न लड़कर साधारण कार्यकर्ता डॉ. राजकुमार सांगवान को उम्मीदवार बनाया। सांगवान की जीत ने संदेश दिया कि रालोद में मेहनत करने वाले कार्यकर्ता के लिए शीर्ष तक रास्ता खुला है। उन्होंने बताया कि संसदीय दल के गठन में भी यही सोच दिखी। अनुभवी नेता के.सी. त्यागी को संसदीय दल का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि जयंत सिंह स्वयं सदस्य की भूमिका में हैं। आज की राजनीति में ऐसे उदाहरण कम हैं जहां सर्वोच्च नेता खुद पीछे रहकर अनुभवी नेतृत्व को आगे बढ़ाए। यह राजनीतिक परिपक्वता और लोक तांत्रिक शैली का परिचायक है।

डॉ. उज्जवल के अनुसार नई संसदीय टीम में व्यापक सामाजिक प्रतिनिधित्व का संदेश है। यह वही समावेशी राजनीति है जिसकी नींव भारत रत्न चौधरी चरण सिंह ने रखी थी। पश्चिमी यूपी के साथ हरियाणा और राजस्थान के नेताओं को स्थान देकर रालोद राष्ट्रीय दृष्टि से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संसदीय दल में बड़ी संख्या ऐसे वरिष्ठ नेताओं की है जिनकी पहचान चुनाव लड़ाने, रणनीति बनाने और संगठन को दिशा देने की रही है। इससे साफ है कि जयंत सिंह 2027 का विधानसभा चुनाव मजबूत संगठनात्मक ढांचे के साथ लड़ना चाहते हैं। संगठन में भी नई पीढ़ी को लगातार अवसर मिल रहे हैं। विभिन्न सामाजिक वर्गों और पीढ़ियों के नेताओं को जिम्मेदारी देकर नेतृत्व का दायरा व्यापक किया जा रहा है। बागपत जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों, मजदूरों, गांव और आम आदमी की आवाज को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में पहुंचाया था। उसी विरासत को जयंत चौधरी रालोद को किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और वंचित समाज की व्यापक आवाज बनाने की दिशा में बढ़ा रहे हैं। डॉ. उज्जवल ने कहा कि जब अधिकांश दलों में निर्णय कुछ व्यक्तियों तक सीमित हैं, तब जयंत सिंह का मॉडल अलग है। वे टीम तैयार कर रहे हैं, अनुभवी नेताओं को सम्मान, कार्यकताओं को अवसर और समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दे रहे हैं। यह कार्यशैली आने वाले वर्षों में रालोद को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

रालोद को झटका: डॉ. योगेश जिंदल ने छोड़ी पार्टी, क्षेत्रीय नेतृत्व पर लगाए व्यापारी विरोधी रवैये के आरोप

बोले- 9 साल निष्ठा से किया काम, हत्या की घटनाओं में संवेदनहीनता से आहत; व्यापारी सम्मान पद से बड़ा

समाज जागरण

बागपत। राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता एवं चिकित्सक डॉ. योगेश जिंदल ने पार्टी के क्षेत्रीय नेतृत्व पर व्यापारी विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए बुधवार को प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। नेहरू रोड स्थित कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. जिंदल ने कहा कि पिछले 8-9 वर्षों से उन्होंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पार्टी के लिए कार्य किया, लेकिन हाल के घटनाक्रमों से वे अत्यंत आहत हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव तथा वर्ष 2023 के नगर निकाय चुनाव में उन्होंने व्यापारी समाज को पार्टी के पक्ष में संगठित करने में अहम भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से ऐसे क्षेत्रों में भी रालोद को समर्थन मिला, जहां पहले पार्टी का प्रभाव नगण्य था। नगर पालिका चुनाव में भी व्यापारियों के सहयोग से पार्टी को ऐतिहासिक सफलता मिली। डॉ.

जिंदल ने आरोप लगाया कि हाल की दो व्यापारी परिवारों से जुड़ी हत्या की घटनाओं में पार्टी के कुछ क्षेत्रीय नेताओं का रवैया व्यापारियों के प्रति संवेदनशील नहीं रहा। अपराधियों का समर्थन करने जैसी स्थिति ने व्यापारी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई और पार्टी नेतृत्व ने भी संतुलित भूमिका नहीं निभाई। उन्होंने कहा कि कई बार वरिष्ठ नेतृत्व के समक्ष व्यापारियों की पीड़ा और न्याय की मांग रखी, लेकिन कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। डॉ. जिंदल ने स्पष्ट किया कि उनके लिए व्यापारी समाज का सम्मान किसी भी राजनीतिक पद से अधिक महत्वपूर्ण है। इसी कारण उन्होंने रालोद की सदस्यता से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि व्यापारी समाज की भावनाओं को देखते हुए प्रस्तावित सर्व समाज प्रतिनिधि सभा का आयोजन स्थगित कर केवल पत्रकार वार्ता की गई। अंत में कहा कि भविष्य में भी वे व्यापारी हितों और समाज की आवाज बुलंद करते रहेंगे।

जमीयत उलेमा शहर बागपत की मासिक बैठक में दीनी-शैक्षिक कार्यों को गति देने के अहम फैसले

मकातिब के विस्तार, समाज सुधार और स्थायी सहायता कोष गठन पर बनी सहमति, मस्जिदों में शुरू होगा दर्स-ए-कुरआन

समाज जागरण

बागपत। जमीयत उलेमा शहर बागपत की मासिक सलाहकार बैठक बुधवार को मस्जिद अल्लाह दिया में संपन्न हुई। बैठक जिला नायब सदर मुफ्ती शाह आलम मजाहिरी की अध्यक्षता तथा मौलाना शाहिद मजाहिरी के संरक्षण में हुई। इसमें शहर के उलेमा, इमाम, जिम्मेदार साथी और कार्यकताओं ने भाग लिया। मौजूदा हालात को देखते हुए दीनी, तालीमी, सामाजिक और संगठनात्मक कार्यों को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से कई अहम फैसले लिए गए। कार्यक्रम की शुरूआत मुफ्ती अमजद मिफ्ताही, कारी गुलफाम और मौलाना आरिफ द्वारा नात-ए-पाक से हुई। संचालन मुफ्ती एहसान कासमी

ने किया। कारी साजिद ने दीनी मकातिब की स्थापना व मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को इस्लामी शिक्षा से जोड़ने के लिए हर मोहल्ले और मस्जिद में मकातिब का नेटवर्क जरूरी है। मुफ्ती अमजद मिफ्ताही ने नैतिक मूल्यों के प्रसार और सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए सुनियोजित प्रयासों की बात कही। मुफ्ती असजद कासमी ने तहफ़्फ़ुज-ए-अकाइद विषय पर मार्गदर्शन दिया। बैठक में विभिन्न विभागों के लिए जिम्मेदारियां तय की गईं। दीनी मकातिब के संचालन व विस्तार की जिम्मेदारी कारी साजिद को सौंपी गई, उनके सहयोगी मौलाना नदीम कासमी और हाफिज मुस्तफा होंगे। समाज सुधार अभियान की कमान मुफ्ती अमजद मिफ्ताही को दी गई, सहयोग के लिए मौलाना यूसुफ का नाम तय हुआ। जमीयत ओपन स्कूल के विद्यार्थियों की निगरानी मुफ्ती असजद कासमी करेंगे। शहर में जमीयत की संगठनात्मक और दावत-ओ-इस्लाह गतिविधियों के प्रभारी मौलाना शाहिद मजाहिरी होंगे, उनके सहयोगी मुफ्ती असजद कासमी बनाए गए। निर्णय लिया गया कि शहर की मस्जिदों में नियमित दर्स-ए-कुरआन व दर्स-ए-हदीस शुरू किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी मुफ्ती शाह आलम मजाहिरी को दी गई। साथ ही आपात कालीन जरूरतों और जनकल्याण के लिए स्थायी सहायता कोष गठित करने का फैसला हुआ। इसके संचालन की जिम्मेदारी मौलाना शाहिद मजाहिरी को सौंपी गई। कोष को मजबूत करने के लिए कई इमामों ने शुरूआती तौर पर दो-दो हजार रुपये सहयोग की घोषणा की। बैठक के अंत में हाजी अब्दुल हयी के लिए ईसाल-ए-सवाब की दुआ मौलाना शाहिद मजाहिरी ने कराई।

कारी इंतजार और मुतवल्ली इकबाल ने सभी का आभार जताया। जलपान के साथ बैठक इस संकल्प पर संपन्न हुई कि जमीयत उलेमा दीन, शिक्षा, समाज सुधार और जनसेवा के कार्यों को और संगठित रूप से आगे बढ़ाएगी।

लायन आदित्य गुप्ता के 51वें जन्मदिन पर 40 प्रभुजनों को कराया भोजन

लायन ईश्वर अग्रवाल ने अपना घर आश्रम में जलपान व तीनों समय का भोजन कराया, जीव दया संस्थान ने जताया आभार

समाज जागरण

बागपत। लायंस क्लब इंटरनेशनल मंडल 321 C1 के मंडल अध्यक्ष पीएमजेएफ लायन आदित्य गुप्ता के 51वें जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को सेवा कार्य कर जन्मदिन मनाया गया। लायंस क्लब अग्रवाल मंडी के वरिष्ठ सदस्य व सुप्रसिद्ध समाजसेवी पीएमजेएफ लायन ईश्वर अग्रवाल अमीनगर सराय वालों ने जीव दया संस्थान के अंतर्गत संचालित अपना घर
आश्रम अमीनगर सराय में रह रहे

40 प्रभुजनों को श्रद्धापूर्वक सुबह का जलपान और दोपहर का भोजन कराया। शाम का भोजन भी उन्हीं की ओर से कराया जाएगा। जीव दया संस्थान के संचालक दिनेश जैन ने लायन ईश्वर अग्रवाल और उनके परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर एमजेएफ लायन अभिमन्यु गुप्ता, लायन संजय गर्ग, व्यापारी संघ अमीनगर सराय के अध्यक्ष लायन राकेश बंसल, लायन अनीता गुप्ता और लायन डॉक्टर मयंक गोयल ने विशेष सहयोग किया।

कोल्टस्टोरेज मुनीम के साथ हुई लूट का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपित से लूटा गया माल, एक बाइक और तमंचा बरामद

शातिर किस्म का है अपराधी, दो दर्जन से अधिक कई थानों में मुकदमे दर्ज

रसूलपुर पुलिस ने किया था गैंगेस्टर में निरुद्ध चल रहा था वांछित

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

शिकोहाबाद। अपनी बेटी की ननद की शादी समारोह में आए एक कोल्डस्टोर के मुनीम के साथ बाइक सवार युवक ने लिफ्ट देकर बाइक पर बैठाया और फिर रेलवे ओवर ब्रिज पर उसे उतार कर उससे पांच हजार रुपये नकद, एक अंगूठी और एक जोडी कानों के टॉप्स लूट कर फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी। कड़ी मेहनत के बाद पुलिस को बुधवार रात न बजे सफलता मिल गई। पुलिस ने आरोपित को छीछामई पुल के समीप से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से मुनीम से लूटा गया सामान, लूट में प्रयुक्त बाइक और

तमंचा बरामद किया है। पुलिस ने उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा है। सीओ अमरीश कुमार ने बताया कि माधवगंज क्षेत्र में 27 जून को शादी समारोह से लौट रहे सुभाष चंद्र पुत्र अनवर सिंह निवासी साहूकार की ठार थाना सिरसागंज कोल्ड स्टोरेज में मुनीम के पद पर तैनात हैं। वह अपनी बेटी की ननद की शादी समारोह से घर लौट रहे थे। तभी माधौगंज ओवर ब्रिज से पहले जब वह वाहन का इंतजार कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति ने उन्हें अपनी बाइक पर बैठा लिया और ओवर ब्रिज पर ऊपर आकर उनसे पांच हजार रुपये, एक अंगूठी और एक जोड़ी टॉप्स लूट लिए गये थे। घटना की जानकारी होते ही थाना पुलिस सक्रिय हो गई। पीड़ित की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने घटना के शीघ्र खुलासे के लिए टीम गठित कर निर्देश दिये। टीम ने कड़ी मेहनत की और लगभग 200 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपित तक पहुंच गई। बुधवार रात नौ बजे थाना पुलिस को सूचना मिली कि मुनीम से लूट करने वाला व्यक्ति किसी अन्य घटना को अंजाम देने की फिराक में छीछामई नहर पुल के पास खड़ा है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस को उसने अपना नाम शेषपाल निवासी ग्राम जौनई जसवंत नगर इटावा बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से मुनीम से लूटे गए पांच हजार रुपये, एक अंगूठी और एक जोड़ी कानों के टॉप्स (पीली धातु) के अलावा लूट में प्रयुक अपाचे बाइक और एक तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गये आरोपित के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में प्राथमिकि दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा है। सीओ ने बताया कि पकड़े गये आरोपित पर जनपद में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। रसूलपुर में उसके विरुद्ध गैंगेस्टर में मुकदमा दर्ज है, जिसमें वह फरार चल रहा था। एसएसपी ने उस पर 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया था। जिसके विरुद्ध थाना पुलिस गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पकड़ा गया आरोपित एचआईवी पॉजिटिव है

सीओ ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गये आरोपित ने बताया कि वह और उसकी पत्नी दोनों एचआईबी पॉजिटिव हैं। वह लूट एवं टप्पेबाजी की घटनाएं लंबे समय से कर रहा है। उसने बताया कि 27 जून को भी उसने ही मुनीम के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया था। आरोपित पर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। रसूलपुर पुलिस उसे गैंगेस्टर के मुकदमे में तलाश रही थी। यह अभ्यस्त अपराधी है। गैंगेस्टर एक्ट में फरार चलने पर एसएसपी ने उस पर 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया था। पकड़े गये आरोपी पर इटावा के थाना इकदिल में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार,उनि ऋषभ देव भारद्वाज,उनि मनमोहन शर्मा,हेका दिलीप कुमार, राजीव भाटी, अभिषेक कुमार,और होमगार्ड कौशल किशोर शामिल रहे।

घटना के बाद गावों से होते हुए निकला था आटेपुर पर रोड

घटना के बाद थाना पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए माधौगंज से लेकर सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। पुलिस ने लगभग 200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित ने घटना को अंजाम देकर गढ़ूमा होते हुए डंडियामई से सीधे आटेपुर रोड पर जाकर निकला। उसका उद्देश्य था कि अगर वह गावों से होकर निकलेगा, तो सीसीटीवी फुटेज में नहीं आयेगा। लेकिन पुलिस की पैनी नजर से वह बच नहीं सका। पुलिस ने शिकोहाबाद से लेकर नगला खंगर, जसवंतनगर इटावा तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तब जाकर सफलता मिली।

नगला खंगर मंडल की मासिक बैठक संपन्न, "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। भारतीय जनता पार्टी मंडल नगला खंगर की मासिक बैठक गुरुवार को शक्ति केंद्र कौरारी खेड़ा खुर्द में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में श्री उदय प्रताप सिंह (जिला अध्यक्ष, भाजपा फिरोजाबाद।। बैठक में जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष शिवजीत सिंह वीरू धाकरे , अजीत राजपूत , विजय तोमर , स्नेहलता कुशवाहा ,विश्वजीत सिंह , कार्यक्रम संयोजक दीपेंद्र सिकरवार, मंडल महामंत्री उमेश बघेल,

मंडल मंत्री श्री अतेंद्र दिवाकर, बूथ अध्यक्ष अनिल बघेल,अर्पित राठौर, अखिलेश गौतम, आशीष पांडेय, माधव दुवे, सहित पार्टी पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के सफल आयोजन पर सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

निरीक्षक से डीएसपी बने शिव कुमार चौहान, एसएसपी ने लगाए स्टार

समाज जागरण

फिरोजाबाद पुलिस लाइन में पदोन्नति समारोह, अधिकारियों और कर्मचारियों ने दी बधाई फिरोजाबाद। निरीक्षक पद से पदोन्नत होकर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बने शिव कुमार चौहान का गुरुवार को सम्मान किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने उनके कंधों पर डीएसपी के स्टार लगाकर नई जिम्मेदारी की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। एसएसपी आदित्य लांग्हे ने कहा कि पदोन्नति किसी भी पुलिसकर्मी की कर्तव्यनिष्ठा, उत्कृष्ट कार्यशैली और समर्पित सेवा का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि शिव कुमार चौहान अपने नए दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और दक्षता के साथ करेंगे तथा जनसेवा और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। समारोह के दौरान मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी शिव कुमार चौहान को पदोन्नति की बधाई देते हुए उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

फिरोजाबाद में 13 किलो गांजा और दो तमंचों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर थाना दक्षिण पुलिस की कार्रवाई, ओडिशा से सस्ते दाम में लाकर शहर में बेचते थे नशा।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दक्षिण पुलिस ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 13 किलो गांजा, दो तमंचे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद गांजे की कीमत करीब चार लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों और असलाह की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से बिहार निवासी नईम (हाल निवासी विजय नगर, गाजियाबाद) और एटा निवासी अजय को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में खोला राज

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिशा से सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर फिरोजाबाद लाते थे। यहां

उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर अधिक कीमत पर बेचते थे। पुलिस अब इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

यह हुई बरामदगी

नईम के कब्जे से आठ किलो गांजा, एक .315 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिला। वहीं अजय के पास से पांच किलो गांजा, एक .315 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर विधिक कार्वाई की गई है।

साइंस घर में मुस्कान ने हाइड्रोलिक लिफ्ट मॉडल का किया प्रस्तुतिकरण।

समाज जागरण

सिरसागंज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में समर में जिला समन्यवक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में जनपद में प्रथम बार साइंस घर कार्यक्रम का आयोजन निःशुल्क रूप से जिला विज्ञान क्लब के कार्यालय पर किया जा रहा है। जिसमें 32 वें दिवस पर कक्षा 12 की छात्रा कु मुस्कान ने अपने हाइड्रोलिक मॉडल के प्रस्तुतिकरण में बताया कि यह हाइड्रोलिक लिफ्ट मॉडल पास्कल

के नियम पर आधारित एक बेहतरीन विज्ञान परियोजना है। यह पानी के दबाव का उपयोग करके भारी वजन उठाती है। इस मॉडल को बनाने के लिए मुख्य रूप से सिरिंज और प्लास्टिक ट्यूब का उपयोग किया जाता है। जब छोटी सिरिंज के प्लंजर को दबाते हैं, तो वह दबाव ट्यूब के माध्यम से बड़ी सिरिंज के पानी पर पड़ता है। पास्कल के नियम के अनुसार यह दबाव समान रूप से फैलता है और बड़ी सिरिंज के प्लंजर को ऊपर की ओर धकेलता है, जिससे भारी वस्तु उठ जाती है। यह मॉडल विज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ते हुए और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है। अश्वनी कुमार जैन ने मुस्कान के हाइड्रोलिक मॉडल के रचनात्मक एवं कलात्मक प्रयास की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि साइंस घर में प्रतिदिन विद्यार्थी अपने नवाचार मॉडलों का प्रस्तुतिकरण कर रहे हैं। इस अवसर पर साइंस घर के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

अपराधियों को चेतावनी: अपराध छोड़ें या थाना क्षेत्र को छोड़ दे , बच्चू सिंह

--कांधला के नवनियुक्त थाना प्रभारी बच्चू सिंह ने संभाला पदभार, लोगों ने किया स्वागत

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शामली ने थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। इसके तहत कांधला थाना प्रभारी निरीक्षक रहे सतीश कुमार का तबादला कर उन्हें कैराना कोतवाली का प्रभारी बनाया गया है।वहीं पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक बच्चू सिंह को कांधला थाने की कमान सौंपी गई है।गुरुवार को नवनियुक्त थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने से पहले उन्होंने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की कामना की। इसके बाद क्षेत्र के लोगों, सामाजिक संगठनों तथा पत्रकारों ने उनका फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया।प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि वर्ष 1992 में उन्होंने कांस्टेबल के पद से पुलिस सेवा की शुरूआत की थी। बाद में उपनिरीक्षक बने और वर्ष 2022 में निरीक्षक पद पर पदोन्नत हुए। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने मेरठ, बुलंदशहर, बागपत समेत कई जनपदों में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इस दौरान अनेक अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया और कई पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य किया। उत्तर प्रदेश के डीजीपी द्वारा तीन बार उत्सवर्धन हेतु मेडल लगाकर सम्मानित भी किया गया।पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराध पर अंकुश लगाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता और सच्चाई के साथ कार्य करना उनका उद्देश्य है। अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध से जुड़े लोग या तो अपराध का रास्ता छोड़ दें या फिर जनपद छोड़ दें। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जलभराव से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर रोपी धान, अनोखे प्रदर्शन से जताया विरोध

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

विकासखंड क्षेत्र के गांव गढ़ी मियां में सड़क पर जलभराव की समस्या से परेशान ग्रामीणों का गुरुवार को गुस्सा फूट पड़ा। सड़क निर्माण और जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने पानी से लबालब सड़क पर धान की रोपाई कर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है।ग्रामीण आजम ने बताया कि सड़क निर्माण और जलभराव की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान से लेकर उच्च अधिकारियों तक कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एक दिन पूर्व हुई बारिश के बाद सड़क पर फिर से पानी भर गया, जिससे लोगों का आवागमन बाधित हो गया और रोजमर्रा के कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।समस्या से त्रस्त ग्रामीणों ने गुरुवार को जल भराव वाली सड़क पर धान की रोपाई कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि जब सड़क खेत जैसी बन गई है तो मजबूरन उसी में धान लगाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है।ग्राम प्रधान पति राशिद जंग ने बताया कि कुछ दिन पहले जलभराव वाले स्थान पर मिट्टी डलवाई गई थी, लेकिन कुछ लोगों द्वारा पानी की निकासी का रास्ता अवरुद्ध किए जाने के कारण समस्या बनी हुई है। इसकी शिकायत उप जिलाधिकारी से की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव भी संबंधित विभाग को भेजा गया है।

रहस्यमयी मौत या हत्या, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार, गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के शिवाला मार्ग स्थित इलयास नगर कॉलोनी में 18 वर्षीय युवती हिना की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला अभी भी बरकरार है। पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद गमगीन माहौल में उसे सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है, जिसके चलते यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवती की मौत स्वाभाविक थी, आत्महत्या थी या फिर हत्या।विगत बुधवार को इल्यास नगर निवासी एहसान ने पड़ोस के दो युवकों पर घर में घुसकर उपकी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया था। और पुलिस को सूचना दी थी मृतका युवती के गले पर चोट के निशान मौजूद थे, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनो गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इलाके चर्चा का माहौल बना हुआ है। नवनियुक्त थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

1.80 करोड़ की कथित धोखाधड़ी के आरोपी पर फायरिंग का आरोप, मुकदमा दर्ज

--मैनेजर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर 57 टन माल बेचने और विरोध करने पर जानलेवा हमला करने का आरोप

समाज जागरण कांधला।

पुलिस ने करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी और जानलेवा हमले के आरोप में एक व्यक्ति सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मेरठ के थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नौगजा शाहपीर गेट निवासी विशाल पुत्र सिराजुद्दीन ने बताया कि वह वीएस इंटरनेशनल और एनएचके ट्रेडर्स नामक फर्म का स्वामी है। उसकी फर्म में मेरठ निवासी शादाब उर्फ भोला पिछले करीब दस वर्षों से मैनेजर के पद पर कार्यरत था।आरोप है कि 24 अप्रैल 2026 और 2 मई 2026 को फर्म के दो कंटेनरों में लदा करीब 57 टन माल, जिसकी कीमत लगभग 1.80 करोड़ रुपये बताई गई है, शादाब ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर बिना जानकारी के दिल्ली की एक फर्म को बेच दिया। 18 मई को मामले की जानकारी होने पर जब उसने आरोपी से रुपये मांगे तो वह टालमटोल करने लगा। पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित व्यक्ति ने आरोप लगाया गया है कि विगत 29 जून 2026 को कैराना से दिल्ली लौटते समय एलम के पास हाईवे पर आरोपी अपने दो-तीन साथियों के साथ कार से पहुंचा। आरोपी ने वाहन रुकवाकर गाली-गलौज की और जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायर कर दिया।

पीड़ित के अनुसार गोली उसके सिर के पास से गुजर गई। राहगीरों के रुकने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी शादाब उर्फ भोला एवं अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यायालय के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ मारपीट व जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज

समाज जागरण कांधला।

न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने गांव गढ़ी दौलत निवासी पांच लोगों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ीदौलत निवासी नौशाद पुत्र हारून ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि दो मार्च 2026 की रात करीब आठ बजे उवेश पुत्र नासिर उसके भाई समद को घर से बुलाकर गांव में स्थित डॉक्टर हारून की दुकान के पास ले गया। आरोप है कि वहां पहले से नासिर पुत्र फकरुद्दीन, नौशाद पुत्र अय्यूब, शोएब और फरमान मौजूद थे। सभी के हाथों में सरिया, लोहे की रॉड और ईंटें थीं।आरोप है कि पांचों ने समद पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर, चेहरे, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे मुंशाद और शहजाद ने किसी तरह बीच-बचाव कर समद की जान बचाई। आरोप है कि हमलावर जाते समय जान से मारने की धमकी भी देकर फरार हो गए।घायल समद को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांधला ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय शामली रेफर कर दिया गया। बाद में उसे शामली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह छह दिनों तक उपचाराधीन रहा।पीड़ित का आरोप है कि घटना के दिन थाना कांधला और बाद में पुलिस अधीक्षक शामली को भी शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांचों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकानदार ने तमंचे के साथ बाल अपचारी को पकड़ा, दो साथी फरार

समाज जागरण

कैराना। परचून की दुकान पर कोल्डड्रिंक लेने पहुंचे एक बाल अपचारी को दुकानदार ने तमंचे और कारतूस के साथ पकड़ लिया। जबकि दो साथी बाइक द्वारा मौके से फरार हो गए। बाद में दुकानदार ने आरोपी को पुलिस से हवाले कर दिया। गुरुवार सुबह के करीब 11 बजे गांव मामौर में बाइक सवार तीन आरोपी नौशाद की परचून की दुकान पर पहुंचे तथा कोल्डड्रिंक मांगी। इस दौरान नौशाद की नजर एक किशोर की अंटी में लगे तमंचे पर चली गई, जिस पर उसने किशोर को तमंचे के साथ पकड़ लिया, जबकि दो अन्य आरोपी बाइक लेकर मौके से फरार गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद किशोर को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस को किशोर के पास से तमंचे के अलावा तीन कारतूस भी मिले। मामले में पुलिस ने नौशाद की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए बाल अपचारी को हिरासत में लेकर बाल न्यायालय में पेश कर दिया।

मकान की कच्ची छत गिरने से विवाहिता की मौत

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) नगर में मजीद कॉलोनी में बारिश के कारण मकान की कच्ची छत गिरने से मलबे के नीचे दबकर एक विवाहिता की मौत हो गई। हादसे में दो मासूम बच्चों समेत परिवार के चार अन्य सदस्य मामूली रूप से घायल हो गए। हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया। हालांकि, पोस्टमार्टम कार्रवाई से इनकार करने पर पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया।

नगर के पानीपत रोड के निकट मोहल्ला दरबारखुर्द की मजीद कॉलोनी निवासी वसीम की बेटी शाहजहां की शादी लगभग तीन वर्ष पूर्व हरियाणा के जनपद करनाल के गांव कचामदा निवासी मुस्तकीम के साथ हुई थी। वह करीब दस दिन पूर्व अपने दो वर्षीय पुत्र सलमान और एक माह के पुत्र कैफ को लेकर मायके आई थी। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे शाहजहां, उसके बच्चे, भाई इंतजार और भाभी नैयर भी कमरे में मौजूद थे। पिछले दो दिनों से क्षेत्र में हो रही बारिश से चलते कमरे की कच्ची छत अचानक गिर गई, जिसमें शाहजहां मलबे के नीचे दब गई। जबकि मलबे की चपेट में आने से उसके दोनों पुत्र और भाई–भाभी को मामूली चोटें आई। चीख–पुकार होने पर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे तथा शाहजहां को मलबे से बाहर निकाला। बाद में परिवार के लोग उसे एक प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर करनाल से मृतका का पति और अन्य ससुराल वाले भी मौके पर पहुंचे। सूचना पर हल्का दारोगा जितेंद्र त्यागी भी मौके पर पहुंचे। दारोगा ने बताया कि परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया। शव का पंचनामा भरकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

गली में खड़े युवक से मारपीट, दो पड़ोसियों पर आरोप

समाज जागरण कांधला।

नगर के मोहल्ला रायजादगान में गली में खड़े एक युवक के साथ पड़ोस के दो लोगों द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की मां ने दो आरोपियों के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर के मोहल्ला रायजादगान निवासी सीमा पत्नी सोनू ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसका पुत्र शिवम घर के बाहर गली में खड़ा था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के दो लोग उसके पुत्र के पास पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे।विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने मिलकर शिवम के साथ मारपीट कर दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कर किसी तरह शिवम को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। आरोप है कि भीड़ एकत्र होती देख दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।पीड़िता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दूसरी और मोहल्ला रायजादगान निवासी नासिर ने बताया कि उसकी भतीजी की शादी थी और उसके साले का पुत्र अफफान निकट की परचून की दुकान से कोल्ड ड्रिंक लेने गया था आरोप है कि कई लोगों ने पड़कर उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

न्यायालय ने एक दोषी को सुनाई सजा

समाज जागरण

कैराना। न्यायालय ने अवैध हथियार बरामदगी के मामले में एक दोषी को सजा सुनाई। वर्ष 2023 में झिंझाना थाने पर थाना क्षेत्र के गांव अहमदगढ़ निवासी नंदू उर्फ नंदपाल उर्फ नंदराम के विरूद्ध अवैध हथियार बरामदगी के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। यह मामला सीजेएम कोर्ट में विचाराधीन चल रहा था। गुरुवार को कोर्ट ने आरोपी को दोषी मिलने पर जेल में बिताई गई अवधि के कारावास व दो हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर पांच दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

समाज जागरण

कैराना। घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। नगर के मोहल्ला आलकलां निवासी राशिद अहमद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे वह अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी करके अंदर चला गया। इस दौरान अज्ञात चोर ने उसकी बाइक चोरी कर ली। पुलिस ने बाइक व चोर की तलाश शुरू कर दी है।

भारत और ईयू ने टिकाऊ जहाज पुनर्चक्रण में बढ़ाया सहयोग; तीन भारतीय यार्ड ईयू से मान्यता पाने के लिए तैयार

भारत ने 35.4% वैश्विक बाजार हिस्सेदारी के साथ टिकाऊ जहाज पुनर्चक्रण में अपने वैश्विक नेतृत्व को और मजबूत किया है : सबार्नंद सोनोवाल

भारत ने जहाज निर्माण और पुनर्चक्रण इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 8 बिलियन डॉलर का निवेश करने का संकल्प लिया; ईयू का संयुक्त कार्यकारी समूह के जरिए नियामकीय सहयोग बढ़ाने पर जोर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का लक्ष्य जहाज-निर्माण और जहाज पुनर्चक्रण में 8 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ 16,000 जहाजों का पुनर्चक्रण करना है: सबार्नंद सोनोवाल

भारत और यूरोपीय संघ ने टिकाऊ जहाज पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) में सहयोग को मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया है। दोनों पक्षों ने यूरोपीय संघ के जहाज पुनर्चक्रण नियमन (ईयूएसआरआर) के तहत भारतीय जहाज पुनर्चक्रण सुविधाओं को शामिल करने की दिशा में हुई प्रगति पर भरोसा जताया है।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल और पर्यावरण, जल लचीलापन और प्रतिस्पर्धी सर्कुलर अर्थव्यवस्था के लिए यूरोपियन कमिश्नर जेसिका रोसवाल के बीच बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने ईयू के नियमों के तहत मान्यता पाने की कोशिश कर रहे भारतीय जहाज पुनर्चक्रण यार्ड के लिए चल रही ऑडिट और अनुपालन प्रक्रिया की समीक्षा की।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 30 से ज्यादा भारतीय जहाज पुनर्चक्रण यार्ड ने ईयू से मान्यता के लिए आवेदन किया है और छह यार्ड अभी नियमों के पालन और मंजूरी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। तीन जहाज पुनर्चक्रण सुविधाओं ने सभी जरूरी नियमों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और अब वे ईयू शिप रिसाइक्लिंग रेगुलेशन फ्रेमवर्क के तहत शामिल होने के लिए आवेदन करने के योग्य हैं। सबानंद सोनोवाल ने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, भारत दुनिया का अग्रणी जहाज पुनर्चक्रण देश बनकर उभरा है और सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल और जिम्मेदारीपूर्ण जहाज पुनर्चक्रण के लिए एक वैश्विक हब के तौर पर अपनी स्थिति को लगातार मजबूत कर रहा है।"

यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट (यूएनसीटीएडी) के हालिया अनुमानों के अनुसार, दुनिया भर में जहाज पुनर्चक्रण में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 30.1% से बढ़कर 2025 में 35.4% हो गई। देश ने 2025 के दौरान 2.99 मिलियन ग्रॉस टन (जीटी) जहाजों की रीसाइक्लिंग की, जो 2024 में रीसाइकिल किए गए 1.86 मिलियन जीटी की तुलना में लगभग 60% की वृद्धि है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ऑडिट, निरीक्षण और नियमों के पालन की पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से भारतीय जहाज पुनर्चक्रण यार्ड की लिस्टिंग में मदद कर रही है। उन्होंने बताया कि भारतीय सुविधाओं ने अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे और कामकाज के तरीकों को बेहतर बनाने में काफी निवेश किया है, जो टिकाऊ समुद्री विकास और जिम्मेदारीपूर्ण रीसाइक्लिंग के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सोनोवाल ने कहा कि भारत में जहाज रीसाइकिल करने वाली सुविधाओं को मजबूत पर्यावरण इंफ्रास्ट्रक्चर और कर्मचारियों के कल्याण के उपायों का समर्थन प्राप्त है। इनमें अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन प्रणाली, रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा समर्थित मल्टी-स्पेशियलिटी हेल्थकेयर सुविधाएं और कर्मचारियों के लिए खास आवास शामिल हैं। सोनोवाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार समय-समय पर और बिना बताए निरीक्षण करती है ताकि यह पक्का किया जा सके कि पर्यावरण नियमों का पालन, कर्मचारियों की सुरक्षा और कामकाज में पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को लगातार बनाए रखा जाए। भारत के लंबे समय के विजन पर बात करते हुए, सोनोवाल ने कहा कि देश का लक्ष्य अगले दशक में लगभग 16,000 जहाजों को रीसाइकिल करना है और उसने जहाज बनाने और

जहाज रीसाइकिल करने वाले सेक्टर के विकास में मदद के लिए 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता की घोषणा की है। सोनोवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त भारतीय रीसाइक्लिंग सुविधाओं की संख्या बढ़ाने से ग्लोबल सर्कुलर इकोनॉमी में काफी योगदान मिलेगा। इससे पर्यावरण के अनुकूल रीसाइक्लिंग के तरीकों को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे और समुद्री क्षेत्र में स्थिरता मजबूत होगी। कमिश्नर रोसवाल ने अब तक हुई प्रगति का स्वागत किया और एक संयुक्त कार्यकारी समूह (जेडब्ल्यूजी) बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसमें पर्यावरण मंत्रालय और दूसरे संबंधित मंत्रालयों और संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, ताकि असरदार तालमेल हो सके और प्रक्रिया के अगले चरण में मदद मिल सके। कमिश्नर ने अनुपालन, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के ऊंचे मानक बनाए रखने के लिए बिना बताए निरीक्षण की अहमियत पर जोर दिया, साथ ही यह भी कहा कि कोई भी आखिरी फैसला लेने से पहले इस मामले पर ईयू के सदस्य देशों के साथ ऑटम सेशन के दौरान चर्चा की जाएगी। रोसवाल ने बातचीत और मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत की जहाज पुनर्चक्रण सुविधाओं का दौरा करने की इच्छा भी जताई। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ का नजरिया भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत के नतीजों और जहाजों की सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल रीसाइक्लिंग के लिए हांगकांग अंतरराष्ट्रीय संधि के प्रावधानों के अनुरूप है।

ये बातचीत टिकाऊ समुद्री तौर-तरीकों को बढ़ावा देने में भारत और यूरोपीय संघ के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करती है। यूरोपीय संघ के ढांचे के तहत नियमों का पालन करने वाली भारतीय जहाज पुनर्चक्रण सुविधाओं को मान्यता मिलने से वैश्विक पुनर्चक्रण क्षमता मजबूत होने, पर्यावरण और सुरक्षा के उच्च मानकों को बढ़ावा मिलने और जहाजों के जीवन-चक्र के अंत में जिम्मेदार प्रबंधन में मदद मिलने की उम्मीद है, साथ ही इससे मजबूत और टिकाऊ वैश्विक समुद्री आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी मजबूती मिलेगी।

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से सुपर अलॉय द्वि-धात्विक संरचनाओं में हुई प्रगति से सुपरअलॉय के आयात में कमी संभव

लेजर-आधारित पाउडर बेड फ्यूजन (पीबीएफ-एलबी/एम) एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग नामक तकनीक का उपयोग करके अनुसंधानकर्ताओं द्वारा विकसित एक दरार-मुक्त द्वि-धात्विक संरचना, महंगी सुपरअलॉय के समग्र इस्तेमाल को कम करने में मदद कर सकती है। इससे इनके आयात पर निर्भरता कम होगी। स्टेनलेस स्टील और निकल आधारित सुपर मिश्रधातुओं का व्यापक रूप से एयरोस्पेस, परमाणु और थर्मल पावर प्लांटों में इस्तेमाल किया जाता है। गैस टरबाइन के कुछ क्षेत्रों में तापमान 2000 सेंटीग्रेड तक पहुंच सकता है, जबकि आस-पास के हिस्से प्रक्रिया की विभिन्न स्थितियों के दौरान कम तापमान के संपर्क में रहते हैं। इसलिए, स्टेनलेस स्टील को निकल आधारित सुपरमिश्रधातुओं के साथ एक ही घटक में संयोजित करना तकनीकी रूप से महत्वपूर्ण है। हालांकि, स्टेनलेस स्टील (एसएस316एल) और इनकोनेल सुपरएलॉय (आईएन718) की रासायनिक संरचना, गलनांक और तापीय विस्तार गुणांक में अंतर के कारण पारंपरिक वेल्डिंग चुनौतीपूर्ण है। इन अंतरों के कारण अक्सर ठोस स्वरूप प्रदान करने के दौरान दरारें, छिद्रयुक्तता, एनबी/एमओ-समृद्ध चरणों का पृथक्करण और भंगुर अंतर्धात्विकों का निर्माण होता है। हालांकि भिन्न धातुओं को जोड़ना असामान्य नहीं है, फिर भी पाउडर बेड फ्यूजन का इस्तेमाल करके दरार-मुक्त, संरचनात्मक रूप से श्रेणीबद्ध और यांत्रिक रूप से मजबूत इंटरफेस प्राप्त करना और इंटरफेस पर तन्यता परीक्षण करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, हैदराबाद स्थित इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई) द्वारा किया गया अनुसंधान इस कमी को दूर करता है। चित्र : (ए) द्विधात्विक संरचना और यांत्रिक व्यवहार को (बी) सूक्ष्म कठोरता और (सी) द्विधात्विक इंटरफेस के पार तन्यता परीक्षण के संदर्भ में दशार्या गया है। लेजर आधारित पाउडर बेड फ्यूजन सिस्टम का उपयोग करके एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से द्विधात्विक संरचना एसएस316एल का निर्माण किया गया। इसे सतह-ग्राउंड आईएन718 प्लेट पर सीधे बनाया गया, जिसमें इंटरफेस पर कोई स्पष्ट दरार या छिद्र नहीं दिखाई दिए। इस सामग्री ने इंटरफेस पर विफलता द्विधात्विक जंक्शन से भिन्न, नरम एसएस316एल पर हुई लगभग 310 एचवी की अधिकतम कठोरता और 550 ± 30 एमपीए की अंतिम तन्यता शक्ति (यूटीएस) दशार्यी, जो बेहतर इंटरफेशियल एकरूपता को दशार्ता है। एस. नारायणस्वामी , गुरुराज तेलासांग , नोक्यून पार्क और रवि बाथे की टीम द्वारा किए गए इस विकास को प्रोग्रेस इन एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग नामक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है ।

अप्रैल 2026 में कोयले के आयात में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट , आयात के विकल्प में लगातार प्रगति

भारत के कोयला आयात में अप्रैल 2026 में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। कुल कोयला आयात अप्रैल 2025 के 24.27 मिलियन टन (एमटी) से घटकर 21.13 मिलियन टन (एमटी) रह गया है, यानी 3.14 मिलियन टन (लगभग 12.95 प्रतिशत) की कमी आई है। यह गिरावट कोयला मंत्रालय द्वारा विशेष रूप से विद्युत क्षेत्र के लिए आयात के विकल्प और घरेलू कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के निरंतर प्रयासों के प्रभाव को दशार्ती है।

मुख्य विशेषताएं

विद्युत क्षेत्र के आयात में भारी गिरावटः घरेलू आपूर्ति में सुधार और मिश्रण के लिए आयातित कोयले पर निर्भरता में कमी के कारण बिजली संयंत्रों द्वारा कोयले का आयात 24.89 प्रतिशत गिरकर अप्रैल 2025 में 4.67 मीट्रिक टन से घटकर अप्रैल 2026 में 3.51 मीट्रिक टन हो गया। आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) संयंत्रः आयातित कोयले पर चलने के लिए डिजाइन किए गए संयंत्रों के आयात में 27.45 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 3.97 मीट्रिक टन से घटकर 2.88 मीट्रिक टन हो गया है। यह निगरानी की गई सभी श्रेणियों में सबसे तीव्र गिरावट है। आयातित कोयले के मिश्रण के लिए घरेलू कोयला आधारित (डीसीबी) संयंत्रः मिश्रण के उद्देश्य से घरेलू संयंत्रों द्वारा आयातित कोयले में 11.26 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 0.71 मीट्रिक टन से घटकर 0.63 मीट्रिक टन हो गया है। यह सुनिश्चित घरेलू आपूर्ति को बढ़ाने और मिश्रण जनादेश पर निर्भरता को कम करने के प्रयासों की सफलता को दशार्ता है। कुल मिलाकर आयात पर निर्भरता कम हुईः कुल कोयला खपत में कोयले के आयात का हिस्सा अप्रैल 2025 में 21.69 प्रतिशत से घटकर अप्रैल 2026 में 19.68 प्रतिशत हो गया, जो 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। कोकिंग कोयले का आयात स्थिर बना हुआ हैः कोकिंग कोयले के आयात में मामूली 1.34 प्रतिशत (5.93 मीट्रिक टन से 6.01 मीट्रिक टन) की वृद्धि हुई है।

तिरुलडीह सब स्टेशन में जनसुनवाई, बिजली समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

समाज जागरण, संवाददाता

कुकडू, चांडिलः सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल विद्युत विभाग के तिरुलडीह पावर सब स्टेशन में बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे और लंबे समय से चली आ रही बिजली संबंधी परेशानियों को अधिकारियों के समक्ष रखा।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती, बार-बार फॉल्ट, मरम्मत में देरी और चौड़ा फीडर पर अत्यधिक लोड के कारण लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले इन समस्याओं को लेकर तिरुलडीह सब स्टेशन का घेराव भी किया गया था, जिसके बाद विभाग ने जनसुनवाई का आयोजन किया।

कार्यक्रम में सरायकेला-खरसावां के कार्यपालक अभियंता (विद्युत) लालजी महतो, चांडिल विद्युत विभाग के एसडीओ कालीनाथ सिंह मुंडा, जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव, कुकडू उप प्रमुख, पंचायत के मुखिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बैठक में चौड़ा फीडर एवं ईचाडीह फीडर से संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में चौड़ा फीडर से 18 गांव जुड़े हुए हैं, जिससे लोड अधिक होने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है। इस समस्या के समाधान के लिए चौड़ा फीडर को दो भागों में विभाजित करने तथा आवश्यक तकनीकी सुधार करने पर सहमति बनी।

इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। मांगों में चौड़ा क्षेत्र के लिए कम-से-कम दो स्थानीय लाइनमैन की नियुक्ति, आवश्यक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में एबी (AB) स्विच लगाने, आरडीएसएस योजना के तहत चौड़ा क्षेत्र को अलग फीडर से जोड़ने, नंगे बिजली तारों की जगह एबी (केबल) तार लगाने, तिरुलडीह पीएसएस में बिजली बिल जमा करने की सुविधा शुरू करने, तथा जर्जर बिजली तार, पोल और अन्य उपकरणों का नियमित निरीक्षण, मरम्मत एवं आवश्यकतानुसार प्रतिस्थापन कराने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही।

कार्यपालक अभियंता लालजी महतो ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए चरणबद्ध तरीके से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बेहतर, सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए।

जिनका कोई सहारा नहीं उनको विष्णु गिरी मुफ्त में दे रहे गरीब बच्चों को शिक्षा

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 02 जुलाई 2026: सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर कॉलोनी में रहने वाले विष्णु गिरी ने एक सराहनीय कार्य कर रहे है।एक तरफ नर्सरी से लेकर सातवीं कक्षा में प्राइवेट स्कूलों में गरीब बच्चों का आधार कार्ड ना होने के वजह से प्रवेश नहीं मिल पा रहा है वहीं दूसरी ओर शहर में विष्णु गिरी गरीब बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देने का कार्य शुरूआत किया है। विष्णु गिरी ने तो आसपास के क्षेत्र को भी लेकर वहां के गरीब बच्चों को चिन्हांकित किया और उन्हें मुफ्त में सारी सुविधाएं देने का प्रयास करने की बात कही।उनका कहना है कि गरीब और जरूरतमंद बच्चों के शिक्षा के रास्ते में फीस रुकावट नहीं आने देंगे ।वही उनका कहना है कि बड़ी संस्थाओं में हजारों रुपए लेकर भी बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं दे पा रही है।

वही उनका कहना है कि आज आधार कार्ड ना होने के वजह से पहली कक्षा में जाने वाले बच्चों को इस बार सरकारी स्कूलों में भी एडमिशन नहीं मिल पाया। चाहे वो गरीबी रेखा के नीचे ही क्यों न आते हों। शहर की कुछ शैक्षणिक संस्थाओं में गरीब के बच्चों को हर संभव मुफ्त में शिक्षा दी जा रही है। हालांकि देखा गया है कि विष्णु गिरी कई सालों से हर क्षेत्र में अपना यथासंभव योगदान देते रहते है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के साथ साथ शहरी क्षेत्र के जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल पाता है।

प्रवीण कुमार बने जेएलकेएम के गोड्डा जिलाध्यक्ष

समाज जागरण

गोड्डा जेएलकेएम(जेबीकेएसएस) के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने गोड्डा संगठन का पुनर्गठन करते हुए प्रवीण कुमार को गोड्डा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। मौके पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा कि इस नई जिम्मेदारी को पूरी विनम्रता से स्वीकार करता हूं। कहा कि यह प्रयास रहेगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पोड़ैयाहाट,गोड्डा और महगामा विधानसभा में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करें और अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करें।

एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष विकास कुमार महांता ने विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण,ब्यूरो चीफ, कोल्हान

सरायकेला खरसावां (झारखंड)02 जुलाई 2026 : एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद से ही छात्र-छात्राओं की समस्याओं को खोज कर उसे दूर करने का प्रयास विकास कुमार महंता कर रहे हैं इसी कड़ी में श्री महांता छात्रों के गूंज विषय पर सरायकेला में अवस्थित पुस्तकालय में विद्यार्थियों के साथ एक शिष्टाचार संवाद किया जिसमें नीट सहित विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में लगातार हो रही अनियमितताओं पर चिंतन मनन किया गया एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा इस पर प्रतिक्रिया का आदान-प्रदान हुआ जिसमें देखा गया कि छात्र- छात्राएं अपनी भविष्य को लेकर काफी गंभीर दिखे उन्होंने देश में हो रहे परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ी की शिकायत की साथ ही इस तरह की घटना को अपने भविष्य के साथ जोड़कर काफी चिंतित नजर आए कुछ विद्यार्थियों ने स्थानीय स्तर पर भी होमगार्ड बहाली में हुई गड़बड़ी से नाखुश नजर आए यहां पर प्राय 50 की संख्या में विद्यार्थी दैनिक पढ़ाई करते हैं और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करते हैं उन्होंने श्री महांता से कहा कि यहां पर अल्प मात्रा में पुस्तक है जिसे अद्यतन करके बढ़ाने का कोशिश करें साथ ही बच्चों ने कहा कि जिला का एकमात्र पुस्तकालय है जो अंकुश विहीन है इस पर किसी का नियंत्रण नहीं है छात्रों का कहना है नगर पंचायत में भी इस मुद्दे को लेकर बात हुई थी पर अब तक किसी प्रकार का कोई कार्रवाई नहीं हुई जिला प्रशासन इसे अपने नियंत्रण में ले और सुविधाओं को बधाई जिससे स्थानीय प्रतिभावान गरीब छात्रों का कल्याण होगा इस पर श्री महांता ने आगे की कार्रवाई करने की बात कही।

पदमा थाना क्षेत्र में दो जगहों से बाइक चोरी, पुलिस जांच में जुटी

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण

पदमा- पदमा ओपी थाना क्षेत्र के रोमी और चम्पाडीह गांव में अलग-अलग स्थानों से दो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिलों की चोरी होने का मामला सामने आया है। दोनों घटनाओं के बाद पीड़ितों ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना में आवेदन देकर कार्रवाई और वाहन बरामदगी की मांग की है।

पहली घटना रोमी गांव की है। इस संबंध में इचाक थाना क्षेत्र के कुरहा निवासी विनोद प्रमोद मेहता ने पदमा ओपी थाना प्रभारी को दिए आवेदन में बताया कि वह वर्तमान में रोमी गांव में रह रहे हैं। उनके स्वर्गीय पुत्र राजेन्द्र कुमार मेहता के नाम से पंजीकृत स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (नंबर जेएच-०२-एडब्ल्यू-६१३२) 30 जून की रात करीब 12 बजे उनके कमरे के सामने बरामदे के पास खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात चोर बाइक चोरी कर फरार हो गए।

पीड़ित के अनुसार वाहन वाइन शॉप के सामने खड़ा था, जहां सीसीटीवी कैमरा भी लगा हुआ है। ऐसे में घटना की रिकॉर्डिंग मिलने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने पुलिस से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

वहीं दूसरी घटना चम्पाडीह गांव की है। ग्राम चम्पाडीह, पोस्ट सूर्यपुरा निवासी संजय कुमार ने पदमा ओपी थाना प्रभारी को दिए आवेदन में बताया कि 30 जून की रात उनके घर के बाहर खड़ी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (नंबर जेएच-०२-बीक्यू-९४३३) अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। उन्होंने बताया कि उक्त मोटरसाइकिल उनकी बहन सरिता देवी, पति राजेन्द्र कुमार, निवासी ग्राम मुरुमातो, पोस्ट टाटीझरिया, थाना टाटीझरिया, जिला हजारीबाग के नाम पर पंजीकृत है। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की जांच एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दोनों मामलों में पदमा पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर जांच शुरू कर दी है तथा अज्ञात चोरों की पहचान और चोरी गई मोटरसाइकिलों की बरामदगी के प्रयास में जुट गई है।

पालीगंज में किया गया शोक सभा का आयोजन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज पीएचसी में गुरुवार को एक आशा कार्यकर्ता के निधन को लेकर शोक सभा का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार प्रखण्ड क्षेत्र के रानीपुर अकबरपुर कोडडा गांव स्थित कोड संख्या 259 पर कार्यरत आशा कार्यकर्ता मुन्नी देवी की मृत्यु बीमारी के कारण बीते मंगलवार को इलाज के दौरान हो गयी। जिसको लेकर गुरुवार को पालीगंज स्थित पीएचसी के सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसका संचालन बीसीएम श्याम कृष्ण मंडल ने किया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने कुछ समय तक मौन धारण कर शोक प्रकट किया। मौके पर पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बिपिन कुमार ने बताया कि मुन्नी देवी सरल शालीन व अच्छे विचार की थी। वह हमेशा मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करती थी। उनको इस तरह निधन हो जाना काफी दुख की बात है। इस दौरान पालीगंज पीएचसी में कार्यरत दर्जनों चिकित्सा पदाधिकारी व स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

पटना के दुल्हिन बाजार में तीन वर्षों से बंद पड़ी है नल-जल योजना, बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ सरकार के बहुप्रचारित 'सात निश्चय' कार्यक्रम के तहत आम लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी योजना दुल्हिन बाजार प्रखंड के सदावह डोरवां पंचायत में पूरी तरह दम तोड़ती नजर आ रही है। प्रखंड के गुलालचक गांव स्थित वार्ड संख्या 5 में पिछले तीन वर्षों से नल-जल योजना बंद पड़ी है, जिसके कारण ग्रामीणों को भीषण पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है ।ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत में इस योजना की शुरूआत काफी उम्मीदों के साथ की गई थी। शुरूआत के कुछ समय तक तो सब कुछ ठीक रहा और लोगों को घरों तक पानी मिला, लेकिन तीन वर्ष पूर्व आए भीषण आंधी-तूफान ने इस योजना की कमर तोड़ दी। तेज हवा के कारण मीनार पर रखी पानी की टंकी नीचे गिरकर पूरी तरह नष्ट हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि टंकी गिरने के बाद से ही विभागीय स्तर पर इसे ठीक कराने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया ।स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई, लेकिन आज तक सिवाय आश्वासन के कुछ नहीं मिला। ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च कर शुरू की गई योजना केवल अनदेखी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण कबाड़ में तब्दील हो गई है। आलम यह है कि आज भी ग्रामीण पुरानी व्यवस्था या दूर-दराज के चापानलों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। इस संबंध में जब पीएचडी (ढलएऊ) विभाग के अधिकारी दिलीप कुमार से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि क्षेत्र की स्थिति की जांच कराई जाएगी और जल्द से जल्द मरम्मत कार्य शुरू करवाकर जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। अब देखना यह होगा कि विभागीय आश्वासन के बाद कब तक ग्रामीणों को इस समस्या से निजात मिलती है। फिलहाल, गुलालचक गांव के वार्ड नंबर 5 के वासी पानी के लिए संघर्ष करने को विवश हैं।

पूरे देश में 22 एक्सपोजर टूर में 1,100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

समाज जागरण

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित युवा संगम कार्यक्रम का चरण-6 का अंतिम दौरा 19 जून, 2026 को मध्य प्रदेश से झारखंड तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। युवा संगम, एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम के अंतर्गत एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य देश के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अनुभव आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना है।

युवा संगम युवाओं को देश की समृद्ध सांस्कृतिक, भाषाई, शैक्षिक और सामाजिक विविधता का अनुभव करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। चरण-6 का पहला दौरा 8 मई, 2026 को राजस्थान से कर्नाटक तक शुरू हुआ। 22 युग्मित राज्यों के 1,26,000 से अधिक पंजीकृत विद्यार्थियों में से लगभग 1100 प्रतिभागियों का चयन किया गया। राज्यों का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडलों ने अपने संबंधित मेजबान राज्यों के राज्यपालों से मुलाकात की, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करने वाले प्रतिनिधियों ने उपराज्यपालों के साथ बातचीत की। इन वाताओं से सुशासन, संवैधानिक मूल्यों, नेतृत्व और समावेशी विकास के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। एक विशेष बातचीत में, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का दौरा करने वाले छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के साथ बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी प्रमुख उच्च शैक्षिक संस्थानों द्वारा की गई। उन्होंने शैक्षणिक बातचीत, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विरासत यात्राओं, नवाचार प्रदर्शनों और सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों में भाग लिया। प्रतिभागियों ने युग्मित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की परंपराओं, विकास मॉडल और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, शिक्षाविदों, नवप्रवर्तकों, उद्यमियों, कलाकारों और स्थानीय समुदायों के साथ भी बातचीत की। विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, ऐतिहासिक महत्व के स्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, संग्रहालयों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्राओं ने भारत की विविधता और साझा विरासत की उनकी समझ को समृद्ध किया। प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक प्रदर्शनों, प्रदर्शनियों और आपसी बातचीत के सत्रों के माध्यम से अपनी क्षेत्रीय परंपराओं का प्रदर्शन किया, जिससे आपसी सराहना और आजीवन मित्रता को बढ़ावा मिला।

युवा संगम चरण-6 के अनतर्गत इमर्सिव लर्निंग अनुभव के हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने टी-हब जैसे प्रमुख इन्क्यूबेशन केंद्रों सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, नवाचार और उद्यमिता इकोसिस्टम के साथ-साथ अनुसंधान संस्थानों, विकासात्मक परियोजनाओं और प्रमुख बुनियादी ढांचागत सुविधाओं का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के साथ-साथ अन्य राष्ट्रीय महत्व के विरासत स्थलों का भी दौरा किया, जिससे भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत के बारे में गहरी जानकारी मिली।

कार्यक्रम में पारंपरिक कलाओं जैसे कलमकारी पेंटिंग, वारली पेंटिंग, आदिवासी कला रूपों, मिट्टी के बर्तनों और हस्तशिल्प प्रदर्शनों के साथ-साथ कारीगरों, उद्यमियों और स्थानीय समुदायों के साथ बातचीत भी शामिल थी। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण अभियान, स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, ग्राम यात्रा और सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों जैसी विशेष पहलों ने प्रतिभागियों की सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण प्रबंधन की भावना को मजबूत किया।

छह सप्ताह से अधिक समय तक चलने वाले युवा संगम चरण-6 ने युवा प्रतिभागियों को भारत के विविध परिदृश्यों, भाषाओं, व्यंजनों, परंपराओं और विकासात्मक उपलब्धियों का अनुभव करने में सक्षम बनाया, साथ ही भौगोलिक सीमाओं से परे नेटवर्क का निर्माण किया। कार्यक्रम ने पूर्ण रूप से "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के दृष्टिकोण को मूर्त रूप दिया, लोगों से लोगों के संपर्क को बढ़ावा दिया और विविधता में एकता की भावना को मजबूत किया।

ईटानगर पहुंचे केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मौसम की खराबी से रुका हवाई सर्वे, कल हवाई सर्वे कर दिनभर बाढ़ पीड़ितों के बीच रहेंगे

- ईटानगर में लोगों की बात सुनकर बोले केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंहझ्र हर पीड़ित परिवार तक मदद पहुंचाकर ही चैन लेंगे

- पूर्वोत्तर के दौरे में केंद्रीय मंत्री श्री किरन रिजिजू और मुख्यमंत्री भी साथ, अरुणाचल में अधिकारियों की बैठक भी लेंगे श्री शिवराज सिंह चौहान

समाज जागरण

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज अरुणाचल प्रदेश पहुँचे, लेकिन खराब मौसम की वजह से हवाई सर्वे नहीं कर पाए और अब 1 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश और असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में दिनभर जमीनी और हवाई दौरा करेंगे ताकि पीड़ित किसान और अन्य परिवारों की स्थिति सीधे देख सकें और मदद के लिए उपाय कर सकें। उनके दौरे में केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री किरन रिजिजू और मुख्यमंत्री भी साथ रहें।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दोपहर अरुणाचल पहुंचकर वहां लोगों से सीधे मिलकर उनकी तकलीफ सुनी। उन्होंने कहा कि मौसम ने आज हेलीकॉप्टर रोक दिया, लेकिन हमारा इरादा नहीं रुकेगा। कल अरुणाचल और असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में दिनभर रहकर हर किसान और हर परिवार तक मदद पहुँचाने के लिए जमीन से लेकर आसमान तक पूरा जायजा लेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज दिल्ली से अरुणाचल प्रदेश के इटानगर पहुँचे। यहाँ उन्होंने सबसे पहले बाढ़ प्रभावित इलाकों से आए लोगों और जनप्रतिनिधियों से सीधे मुलाकात की। लोग अपने खेतों में पानी भरने, फसल के खराब होने और घरझ्रगृहस्थी के नुकसान की बात बता रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने सबकी बातें ध्यान से सुनीं और भरोसा दिया कि किसी भी परिवार को मदद से पीछे नहीं छोड़ा जाएगा।

इटानगर के सचिवालय में अरुणाचल प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में श्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ की मौजूदा स्थिति, राहत सामग्री, पुनर्वास और आगे के कदमों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के किसानों और ग्रामीणों की चिंता सीधे दिल्ली तक पहुँच चुकी है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में केंद्र सरकार हर जरूरी मदद देने को तैयार है।

श्री चौहान ने कहा कि एक जुलाई को अरुणाचल प्रदेश और असम में सघन दौरा किया जाएगा। कल सुबह से ही श्री शिवराज सिंह चौहान अरुणाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में गाँव और राहत शिविरों में जाकर लोगों से बात करेंगे। वे किसानों के खेतों में हुए नुकसान, पशुधन की स्थिति और रोजमर्रा की ज़िंदगी पर पड़े असर को खुद देखेंगे। हेलीकॉप्टर से अरुणाचल प्रदेश और असम के अलगझ्रअलग बाढ़ क्षेत्रों का हवाई सर्वे कर नदियों, तटबंधों, सड़कों और फसल क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेंगे। शाम को असम की राजधानी गुवाहाटी में असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में वे बाढ़ प्रबंधन, राहतझ्रवितरण, तटबंधों की मरम्मत और किसानों की आर्थिक मदद पर बात करेंगे

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह का जोर है कि लोगों को तुरंत राहत तो मिले ही, साथझ्रसाथ ऐसी योजना बने जिससे अगली बार बाढ़ आने पर नुकसान कम हो, जैसे बेहतर ड्रेनेज, मजबूत तटबंध, सुरक्षित शेल्टर और फसल बीमा की बेहतर व्यवस्था।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने अरुणाचल और असम के बाढ़ प्रभावित लोगों से अपील की कि वे मुश्किल समय में हिम्मत बनाए रखें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस संकट से बाहर निकालने के लिए हर कदम उठाएँगी।

श्री शिवराज सिंह ने मीडिया से चर्चा में कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमारा प्यारा प्रदेश है, लेकिन आज भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। भारी बारिश और भूस्खलन से सड़कें, पुल और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं- लोगों का भारी नुकसान हुआ है। किसानों की संतरा, केला और धान जैसी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। मैं और किरन रिजिजू, प्रधानमंत्री जी के निर्देश पर मुख्यमंत्री जी के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने आए हैं। हम नुकसान का विस्तृत आकलन करेंगे और केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में जनता की मदद करने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हम प्रदेश को इस संकट से बाहर निकालने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे।

भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े के युद्धपोतों उदयगिरि, कवरत्ती और शक्ति ने थाईलैंड के सट्टाहीप बंदरगाह की यात्रा संपन्न की

समाज जागरण

भारतीय नौसेना में पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर रियर एडमिरल आलोक आनंद के कमान नेतृत्व में युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि, कवरत्ती और शक्ति 29 जून, 2026 को थाईलैंड के सट्टाहीप बंदरगाह पर अपना निर्धारित प्रवास पूरा करने के बाद दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में अपनी आगामी परिचालन तैनाती के लिए रवाना हो गए हैं।

यह यात्रा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत की सतत सहभागिता का हिस्सा थी। इसने भारत व थाईलैंड के बीच लंबे समय से चले आ रहे समुद्री सहयोग एवं रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ किया।

दोनों देशों की नौसेनाओं के वरिष्ठ नेतृत्व के बीच हुई चचाओं का मुख्य केंद्र द्विपक्षीय नौसैनिक सहयोग को और सुदृढ़ करना था। जिसका उद्देश्य आपसी सहभागिता के साथ तालमेल बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा से जुड़े साझा हितों एवं क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इस यात्रा के दौरान भारतीय नौसेना के जहाजों ने रॉयल थाई नेवी के साथ पेशेवर आदान-प्रदान, परिचालन संबंधी विचार-विमर्श तथा खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया।

सट्टाहीप बंदरगाह पर प्रवास के दौरान आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस कवरत्ती पर एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाईलैंड में भारत के राजदूत, रॉयल थाई नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी, राजनयिक समुदाय के प्रतिनिधि तथा भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया।

ग्राम विकास अधिकारी अवनी श्रीवास्तव हुए सेवानिवृत्त

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। सेवापुरी ब्लाक सभागार में बुधवार को अवनि श्रीवास्तव ग्राम विकास अधिकारी की अधिवर्षता आयु पूर्ण होने के उपरांत विदाई समारोह के आयोजन में उन्होंने कहा कि 'मैं सेवापुरी ब्लाक कार्य क्षेत्र से विदा जरूर हो रहा हूँ पर आप लोगों का साथ मेरी सांसों में सदैव रहेगा।'

20 वर्ष 7 माह मेरे कार्यकाल का जीवन सेवा में गुजर गया एहसास आज बिछड़ने पर आ रही है।

बीडीओ सेवापुरी राजेश कुमार सिंह ने अंगवस्त्र एवं मोमेंटो स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए कहा कि रिटायर्ड होने के बाद अब आपके पास अपने सपनों को पूरा करने और आराम व सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करने का सुनहरा अवसर है। रिटायरमेंट अंत नहीं, बल्कि जीवन मे नए और रोमांचक अध्याय की शुरूआत है। आप अब स्वयं स्वस्थ रहें मस्त रहें और सभी का मार्गदर्शन करते रहें। आप सपरिवार सहित सुख-समृद्धि स्वास्थ्य की संपदा से परिपूर्ण और दीघार्यु बनें रहें विदाई समारोह में कुछ पल बहुत ही भावुक रहा जहां खुशियां और बिछड़ने के मिश्रित गम हंसाते और रुलाते रहे ब्लाक सभागार कुछ पल के लिए बिल्कुल शांत बन गया था ,खामोशी इसलिए कि बीते पल एक साथ समन्वय का अवसर अब नहीं आएगा।अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों ने भागवत गीता , अंगवस्त्र ,छाता ,छड़ी ,एलबम ,ब्रीफकेश सहित अन्य उपहार स्वरूप भेंट किया विदाई व सम्मान समारोह में प्रमुख रूप से बीडीओ राजेश कुमार सिंह, संयुक्त बीडीओ गिरीश चंद ,एडीओ पंचायत धनन्जय कुमार, एडीओ समाज कल्याण अभिषेक कुमार ,एडीओ आइएसबी राजेन्द्र सिंह,एडीओ एस टी इंद्रजीत पटवा ,ग्राम विकास अधिकारी गण सोनू पटेल, श्यामनारायण ,विपिन कुमार ब्लाक कोऑर्डिनेटर राजीव कुमार वर्मा ,कार्यालय सहायक धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य सहकर्मी और समस्त स्टाफ उपस्थित होकर सम्मानित किया। विदाई अवसर पर फूलों से लादकर सम्मान सहित रवाना किया गया।

थाने की कमान संभालते ही एक्शन मोड में दिखे नए भांवरकोल थानाध्यक्ष रोहित कुमार मिश्रा

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के भांवरकोल थाने के नए थानाध्यक्ष के रूप में रोहित कुमार मिश्रा ने मंगलवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने थाने में तैनात सभी पुलिसकर्मियों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया तथा थाना परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लियाइसके बाद नवागत थानाध्यक्ष ने थाना क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति, कानून-व्यवस्था तथा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं की जानकारी हासिल की। उन्होंने थाने में तैनात अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। नए थानाध्यक्ष रोहित कुमार मिश्रा ने कहा कि अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना तथा क्षेत्र में अमन, शांति और सौहार्द कायम रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करते हुए सरकार की नीतियों और मिशन को पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ लागू किया जाएगा।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को जनता के साथ बेहतर व्यवहार करने, फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने तथा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व रोहित कुमार मिश्रा प्रभारी स्वाट टीम के पद पर कार्यरत थे।

अबोध बालिका की बालू लदी ट्रक से दबकर दर्दनाक मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

समाज जागरण

मीरजापुर/ राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदिहार गांव में रेलवे अंडरपास के पास गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसे में तीन वर्षीय मासूम बालिका की बालू लदी ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, नदिहार गांव निवासी गुड़िया (3 वर्ष)पुत्री राजकुमार गुरुवार शाम करीब 4 बजे अपने घर के पास खेल रही थी। इसी दौरानचुनार चोपन रेलवे दोहरीकरण कार्य में लगी बालू लदी एक ट्रक वहां से गुजर रही थी और मासूम उसके नीचे

आ गई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने बालिका को ट्रक के नीचे से बाहर निकाला तथा चालक को पकड़ लिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने चालक की पिटाई भी कर दी। सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान मौके पर पहुंचे और बीच बचाव करके चालक को वहां से हटा दिया। ग्राम प्रधान भी ग्रामीणों को समझाने में जुटे रहे। घटना की जानकारी मिलते ही राजगढ़ पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करने लगी, लेकिन परिजन और ग्रामीण काफी देर तक मानने को तैयार नहीं हुए तथा उन्होंने वाहन को वहां से हटाने नहीं दिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि रेलवे दोहरीकरण कार्य और प्लांट से जुड़े भारी वाहनों का आवागमन बस्ती के समीप बने रास्ते से मनमाने तरीके से कराया जा रहा है। सड़क के किनारे घनी आबादी होने के कारण यहां छोटे-छोटे बच्चे अक्सर खेलते रहते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिसका परिणाम आज इस दर्दनाक घटना के रूप में सामने आया है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पेयजल आपूर्ति को लेकर ग्रामीणों ने मुर्दहा स्कीम के गेट में ताला बंद कर जताया विरोध

जेई नवीन त्रिपाठी के कल ठीक करने केआश्वासन पर दो घण्टे बाद खुला ताला।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। विकास खंड हरहुआ के ग्राम पंचायत मुर्दहा में गुरुवार को ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी टंकी स्कीम गेट का ताला बंद कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रधान रविन्द्र यादव व ग्रामीणों ने पानी की अनियमित आपूर्ति और लीकेज की समस्या को लेकर विरोध जताया। गर्मी के मौसम में पानी के अनापूर्ति के चलते जहाँ ग्रामीण परेशान हैं वहीं पशुओं व नित्यकर्म के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। गाँव के राजभर, प्रजापति, विश्वकर्मा, ठाकुर और हरिजन बस्तियों में कई स्थानों पर छोटे-बड़े लीकेज के कारण पानी की आपूर्ति बाधित है। इसके अतिरिक्त, कम से कम 50 घरों के हाउस कनेक्शन में भी पानी नहीं पहुंच रहा है जिससे ग्रामीणों में भारी असंतोष व आक्रोश है।

मौके पर ग्राम प्रधान रविंद्र यादव ने बताया कि जल जीवन मिशन के जेई और एक्सईएन से कई बार बात की है, लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन ही मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि यह समस्या लगभग दो महीने से बनी हुई है, लेकिन कोई भी उच्च अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्राम प्रधान ने बताया कि वे जिलाधिकारी से मिलकर इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग करेंगे।

मोबाइल पर प्रधान द्वारा जेई नवीन त्रिपाठी से वार्ता पर एक दो दिन में सभी कमियां ठीक कराने के आश्वासन पर ग्रामीणों ने दो घण्टे बाद ताला खोल दिया।

इस दौरान गाँव के ग्राम प्रधान रविन्द्र यादव के नेतृत्व में भिक्खम राजभर, शीतू राजभर, बदामा देवी, सुनीता प्रजापति, तुला प्रजापति, शीला देवी सुनीता राजभर, संगीता देवी, शैलेश, नन्दलाल, मनोज, लालमणी देवी सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।

हरहुआ ब्लाक के आयर ग्राम पंचायत में पर्यावरण संरक्षण के लिए किया गया पौधरोपण

*वन महोत्सव अभियान में सैकड़ों पौधे लगाए गए। वीबी- जी राम जी का हुआ शुभारम्भ।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ ब्लाक के आयर ,सगरा में पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण को लेकर किया गया।

मुख्य अतिथि हरहुआ ब्लॉक प्रमुख विनोद कुमार उपाध्याय उर्फ बब्बू व बीडीओ हरहुआ छोटेलाल तिवारी वन विभाग के इंस्पेक्टर पन्ना लाल व ग्राम सभा के सचिव संजय सोनकर ने अपने हाथों 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाया।

वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण को लेकर जहां पूरा विश्व चिंतित है वहीं शुद्ध ऑक्सीजन न मिलने से बढ़ती तरह -तरह की बीमारियां फैल रही है। जिस गति से विकास के नाम पर

जीवनदायिनी पौधों को काटा जा रहा है उसकी भरपाई के लिए अभियान चला कर पर्यावरण बचाने की जरूरत है।आइए! हाथ बढ़ाएं इस मुहिम के साक्षी बन पुण्य का कार्य करें। वहीं बीडीओ हरहुआ ने वीबी-जी रामजी (विकसित भारत-गारंटी फार रोजगार एवम आजीविका मिशन ग्रामीण योजना में अधिकाधिक रोजगार के अवसर दिए जाने की जानकारी दी।

प्रशासक/प्रधान आयर सूर्यप्रकाश मौर्य 'भीम' ने अतिथियों का अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मान करते हुए सभी लोगो को पौधरोपण अधिक से अधिक कराने का संकल्प दिलाया।

पौधरोपण के दौरान प्रधान मुर्दहा रविन्द्र यादव ,प्रधान प्रतिनिधि संजय कुमार, सचिव संजय सोनकर व रोजगार सेवक सोनकर प्रसाद सहित गांव के सम्मानित जन मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन महिलाएं झुलसीं, पीएचसी में भर्ती

समाज जागरण

मीरजापुर /थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में बुधवार शाम गरज-चमक के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन महिलाएं झुलसकर अचेत हो गईं। परिजनों ने तीनों को पीएचसी हलिया में भर्ती कराया, जहां उपचार चल रहा है।पहली घटना दिघिया वन विभाग के पास नर्सरी पर भटवारी पहड़ी गांव निवासी निर्मला देवी (45) और गुलाबी देवी (40) काम कर रही थीं। बारिश के दौरान गरज-चमक के साथ कुछ दूर पर बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से दोनों झुलस कर अचेत हो गईं। दूसरी घटना थाना क्षेत्र के बसुहरा गांव निवासी सरस्वती (40) कच्चे मकान के बरामदे में बैठी थीं। उसी दौरान घर के बगल में सागौन के पेड़ के पास बिजली गिरी। चपेट में आकर वह भी झुलसकर अचेत हो गईं। प्रभारी चिकित्साधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि बिजली की चपेट में आकर तीन महिलाएं झुलसकर अचेत हो गई थीं। प्राथमिक उपचार किया गया है। फिलहाल तीनों की स्थिति सामान्य है।सावधानी जरूरी बरसात के मौसम में गरज-चमक के दौरान खुले में, पेड़ के नीचे या बिजली के खंभों के पास खड़े न हों। मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान दें।

स्कूल चलो अभियान के तहत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय हथेड़ा में निकली जागरूकता रैली

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया विकास खंड के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय हथेड़ा में "स्कूल चलो अभियान" के तहत गुरुवार को जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों का सरकारी स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन कराना रहा। विद्यालय के शिक्षकों व अभिभावकों की अगुवाई में छात्र-छात्राओं ने गांव की गलियों में भ्रमण किया। हाथों में बैनर लेकर बच्चों ने "सब पढ़ें, सब बढ़ें" और "शिक्षा का अधिकार" जैसे नारे लगाए। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में जरूर भेजें। सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया गया निःशुल्क शिक्षा,निःशुल्क पाठ्य

पुस्तकें, निःशुल्क गणवेश, प्रशिक्षित शिक्षक (टी.ई.टी. पास), गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उच्च गुणवत्तायुक्त मध्याह्न भोजन,स्वच्छ वातावरण ,खेल का मैदान,स्वास्थ्य संबंधी जांच की सुविधा पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय हथेड़ा के प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद मिश्र ने अभिभावकों से अपील की कि वे 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का सरकारी स्कूल में एडमिशन जरूर कराएं। उन्होंने कहा कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है।रैली में विद्यालय के शिक्षक आशीष मिश्रा , रामभवन,रसोइया, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

जनता दर्शन में जिलाधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा सुचितापूर्ण व नकल विहीन सम्पन्न कराने के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर किया निरीक्षण

समाज जागरण

मीरजापुर /जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट स्थित जनता दर्शन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण को संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रेषित करते हुए निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जनता दर्शन के उपरांत जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से ए.एस.

जुबली इंटर कॉलेज, रमईपट्टी तथा आदर्श इंटर कॉलेज, विसुंदरपुर का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा कक्षों, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेटों एवं केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखते हुए शासन द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों एवं मानकों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधा तथा पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा अनियमितता की स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न हो सके।

यह सहयोग नही बल्कि अपने साथी के दुख मे हमारी उपस्थिति है: ऋषि कुमार सिंह

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।बी पैक्स मंगारी ब्लाक पिंडरा के समिति कर्मचारी जयप्रकाश शुक्ला के इकलौते पुत्र की सड़क दुघर्टना में 22 मई को मृत्यु हो गई थी।

इस समाचार से पूरे सहकारी समिति कर्मचारी काफी द्रवित व दुःखी हुए। इकलौते पुत्र के निधन के बाद जयप्रकाश शुक्ला बिल्कुल ही असहाय व निढाल हो गये थे। पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल बेहाल था। मृत पुत्र को एक 4 वर्ष का बेटा है।विधवा पुत्रवधू रो-रो कर बेसुध हो रही थी।

इन सब को देख कर साथी कर्मचारियों का दिल दहल सा गया। जनपद के साथी कर्मचारियों नें 28000(अठ्ठाइस हजार रुपए) एकत्र कर जयप्रकाश शुक्ला का आर्थिक सहयोग किया।

वाराणसी जनपद के समिति कर्मचारी सचिव परिषद के जिला अध्यक्ष ऋषि कुमार सिंह नें कहा यह सहयोग राशि नहीं है बल्कि जयप्रकाश शुक्ला के

दुःख में हमलोगों के साथ होंने की उपस्थिति है। ऋषि कुमार सिंह नें यह भी कहा कि आज वेतन के अभाव में समिति कर्मचारी कर्ज के बोझ से दबा हुआ है उसके बावजूद भी हमारे कर्मचारियों में सहयोग की भावना बनी है जो अत्यंत सराहनीय है ।

इसी भावना को सहकारिता कहते हैं।

ऋषि कुमार सिंह नें यह भी बताया कि हमारा एक साथी प्रशान्त सिंह सचिव बाबतपुर बीपैक्स जो कि लगभग चार वर्षों से स्वयं गंभीर बीमारी से जूझ रहा है ।उसकी आर्थिक स्थिति काफी खराब होने के बावजूद भी वो सहयोग करनें में पीछे नहीं रहा है मैं ऐसे सहृदय कर्मचारियों को प्रणाम करता हूं।

आज यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने जयप्रकाश शुक्ला के आवास पर जाकर उन्हें सहयोग राशि प्रदान की तथा उन्हे सांत्वना दी।

प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष ऋषि कुमार सिंह, जिला महामंत्री अनिल दूबे विवेक कुमार सिंह, अखिलेश यादव विभूति नारायण श्रीवास्तव, अभय सिंह अरविंद दूबे ,इन्द्रप्रताप सिंह ,विनोद दूबे व अरविंद उर्फ अर्जुन पटेल शामिल रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मना।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गरीब व दलित मजदूर के मसीहा। सिंटू उर्फ धर्मेंद्र यादव

हरहुआ वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर पांडेपुर स्थित पंडित दीनदयाल हॉस्पिटल में समाजसेवा का अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग 200 मरीजों को फल वितरित कर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के उत्तर प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य धर्मेंद्र सिन्टू यादव ने कहा कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का व्यक्तित्व करोड़ों कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके नेतृत्व में समाजवादी विचारधारा, सामाजिक न्याय, संविधान, लोकतंत्र, किसानों, नौजवानों, महिलाओं, गरीबों, पिछड़ों, दलितों एवं वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई निरंतर मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं निरंतर जनसेवा की कामना करते हुए जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

धर्मेंद्र सिन्टू यादव, जिन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव के बेहद करीबी एवं समर्पित कार्यकताओं में माना जाता है, ने कहा कि उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास, सामाजिक समरसता और जनहित की राजनीति की नई मिसाल कायम करेगा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुजीत लक्कड़ यादव पहलवान, शिवपुर विधानसभा अध्यक्ष अक्षय कुमार बबलू प्रधान, अवधेश पाठक, मीडिया प्रभारी एडवोकेट संतोष यादव, लाल बाबू सोनकर, भीम भीष्म, नारायण यादव, डॉ. उमाशंकर यादव, जितेंद्र यादव, दिनेश यादव, पूर्व विधायक उदयलाल मौर्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संजय मिश्रा, अजय बबलू मौर्य, आकाश मौर्य, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामबालक पटेल, विरजू सोनकर, पूर्व एमएलसी उमेश यादव प्रधान, एडवोकेट सुनील यादव, संजय सोनकर प्रधान, जिला पंचायत सदस्य रामधारी यादव, जय हिंद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वन महोत्सव सप्ताह हलिया क्षेत्र में चला वृहद पौधरोपण अभियान ग्रामीणों ने लगाए पौधे

समाज जागरण

मीरजापुर / एक जुलाई से सात जुलाई तक चलने वाले वन महोत्सव सप्ताह के तहत गुरुवार को हलिया रेंज के बसकुड़िया बीस हेक्टेयर वन भूमि पर वृहद पौधरोपण अभियान चलाया गया। पौधेरोपण कार्यक्रम में वन दरोगा राजकुमार वर्मा, फारेस्ट गार्ड शीतला बक्स सिंह, अंकुर शुक्ला, शिवम सिंह, संदीप कुमार के साथ ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाएं, युवा और बच्चे पौधरोपण किया हैं। बंजर जमीन पर तैयार की गई क्यारियों में फलदार, छायादार और औषधीय पौधे रोपे गए। अभियान के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए "वृक्ष लगाएं, पर्यावरण बचाएं" का नारा बुलंद

किया गया। कार्यक्रम में वनकर्मियों ने भी कंधे से कंधा मिलाकर ग्रामीणों के साथ पौधे लगाते दिखे। विभागीय बैनर लगाकर लोगों को हरियाली के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।उद्देश्य वन विभाग का लक्ष्य है कि वन महोत्सव सप्ताह में अधिक से अधिक पौधे लगाकर क्षेत्र के हरित आवरण को बढ़ाया जाए। साथ ही लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित की जाए।

रेंजर संतोष कुमार राय ने ग्रामीणों से अपील की कि लगाए गए पौधों की देखभाल करें और अपने घर-आंगन, खेत की मेड़ों पर भी पौधे लगाएं। बरसात का मौसम पौधरोपण के लिए सबसे उपयुक्त है।

मीडिया सेंटर का मा0 विधायक नगर व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने किया उद्घाटन-सूचना विभाग के कार्यालय सभागार में बना है हाईटेक मीडिया सेंटर

समाज जागरण

मीरजापुर /विधायक नगर रत्नाकर मिश्र व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्याम सुन्दर केसरी के द्वारा आज जिला सूचना कार्यालय के सभागार में बनाए गए ह्यह्यमीडिया सेंटरह्लह्ल का फीता काटकर उद्घाटन किया। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देश के अनुपालन में जिला सूचना अधिकारी द्वारा सूचना कार्यालय के सभागार में बनाए गए हाइटेक मीडिया सेंटर का उद्देश्य पत्रकार बंधुओ को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विधायक रत्नाकर मिश्र ने उद्घाटन के पश्चात पत्रकार बंधुओ से वार्ता के दौरान निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में पत्रकारो का योगदान सराहना व महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बनाए गए हाइटेक मीडिया सेंटर में पत्रकार बंधुओ को एक ही स्थान पर कार्य करने के लिए आवश्यक संशाधन/सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे समाचार संकलन, लेखन और प्रसारण का कार्य अधिक सुगम व प्रभावी हो सकेगा जिससे पत्रकारिता की गुणवत्ता में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि मीडिया चाहे व प्रिन्ट मीडिया अथवा इलेक्ट्रानिक मीडिया वह हमेशा लोकतंत्र का सशक्त रतम्भ रहा हैं, वह सर्व समाज तथा शासन प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। उन्होंने बल देते हुए कहा कि यह मीडिया सेंटर पत्रकारो के समाचार लेखन, बैठने तथा देश विदेश व स्थानीय समाचारो को सुनने तथा जन हित से जुड़ी विभिन्न सूचनाओ के प्रभावी सम्प्रेषण के लिए बेहतर एवं सुव्यवस्थित सुविधाए उपलब्ध कराएगा।

अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्याम सुन्दर केसरी ने कहा कि पत्रकार हमारे समाज का आइना है जब पत्रकार बंधुओ को अच्छी सुविधाएं मिलेंगी तभी अच्छी न्यूज जनता को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हम सभी जनप्रतिनिधिगण का भी दायित्व है कि पत्रकारो के लिए सुविधाओं को ख्याल रखेंगे। उन्होंने कहा कि अच्छी सुविधाओ से आप स्वस्थ्य मन से अपने कार्यो का सम्पादन कर सकेंगे। पत्रकारो बंधुओ के द्वार सूचना कार्यालय/मीडिया सेंटर वाटर एटीएम/वाटर कूलर लगाने तथा परिसर में इण्टर लाकिंग कराने की मांग पर अध्यक्ष ने पत्रकारो की मांग सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि बहुत जल्द ही यहां पर वाटर कूलर नहीं बल्कि वाटर एटीएम की स्थापना करायेंगे तथा परिसर में वर्षा के दिनो में पानी न रूके इसके लिए इण्टर लाकिंग भी कराई जाएगी।

इसके पूर्व जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय द्वारा विधायक नगर को एवं लेखाकार मनोज सिंह के द्वारा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत व अभिनन्दन किया। जिला सूचना अधिकारी द्वारा विधायक व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद को ह्यह्ययोगी आदित्यनाथ-दृष्टि संवादह्लह्ल नामक पुस्तक भेंट किया। जिला सूचना अधिकारी द्वारा मीडिया सेंटर के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि पत्रकार बंधुओ धूप व वर्षा के दिनो में समाचार संकलन व समाचार लेखन के लिए इधर उधर भटकना न पड़े इसके दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देश के अनुपालन में सूचना कार्यालय के सभागार में मीडिया सेंटर पत्रकार बंधओ के बैठने के लिए बनाया गया मीडिया सेंटर में पत्रकार बंधुओ के लिए वाई फाई नेटवर्क, कूलर, पेयजल, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, देश विदेश/स्थानीय समाचारो को सुनने के लिए टी0वी0 आदि लगाकर व्यवस्था प्रदान की गई है।

भारत शिक्षा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

समाज जागरण

अनूपपुर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के तत्वावधान में 2 जुलाई को भारत शिक्षा दिवस का भव्य आयोजन टी. पी. शुक्ला कॉलेज, अनूपपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मनोज दुबे ने भारतीय शिक्षा की गौरवशाली परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा दृष्टि तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, संस्कार और राष्ट्र निर्माण का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश शुक्ला ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत शिक्षा दिवस का उद्देश्य भारतीय शिक्षा के गौरव को जन-जन तक पहुँचाना तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। इस अवसर पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत के सहसंयोजक मनीष शुक्ला ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए भारत शिक्षा दिवस के महत्व एवं न्यास की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में टी.पी. शुक्ला कॉलेज के प्रबंधक अनुज, प्राचार्य डॉ. दीपा चतुर्वेदी, स्किल वे हायर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य अलका गुप्ता सहित विद्यालय एवं महा विद्यालय का समस्त स्टाफ, अनेक गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने भारतीय शिक्षा के आदर्शों को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

"न्याय नहीं मिला तो आत्मदाह की चेतावनी: जमीन विवाद में दो विधवा महिलाओं की दर्दभरी गुहार"

एसपी से लगाई न्याय की गुहार, 24 घंटे में कार्रवाई नहीं होने पर अनशन और आत्मदाह की चेतावनी; पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी उठाए सवाल।

समाज जागरण अनूपपुर।

जिले के ग्राम बिजौड़ी की दो विधवा महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि उनकी कृषि भूमि पर जबरन जोताई की जा रही थी। विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई। महिलाओं का यह भी आरोप है कि घटना का वीडियो होने के बावजूद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई नहीं की और एफआईआर दर्ज कराने के लिए उन्हें पूरे दिन थाने में इंतजार करना पड़ा।

पीड़िताओं गीता यादव एवं राजेश्वरी यादव ने बताया कि उनकी जमीन पर नरेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव, प्रकाश यादव, मौज यादव, दुर्गा यादव और सुधीर यादव द्वारा जोताई की जा रही थी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उनके साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची महिलाओं के साथ भी कथित रूप से हाथापाई की गई।

शिकायत के अनुसार आरोपियों ने यह कहते हुए धमकी दी कि "तुम्हारे घर में कोई पुरुष नहीं है, तुम्हारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। किसी दिन जान से मार देंगे, कोई बचाने नहीं आएगा।" महिलाओं का कहना है कि मारपीट की पूरी घटना का वीडियो उनके पास मौजूद है, जिसे जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में देखा जा सकता है।

एफआईआर दर्ज कराने में लापरवाही का आरोप

पीड़िताओं का आरोप है कि घटना के बाद वे सबसे पहले महिला थाना पहुंचीं, जहां उन्हें कोतवाली भेज दिया गया। इसके बाद वे सुबह लगभग 9:30 बजे कोतवाली पहुंचीं, लेकिन उनकी शिकायत तत्काल दर्ज नहीं की गई। उनका कहना है कि वे पूरे दिन भूखे-प्यासे थाने में बैठी रहीं और रात लगभग 8 बजे उनकी शिकायत दर्ज की गई, वह भी उनकी संतुष्टि के अनुरूप नहीं।

महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक से थाने के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की भी मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वे पूरे दिन शिकायत दर्ज कराने के लिए थाने में मौजूद थीं।

जमीन पर कब्जा हटाने और गिरफ्तारी की मांग

शिकायत में महिलाओं ने मांग की है कि उनकी कृषि भूमि से कथित कब्जा हटाकर उन्हें न्याय दिलाया जाए तथा मारपीट और धमकी देने के आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

24 घंटे का अल्टीमेटम

पीड़िताओं ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे अनूपपुर स्थित सामतपुर तालाब के पास हनुमान मंदिर के निकट दो दिन का अनशन शुरू करेंगी। उनका कहना है कि यदि इसके बाद भी न्याय नहीं मिला तो वे आत्मदाह जैसा कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर होंगी। उन्होंने इसके लिए शासन-प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है।

गांधी चौक में 33 घंटे चला गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का धरना समाप्त, तहसीलदार के आश्वासन पर माने कार्यकर्ता

बिरसा मुंडा की भूमि पर अतिक्रमण, किसानों की समस्याएं और क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर सौंपा ज्ञापन, 7 दिन में कार्रवाई की मांग

समाज जागरण

अनूपपुर । कोतमा के हृदय स्थल गांधी चौक में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं, किसानों के मुद्दों एवं भगवान बिरसा मुंडा की भूमि पर कथित अतिक्रमण के विरोध में शुरू किया गया धरना प्रदर्शन आखिरकार प्रशासनिक आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। यह धरना 30 जून की सुबह करीब 8 बजे शुरू हुआ था, जो लगातार 1 जुलाई की शाम तक जारी रहा। धरने के दौरान गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उनके आराध्य देव भगवान बिरसा मुंडा की भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे आदिवासी समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को समाज की अस्मिता और अधिकारों से जुड़ा बताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। धरना प्रदर्शन के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने प्रशासन के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं और किसानों से जुड़े गंभीर मुद्दों को भी उठाया। सौंपे गए ज्ञापन में भूमि सीमांकन विवाद, किसानों के साथ बैंक स्तर पर कथित वित्तीय गड़बड़ी, सड़कों की दुर्दशा, अवैध शराब बिक्री, धोखाधड़ी, बढ़ते अपराध, स्टोन क्रेशरों से फैलते प्रदूषण और अवैध रेत खनन जैसे कई अहम मुद्दे शामिल रहे। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से कई गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से आमजन परेशान हैं। धरने के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गांधी चौक में डटे रहे और प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग करते रहे। करीब 33 घंटे बाद 1 जुलाई की शाम लगभग 5 बजे तहसीलदार दशरथ सिंह मौके पर पहुंचे और धरनास्थल पर मौजूद पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से चर्चा की। तहसीलदार ने उनकी मांगों को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में जांच-पड़ताल कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही बिरसा मुंडा की भूमि से जुड़े मामले में सीमांकन कराए जाने की बात भी कही। तहसीलदार के आश्वासन के बाद गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्य कर्ताओं ने प्रशासन को 7 दिनों का समय देते हुए धरना प्रदर्शन समाप्त करने की घोषणा की। पार्टी ने स्पष्ट कहा कि यदि निर्धारित समयावधि में मांगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। धरना समाप्त होने के बाद भी क्षेत्र में इस आंदोलन को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। अब सभी की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है कि मांगों पर कितनी तेजी और गंभीरता से अमल किया जाता है।

विशाल बताकर कानपुर की दो युवतियों से शादी करने वाला आगरा का इरशाद गिरफ्तार

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। प्रदेश के इस अति संवेदन शील महानगर में लव जिहाद का खेल लगातार जारी है ,जिसमें दो और लड़कियां जाल में फंस गईं, जिन्हें बाद में पता चला कि उन्हें फंसा कर विवाह करने वाला विशाल नहीं बल्कि इरशाद है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया है। जिसके बाद मामले की गहन छानबीन भी लगातार जारी है।

इस घटना का संबंध पनकी थाना क्षेत्र से है ,जहां एक मुस्लिम युवक ने अपने को विशाल बताकर दो लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा उनसे शादी भी कर ली।

जानकारी होने पर बजरंग दल वालों ने विरोध करते हुए पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस ने एक फ्लैट पर छापा मारकर इरशाद नाम के मुस्लिम युवक को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने बताया कि इरशाद ने खुद को विशाल बताकर हरदोई की अनुक्रति पांडे से धोखे से शादी की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी इरशाद ने पीड़िता और उसके बच्चे को कमरे में बंधक बना रखा था और जबरन मीट खाने व धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था । इसी दौरान उसने एक और हिंदू लड़की से शादी की और उसे बहन बताकर दूसरे कमरे में रखा था। पीड़िता द्वारा गुप्त रूप से बजरंग दल से मदद मांगने के बाद पुलिस के सहयोग से यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

जानकारी के मुताबिक मूल रूप से आगरा का रहने वाला इरशाद ऑनलाइन जूते का कारोबार करने का दावा करता है । फिलहाल इस गिरफ्तार करने के बाद पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

राजनगर रोड सेल यार्ड में प्रदूषण नियंत्रण पर उठे सवाल, धूल से परेशान लोगों ने लगाए पर्यावरण मानकों की अनदेखी के आरोप

समाज जागरण

अनूपपुर। एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के राजनगर रोड सेल स्टॉक यार्ड में पर्यावरण मानकों के पालन को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नागरिकों का आरोप है कि यार्ड से उड़ने वाली कोयले की धूल के कारण आसपास की बस्तियों में रहने वाले लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। लोगों का कहना है कि ग्रीन माइनिंग और प्रदूषण नियंत्रण के दावे जमीनी स्तर पर पूरी तरह दिखाई नहीं दे रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि यार्ड की सीमा पर प्रभावी विंड ब्रेकर दीवारें और पर्याप्त थ्री-टियर ग्रीन बेल्ट विकसित नहीं की गई है। उनका कहना है कि तेज हवा और कोयले की लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान उठने वाली धूल सीधे रिहायशी क्षेत्रों तक पहुंच रही है। कई घरों की छतों, आंगनों तथा आसपास के क्षेत्र में कोयले की धूल जमा होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का यह भी कहना है कि कोल इंडिया की पर्यावरण संबंधी गाइडलाइन के अनुसार कोयले के ढेरों पर नियमित पानी का छिड़काव, फॉग कैनन, पक्के आंतरिक मार्ग तथा धूल नियंत्रण के अन्य उपाय प्रभावी ढंग से लागू होने चाहिए। आरोप है कि कई स्थानों पर इन व्यवस्थाओं का अपेक्षित स्तर पर पालन नहीं हो रहा, जिससे धूल का गुबार लगातार फैल रहा है।

परिवहन व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई कोयला परिवहन वाहनों में तिरपाल ठीक से नहीं लगाया जाता और व्हील वॉश जैसी व्यवस्था भी प्रभावी नहीं दिखती। इसके कारण मुख्य मार्गों पर कोयले की धूल फैल रही है, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और स्थानीय दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिकों ने मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर पर्यावरण मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आवश्यक व्यवस्थाओं में कमी पाई जाती है तो उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को प्रदूषण से राहत मिल सके

इनका कहना है

पूरे क्षेत्र में नियमित पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। पर्यावरण की गाइडलाइन के अनुसार सभी आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। यदि राजनगर रोड सेल स्टॉक यार्ड में कहीं भी पर्यावरण मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है तो आप हमें बताइए। हम संबंधित ठेकेदार को और सख्ती से निर्देश देंगे तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे जिंदल रजक, पर्यावरण अधिकारी, राजनगर हसदेव क्षेत्र

हक का मुआवजा नहीं मिला'-किसानों का आरोप, भू-अर्जन कानून की अनदेखी कर हुई जमीन की खरीद

धरती गई, भविष्य गया... और कहते हैं सब नियमों के मुताबिक हुआ!

समाज जागरण

अनूपपुर। जिले में प्रस्तावित विद्युत परियोजना के लिए किसानों की कृषि भूमि खरीदे जाने और अधिग्रहण की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रभावित किसानों का आरोप है कि उनकी वर्षों पुरानी पुश्तैनी कृषि भूमि को बेहद कम कीमत पर खरीद लिया गया, जबकि "भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 ((Right to Fair Comp ensation and Transpa rency in Land Acquis ition, Reha bilitati on and Resettl ement Act, 2013)2013)" किसानों को कहीं अधिक मुआवजा और अनेक वैधानिक अधिकार प्रदान करता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस अधिनियम के प्रावधानों का सही तरीके से पालन किया जाता, तो हजारों किसानों को लाखों रुपये अतिरिक्त मुआवजा मिलता। लेकिन आरोप है कि अधिकांश किसानों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी ही नहीं दी गई और उन्हें कम कीमत पर अपनी जमीन बेचने के लिए प्रेरित किया गया।

क्या कहता है भू-अर्जन अधिनियम, 2013?

भू-अर्जन अधिनियम, 2013 का उद्देश्य केवल जमीन लेना नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों को उचित प्रतिकर, पारदर्शिता और पुनर्वास सुनिश्चित करना है।

अधिनियम के प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैं—

1. उचित बाजार मूल्य का निर्धारण जमीन का मूल्य केवल कलेक्टर गाइडलाइन रेट तक सीमित नहीं होता। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित मल्टीप्लायर (Multiplier Factor) लागू किया जाता है, जो कई क्षेत्रों में 1 से 2 गुना तक हो सकता है।

2. 100 प्रतिशत सोलेशियम (Solatium)अधिनियम के अनुसार निर्धारित मूल्य पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त राशि (सोलेशियम) देना अनिवार्य है। अर्थात यदि मल्टीप्लायर के बाद भूमि का मूल्य 16 लाख रुपये बनता है, तो उतनी ही अतिरिक्त राशि और जोड़कर कुल 32 लाख रुपये तक मुआवजा बन सकता है।

3. 12 प्रतिशत वार्षिक अतिरिक्त राशि

धारा 30 के अनुसार प्रारंभिक अधिसूचना से लेकर अंतिम अवार्ड तक 12 प्रतिशत वार्षिक अतिरिक्त राशि भी देय होती है।4. पेड़, कुआं, बोरवेल और संरचनाओं का अलग मूल्यांकन भूमि पर लगे फलदार पेड़, लकड़ी के पेड़, कुएं, बोरवेल, सिंचाई व्यवस्था, मकान, शेड या अन्य स्थायी संरचनाओं का मूल्य अलग से जोड़ना अनिवार्य है।

5. पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (R&R) यदि अधिग्रहण अधिनियम के तहत होता है तो प्रभावित परिवारों को पुनर्वास, आजीविका सहायता और अन्य सुविधाओं का भी अधिकार प्राप्त होता है। किसानों का आरोप– नियमों को दरकिनार कर कराया गया सौदा प्रभावित किसानों का आरोप है कि उन्हें लगभग ₹5 लाख प्रति एकड़ की दर से जमीन बेचने के लिए तैयार किया गया, जबकि अधिनियम के अनुसार मिलने वाला प्रतिकर इससे कई गुना अधिक हो सकता था। किसानों का कहना है कि यदि किसी भूमि का सरकारी गाइडलाइन मूल्य ₹8.20 लाख प्रति हेक्टेयर है, तो मल्टीप्लायर और 100 प्रतिशत सोलेशियम जोड़ने के बाद मुआवजा ₹16.40 लाख से ₹32.80 लाख प्रति हेक्टेयर तक पहुंच सकता है। इसके अतिरिक्त पेड़ों, कुओं, बोरवेल, मकानों और ब्याज की राशि अलग से मिलनी चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इन सभी प्रावधानों का पालन होता तो किसानों को वर्तमान में मिली राशि की तुलना में कई गुना अधिक भुगतान मिलता।कंपनी बदलने को लेकर भी उठे सवाल ग्रामीणों का आरोप है कि प्रारंभ में परियोजना न्यू जॉन पावर के नाम से प्रस्तुत की गई, लेकिन बाद में इसका संबंध टोरंटो पावर से जुड़ गया। किसानों का कहना है कि यदि भूमि का वास्तविक व्यावसायिक मूल्य अधिक था तो उसका लाभ किसानों तक पहुंचना चाहिए था। इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

हरे-भरे पेड़ों की कटाई पर भी नाराजगी

ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना के लिए बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ काट दिए गए। उनका कहना है कि वर्षों पुराने फलदार और छायादार वृक्ष समाप्त हो गए, लेकिन उनका समुचित मूल्यांकन और मुआवजा नहीं दिया गया। किसानों ने पर्यावरणीय स्वीकृतियों और वन संबंधी नियमों की भी जांच की मांग की है। प्रशासन की भूमिका पर उठे सवाल ग्रामीणों का कहना है कि जब किसानों को कम कीमत पर भूमि बेची जा रही थी तब जिला प्रशासन, राजस्व विभाग और संबंधित अधिकारी मूकदर्शक बने रहे। किसानों का आरोप है कि यदि प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करता और अधिनियम, 2013 के प्रावधानों की जानकारी देता तो सैकड़ों किसान आर्थिक नुकसान से बच सकते थे। किसानों की प्रमुख मांगें पूरे भूमि सौदों की न्यायिक या उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। भू-अर्जन अधिनियम, 2013 के अनुसार प्रत्येक भूमि का पुनर्मूल्यांकन कराया जाए। मल्टीप्लायर, 100 प्रतिशत सोलेशियम और 12 प्रतिशत अतिरिक्त राशि का लाभ पात्र किसानों को दिया जाए। पेड़, कुएं, बोरवेल और अन्य संपत्तियों का अलग से मुआवजा दिया जाए। जिन किसानों को नियमों की जानकारी दिए बिना कम कीमत पर भूमि बेचने के लिए प्रेरित किया गया, उनके मामलों की समीक्षा की जाए। पूरे प्रकरण में यदि किसी स्तर पर अनियमितता या नियमों का उल्लंघन हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित पक्षों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल जमीन का मामला नहीं है, बल्कि किसानों के भविष्य, आजीविका और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों का प्रश्न है। उनका कहना है कि यदि भू-अर्जन अधिनियम, 2013 का अक्षरशः पालन किया जाता तो किसानों को कहीं अधिक न्यायसंगत प्रतिकर प्राप्त होता। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय का दरवाजा भी खट खटाएंगे।

भारी वर्षा के बाद दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे पर सड़क की सतह धंसने की घटना के संबंध में स्पष्टीकरण

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने स्पष्ट किया है कि 1 जुलाई, 2026 को दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे के किलोमीटर 55+480 पर सड़क की सतह धंसने की घटना पिछली रात हुई भारी वर्षा के बाद स्थानीय स्तर पर जल भराव तथा उस स्थान पर स्थायी क्रॉस-ड्रेनेज प्रणाली को चालू करने में आ रही बाधाओं के कारण हुई।

1 जुलाई, 2026 की सुबह नियमित मार्ग निरीक्षण के दौरान परियोजना दल ने प्रभावित हिस्से की पहचान की और तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। क्षतिग्रस्त भाग की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत की गई, जिससे यातायात का सुरक्षित और निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सका। किलोमीटर 55+480 पर निर्मित संतुलन पुलिया को इस तरह डिजाइन किया गया था कि वह बारिश के पानी को मीडियन के पार ले जाकर कैरिजवे से सुरक्षित रूप से दूर कर सके, जिससे क्रॉस-ड्रेनेज में आसानी हो। हालांकि, स्थानीय निवासियों के लगातार विरोध के कारण इस पुलिया को जोड़ा और चालू नहीं किया जा सका। स्थानीय निवासियों ने जल निकासी प्रणाली को आपस में जोड़ने की अनुमति नहीं दी है और इसके बजाय वे पुलिया के मुहाने का उपयोग वाहनों के आवागमन के लिए कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, प्रस्तावित क्रॉस-ड्रेनेज व्यवस्था चालू नहीं हो सकी, जिससे भारी बारिश के दौरान सड़क पर वर्षा जल जमा हो गया और अंततः सड़क की सतह धंस गई। इसके अतिरिक्त, भूमि से जुड़े एक लंबित मध्यस्थता विवाद के कारण संबंधित स्थान पर स्थायी ढलान सुरक्षा और ढलानदार नाली का काम रुका हुआ है। एनएचएआई द्वारा बार-बार किये गये प्रयासों के बावजूद संबंधित भूस्वामियों ने इन कार्यों को निष्पादित करने की अनुमति नहीं दी है। परिणामस्वरूप, परियोजना योजना डिजाइन के तहत परिकल्पित स्थायी सुरक्षा उपायों को साइट पर पूरा नहीं किया जा सका।

इस स्थिति से निपटने के लिए एनएचएआई ने लगभग

1.5 किलोमीटर लंबी एक अंतरिम समानांतर नाली का निर्माण शुरू कर दिया है। बैलेंसिंग कल्वरट के चालू होने तक बारिश के पानी को किलोमीटर 56+500 पर एंट्री/एक्ज़िट लोकेशन तक सुरक्षित रूप से ले जाने के लिए नाली के ढाल को फिर से डिजाइन किया जा रहा है। एनएचएआई प्रभावित स्थान की लगातार निगरानी कर रहा है और यातायात की सुचारू व सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन तैनात किये गये हैं। भूमि संबंधी विवाद के समाधान और कार्यस्थल उपलब्ध होते ही स्थायी ढलान सुरक्षा और ढलानदार नाली से संबंधित लंबित कार्य तत्काल शुरू किये जाएंगे। एनएचएआई राजमार्ग सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती तथा परिचालन दक्षता के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। निरंतर निगरानी, समय पर

निवारक रखरखाव और मौसम संबंधी घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया एनएचएआई की परिसंपत्ति प्रबंधन व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं।

भारतीय रेल ने जून 2026 में पिछले वर्ष इसी महीने की तुलना में माल ढुलाई में 4 प्रतिशत और यात्री यातायात में स्थिर वृद्धि दर्ज की

पिछले महीने उर्वरकों की ढुलाई में 19.1 प्रतिशत, अन्य वस्तुओं की ढुलाई में 17.3 प्रतिशत, लौह अयस्क की ढुलाई में 9.4 प्रतिशत और बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज वित्त वर्ष २०२६-२७ की पहली तिमाही में माल ढुलाई 419 मिलियन टन से अधिक और वित्त वर्ष २०२५-२६ की पहली तिमाही के प्रदर्शन के पार पहुंची

भारतीय रेल ने देश के विकास इंजन के रूप में अपनी भूमिका सुदृढ़ करते हुए, जून 2026 में 142 मिलियन टन माल ढुलाई की यात्री यातायात लगभग 64 करोड़ पहुंचा, 164 वंदे भारत और 72 अमृत भारत सेवाएं गर्मियों के दौरान जारी रहने से आम लोगों को सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती यात्रा मिल रही है

भारतीय रेल ने जून 2026 के दौरान मजबूत परिचालन प्रदर्शन जारी रखते हुए माल ढुलाई और यात्री सेवाओं दोनों में स्थिर वृद्धि दर्ज की है। माल परिवहन और यात्री यातायात में बढ़ोतरी तथा यात्री सेवाओं में निरंतर सुधार, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, प्रचालन तंत्र सुदृढ़ बनाने और देश भर में सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने की दिशा में भारतीय रेल के निरंतर प्रयास को दशार्ते हैं।

माल ढुलाई में वृद्धि

भारतीय रेल ने जून 2026 में 142.21 मिलियन टन माल ढुलाई की, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह आंकड़ा 136.71 मिलियन टन था, जो 4 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। माल ढुलाई से लगभग 430 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ, जो जून 2025 की तुलना में 3 प्रतिशत अधिक है। जून माह के दौरान कई प्रमुख वस्तुओं की ढुलाई में उत्साहजनक वृद्धि रही। उर्वरक की ढुलाई में 19.1 प्रतिशत, अन्य वस्तुओं में 17.3 प्रतिशत, लौह अयस्क में 9.4 प्रतिशत, घरेलू कोयले की ढुलाई में 4.9 प्रतिशत, कुल कोयले में 3.6 प्रतिशत और क्लिंकर (ठोस, गहरे भूरे या काले रंग का पदार्थ जो मुख्य रूप से सीमेंट बनाने के कारखानों में चूना पत्थर और मिट्टी को उच्च तापमान पर गर्म करने पर बनता है) में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यहअर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों से निरंतर मांग को दशार्ती है।

जून 2026 में मजबूत प्रदर्शन वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में दर्ज निरंतर वृद्धि पर आधारित है। इस तिमाही में भारतीय रेल ने 419.08 मिलियन टन माल की ढुलाई की, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह 413.05 मिलियन टन थी। इस तिमाही में कई प्रमुख कच्चे माल संवर्ग की ढुलाई में भी उत्साहजनक वृद्धि रही। इनमें लौह अयस्क में 7.44 प्रतिशत, क्लिंकर में 6.54 प्रतिशत और शेष एवं अन्य वस्तुओं की ढुलाई में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 12.16 प्रतिशत की बढोत्तरी हुई। ग्रीष्मकालीन मौसम में ताप विद्युत संयंत्रों की बढ़ी हुई आवश्यकता पूरी करने के लिए, भारतीय रेल ने घरेलू कोयला ढुलाई तेज की जिससे जून 2026 के दौरान पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में बिजली संयंत्रों को 7 प्रतिशत अधिक कोयले की आपूर्ति हुई। इससे देश में निर्बाध बिजली उत्पादन को समर्थन मिला।

यात्री यातायात में लगातार वृद्धि

जून 2026 में यात्री आवागमन में भी स्थिर वृद्धि रही। भारतीय रेल ने 63.81 करोड़ यात्रियों को परिवहन सुविधा प्रदान की, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह संख्या 62.37 करोड़ थी। उपनगरीय क्षेत्रों से इतर (अल्प और लंबी दूरी की यात्रा में) यात्रियों की संख्या में 3.9 प्रतिशत की वृद्धि रही, जो 28.90 करोड़ से बढ़कर 30.04 करोड़ हो गई। उपनगरीय क्षेत्रों में भी 0.9 प्रतिशत की सकारात्मक बढोत्तरी दर्ज हुई, जहां यात्रियों की संख्या 33.46 करोड़ से बढ़कर 33.77 करोड़ हो गई।

आधुनिक यात्री सेवाओं में विस्तार

भारतीय रेल का प्रीमियम ट्रेन सेवाओं के विस्तार के साथ ही यात्री सेवाओं का आधुनिकीकरण जारी है। वंदे भारत सेवाओं की संख्या बढ़कर 164 हो गई है, जिसमें हाल ही में आरंभ की गई हावड़ा और कामाख्या के बीच चलाई गई वंदे भारत स्लीपर सेवा शामिल है। अमृत भारत ट्रेन सेवाओं की संख्या 72 तक पहुंच गई है, जिसमें जून 2026 में चार नई सेवाओं का उद्घाटन किया गया है। इससे देशभर में किफायती और आधुनिक लंबी दूरी के रेल संपर्क में मजबूती आई है। माल ढुलाई और यात्री यातायात में निरंतर वृद्धि भारतीय रेल के कुशल प्रचालन तंत्र, विश्वसनीय यात्री सेवाओं और आधुनिक रेल अवसंरचना प्रदान करने की प्रतिबद्धता दशार्ती है।

निरंतर क्षमता वर्धन, परिचालन दक्षता में सुधार और ग्राहक-केंद्रित पहल द्वारा भारतीय रेल देश में सुरक्षित, विश्वसनीय और यात्री-अनुकूल परिवहन सेवाएं प्रदान कर भारत के आर्थिक विकास में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत जनपद में चला व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत जनपद में गुरुवार को व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्य क्रम संचालित किए गए। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का निरीक्षण तथा नालियों की सफाई कराई गई। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर संचारी रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाए गए। अभियान के दौरान सफाई कर्मियों, ग्राम पंचायत सहायकों, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकताओं तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने लोगों को संचारी रोगों से बचाव, स्वच्छता अपनाने तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया। आज संचालित अभियान के अंतर्गत जनपद के विद्यालयों में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। 52 ग्रामों में नालियों की सफाई कराई गई तथा 97 स्थानों पर झाड़ियों की कटाई की गई। इसके अलावा 16 हैंडपंपों का मरम्मत कार्य कराया गया और 144 वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत 26 पशुपालकों को भी जागरूक किया गया तथा कृषक संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 21 बैठकों का आयोजन कर ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं संचारी रोगों की रोकथाम के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आमजन से अपील की है कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, जलभराव न होने दें तथा संचारी रोगों से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

मांगलिक कार्यक्रम में जा रहा ऑटो पलटा, 10 घायल, तीन जिला अस्पताल रेफर

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

जुगैल/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के बिगनी घाट में बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बेलगड़ी से ओबरा थाना क्षेत्र के खेरटिया गांव में आयोजित छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे परिवार के लोगों से भरा एक सवारी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में करीब 10 लोग घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास मौजूद ग्रामीण तत्काल राहत कार्य में जुट गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे की वजह ऑटो का ब्रेक फेल होना बताई जा रही है। बिगनी घाट के पास ढलान पर पहुंचते ही चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ऑटो सड़क पर पलट गया। हादसे के समय ऑटो में सवार सभी लोग एक ही परिवार और रिश्तेदारी के बताए जा रहे हैं, जो छठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए खेरटिया जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही जुगैल पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से ऑटो में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया और सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल लोढ़ी के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल रेफर किए गए घायलों में कौशल्या देवी (40 वर्ष), निवासी लहुवन, बेलगड़ी, मीना देवी (35 वर्ष), पत्नी रामनरेश, निवासी बेलगड़ी तथा ललिता देवी (30 वर्ष), पत्नी रामनरेश, निवासी बेलगड़ी शामिल हैं। अन्य घायलों का उपचार सीएचसी चोपन में किया गया और उनकी स्थिति सामान्य होने पर उन्हें आवश्यक दवा देकर घर भेज दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही घायलों के परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां

चिंता और अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर ब्रेक फेल होने की बात सामने आई है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

तेज बहाव वाले प्राकृतिक नाले में महिला और मासूम बहे, मची अफरा -तफरी, आठ माह की बच्ची का शव मिला, महिला की तलाश जारी

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जिले में मानसून की पहली तेज बारिश एक परिवार के लिए भारी पड़ गई। अनपरा थाना क्षेत्र में उफनाए नाले के तेज बहाव में एक महिला अपनी आठ माह की बच्ची के साथ बह गई। काफी तलाश के बाद मासूम का शव घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर बरामद कर लिया गया, जबकि महिला का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस, प्रशासन और स्थानीय ग्रामीण लगातार सर्च अभियान चला रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अनपरा थाना क्षेत्र के एमटीसी कैंप के समीप औढ़ी मोड़ निवासी 27 वर्षीय सविता पत्नी राकेश बुधवार देर शाम अपनी आठ माह की बच्ची जिया को लेकर घर से निकली थीं। उसी समय क्षेत्र में तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे पास का नाला उफान पर आ गया। आशंका है कि नाले के तेज बहाव की चपेट में आने से मां और बेटी दोनों बह गईं। रात में जब सविता घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। गुरूवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। खोजबीन के दौरान दामिनी गेस्ट हाउस के सामने पुल के पास नाले में आठ माह की बच्ची जिया का शव बरामद हुआ। वहीं घटनास्थल से आगे बहाव में महिला की साड़ी भी मिली, जिससे उसके बह जाने की आशंका और मजबूत हो गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक महिला का पता नहीं चल सका था। प्रभारी निरीक्षक अनपरा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला का घर नाले के समीप स्थित है। आशंका है कि वह बच्ची को लेकर शौच के लिए निकली थी। इसी दौरान अचानक बढ़े जलस्तर और तेज बहाव ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय महिला का पति घर पर मौजूद नहीं था। सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचा और पुलिस को जानकारी दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। मासूम की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि परिजन अब भी महिला के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। पुलिस, प्रशासन, स्थानीय गोताखोर और ग्रामीण लगातार नाले तथा आसपास के क्षेत्रों में तलाश अभियान चला रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से बारिश के दौरान उफनाए नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

ओबरा में डीआईजी सीआईएसएफ का वार्षिक निरीक्षण

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ, विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। मनीष सिंह, उप महा निरीक्षक सीआईएसफ पूर्वी क्षेत्र-2 मुख्यालय प्रयागराज ने ओबरा तापीय विद्युत परियोजना स्थित सीआईएसएफ इकाई की दो दिवसीय वार्षिक निरीक्षण के दौरान ताप विद्युत परियोजना ओबरा में सीआईएसएफ की तैनानी वाले सम्पूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा समीक्षा की तथा बल सदस्यों को वर्तमान परिपेक्ष में आ रही चुनौतियों से अवगत कराया एवं उससे निपटने हेतु विभिन्न अहम तरीकों के सम्बंध में निर्देशित किया। तदोपरांत श्री सिंह द्वारा सीआईएसएफ इकाई के आवासीय परिसर में शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि देने के उपरांत इकाई परिसर में जवानों के बैरक एवं मेस का निरीक्षण, परिसर में वृक्षारोपण व जवानों का सैनिक सम्मेलन के दौरान बल सदस्यों को देश की वर्तमान चुनौतियों एवं ताप विद्युत परियोजना की सुरक्षा को अभेद्य बनाए रखने हेतु प्रोत्साहित एवं निर्देशित किया गया। श्री सिंह के कर कमल द्वारा ओबरा स तापीय विद्युत परियोजना स्थित नवनिर्मित केऔसुब अग्नि शमन शाखा फायर स्टेशन का लोकार्पण, सतीश कुमार सिंह, कमांडेंट/ सीआईएसफ यूनिट ओबरा तथा अजय कुमार राय, महाप्रबंधक /सिविल तापीय विद्युत परियोजना ओबरा की गरिमामई उपस्थिति में की गई। इस शुभ अवसर पर लोकार्पण के दौरान एक के नारा, सहायक कमांडेंट/ संयंत्र, जी टोप्पो, सहायक कमांडेंट, निरीक्षक सचिन कुमार निराला, निरीक्षक महेश

सिंह यादव, निरीक्षक राकेश कुमार, निरीक्षक हुपेंद्र कुमार तथा इकाई के अन्य अधिकारी तथा बल सदस्य उपस्थित रहे।

वीबीजी-रामजी योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जनजागरूकता अभियान आयोजित

विकास खंड व ग्राम पंचायत में जनसम्मेलन एवं जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निदेशों के क्रम में वीबीजी-रामजी योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र की विकास खंड व ग्राम पंचायत में गुरुवार को जनजागरूकता कार्यक्रम एवं जनसम्मेलनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सहभागिता की। इस दौरान योजना के उद्देश्य, ग्रामीण विकास में इसकी भूमिका तथा पात्र लाभार्थियों को मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने एवं अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खंड रॉबर्ट्सगंज की ग्राम पंचायत बहुआर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर ग्रामीणों को योजना की जानकारी दी तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनभागीदारी पर बल दिया।

जनपद के सभी विकास खंडों में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को वीबीजी-ग्रामजी योजना के प्रति जागरूक किया गया तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

करमा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के दो वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों/वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे सघनअभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में करमा थाना पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।थाना करमा में पंजीकृत मु0अ0सं0 126/2026, धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 (गैंगस्टर एक्ट) में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों सुरेश मौर्या (40 वर्ष) पुत्र रूपनाथ मौर्या,सनोज यादव (25 वर्ष)पुत्र बग्गल यादव उर्फ पगल यादव दोनों निवासी ग्राम बहेरा (रजपुरवा), थाना करमा, जनपद सोनभद्र को मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को बहेरा नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर दोनों अभियुक्तों को न्यायालय भेजा दिया।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 मनोज सिंह,उ0नि0 कृपाशंकर राम,का0 आकाश गुप्ता शामिल रहे।

प्रभारी मंत्री ने सोन नदी में डूबने से मृत तीन बच्चों के परिजनों से की मुलाकात

दुख की इस घड़ी में सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ परिवारों के साथ खड़ी है : प्रभारी मंत्री

मुख्यमंत्री के निर्देश पर मीठापुर पहुंचकर जताई गहरी शोक संवेदना मृतकों के परिजनों के खातों में ₹4-4 लाख की अहेतुक सहायता राशि भेजी गई

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद के माननीय प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा ने आज मीतापुर गांव पहुंचकर सोन नदी में डूबने से मृत तीन बच्चों के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की। मा0 प्रभारी मंत्री जी पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया तथा गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह अपूरणीय क्षति अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। प्रभारी मंत्री ने बताया कि शासन द्वारा मृतक तीनों बच्चों दीपक पुत्र भगवानदास उम्र 10 वर्ष, बोलबम पुत्र लोरी उम्र 16 वर्ष, संदीप पुत्र रविन्द्र उम्र 20 वर्ष के परिजनों के बैंक खातों में ₹4-4 लाख की अहेतुक सहायता राशि भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि शासन से अनुमन्य अन्य सभी सहायता भी नियमानुसार उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ित परिवारों को शासन की सभी पात्र योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराया जाए तथा उनकी हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाए।

इस दौरान सदर विधायक भूपेश चौबे, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री

नंदलाल गुप्ता, पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधि कारी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

क्षेत्राधिकारी दुद्धी द्वारा थाना दुद्धी का आकस्मिक निरीक्षण, अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। नवागत क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी द्वारा थाना दुद्धी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी महोदय द्वारा थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, बैरक, भोजना लय एवं थाना परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। साथ ही अपराध रजिस्टर, जीडी, आगंतुक रजिस्टर, बीट रजिस्टर सहित विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन कर

उनके सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रख-रखाव के निर्देश दिए गए।क्षेत्राधिकारी द्वारा लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना-पत्रों एवं अन्य प्रचलित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण, वांछित/वारंटी अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा प्रभावी विवेचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव, शस्त्रों के सुरक्षित संरक्षण तथा पुलिस कर्मियों की कार्यप्रणाली का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी महोदय ने उपस्थित समस्त पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखें, नियमित गश्त एवं

प्रभावी चेकिंग अभियान चलाते रहें तथा आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हुए पुलिस की सकारात्मक छवि बनाए रखें।

दुद्धी पुलिस ने अलग-अलग मामलों में 03 वारंटियों को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में दुद्धी थाना पुलिस टीम नेअलग-अलग प्रकरणों से संबंधित तीन नफर वारंटियों चन्द्रप्रकाश पुत्र सन्तोष निवासी ग्राम बीडर, थाना दुद्धी (सम्बन्धित मु0नं0 231/2014,

धारा 323, 504, 506 भादवि),राजेन्द्र पुत्र छन्नू, निवासी ग्राम बीडर, थाना दुद्धी (सम्बन्धित मु0नं0 100/2024, धारा 427, 504 भादवि),दिनेश प्रताप सिंह पुत्र गोविन्द शरण, निवासी ससपन, थाना मलिहाबाद, जनपद लखनऊ(सम्बन्धित मु0नं0 2635/2006, धारा 376, 436, 354, 427 भादवि)को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के उपरांत अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में व0उ0नि0 संजय सिंह, थाना दुद्धी,उ0नि0 हरिकेश राम आजाद,हे0का0 सीताराम यादव, हे0का0 राजेश सिंह,का0 शिवम अहिरवार शामिल रहे।

UPTET परीक्षा सकुशल एवं निष्पक्ष संपन्न कराने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा परीक्षा केंद्रों का किया गया निरीक्षण

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। UPTET परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वाता वरण में संपन्न कराने के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, सोनभद्र अनिल कुमार द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं परीक्षा संचालन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्क एवं मुस्तैद रहकर ड्यूटी का निर्वहन करने, परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार, अभ्यर्थियों की चेकिंग व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी एवं अन्य सुरक्षा प्रबंधों का भी जायजा लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने केंद्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी में लगे अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर परीक्षा को पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए तथा स्पष्ट किया कि परीक्षा की शुचिता भंग करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने हेतु सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा संपूर्ण परीक्षा अवधि के दौरान सतत निगरानी रखी जा रही है। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो रही है।

युवाओं के विकास के लिए सरकार-उद्योग साझेदारी सुदृढ़ करने हेतु उद्योग संघ सम्मेलन का आयोजन

युवा नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के लिए उद्योग संघ, कॉरपोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मेरा युवा भारत के साथ साझेदारी करेंगे

केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का युवा कार्यक्रम विभाग कल डॉ. बी.आर. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (अंबेडकर भवन), नई दिल्ली में उद्योग संघ सम्मेलन आयोजित करेगा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी, उद्योगपति, कॉर्पोरेट संस्थाएं और विकास भागीदार साथ मिलकर मेरा युवा

भारत पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सहयोगात्मक कार्ययोजना तैयार करेंगे। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे की सम्मेलन में गरिमामय उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम विभाग सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल, युवा कार्यक्रम विभाग के अपर सचिव श्री नितेश कुमार मिश्रा, विभाग के संयुक्त सचिव श्री शिव रतन, मेरा युवा भारत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला और कॉरपोरेट मामले मंत्रालय तथा मेरा युवा भारत पारितंत्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। अनूठे पहल के रूप में परिकल्पित, इस सम्मेलन का उद्देश्य युवा नेतृत्व वाले विकास को गति देने के लिए सरकार, उद्योग संघों, कॉरपोरेट जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के बीच संरचित साझेदारी निर्मित करना है। सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर पर स्वयंसेवा के अवसरों, इंटर्नशिप, कौशल विकास पहल, उद्यमिता सहायता, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों और अन्य युवा-केंद्रित पहलों तक पहुंच बढ़ाने के लिए 'मेरा युवा भारत' मंच का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, नैसकॉम, पीएचडी सीसी आई, क्रेडाई, इंडियन बैंक्स एसोसि एशन, आईपीए, एनएच आर डीएन, डब्ल्यूटीसी मुंबई, एआईए आई, एसएचआरएम, इंडिया एसएमई फोरम, सीएआईटी और स्कोप सहित प्रमुख उद्योग संघों के प्रतिनिधि, साथ ही एसबीआई फाउंडेशन, रिलायंस फाउंडेशन, पेटीएम फाउंडेशन, एचसीएल फाउंडेशन, बिसलेरी फाउंडेशन और प्रथम जैसे प्रमुख सीएसआर संगठन और फाउंडेशन एकत्रित होकर युवा सशक्तिकरण पर संवाद और सहयोग का विशिष्ट मंच प्रदान करेंगे। सम्मेलन में 'मेरा युवा भारत' पारितंत्र की समीक्षा प्रस्तुत की जाएगी तथा उद्योग संघ मौजूदा और प्रस्तावित अपनी युवा पहल पर प्रस्तुति देंगे। इसमें

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व, स्वयंसेवा, इंटर्नशिप और कौशल विकास के लिए सहयोगात्मक मॉडलों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके उपरांत युवा कार्यक्रम विभाग के सचिव की अध्यक्षता में हितधारकों के साथ खुली चर्चा आयोजित होगी। इन विचार-विमर्शों से स्थायी संस्थागत साझेदारियों का आधार तैयार होने की संभावना है जो उद्योग-नेतृत्व पहल को राष्ट्रीय युवा विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप स्थापित करेंगे।

प्रभारी मंत्री ने 10 लाभार्थियों को टूलकिट का किया वितरण

ओडीओपी योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के दिए निर्देश

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद के माननीय प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ओडीओपी (एक जनपद एक उत्पाद) योजना के अंतर्गत 10 चयनित लाभार्थियों को टूलकिट वितरित की। इस अवसर पर सदर विधायक भूपेश चौबे, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम

को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार चौधरी को निर्देशित किया कि जिन लाभार्थियों को टूलकिट उपलब्ध कराई गई है, उनके स्तर पर उसका वास्तविक उपयोग सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि एक माह के भीतर लाभार्थियों के यहां जाकर सत्यापन किया जाए तथा जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही लाभार्थियों को टूलकिट के प्रभावी उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि योजना का उद्देश्य पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना स्वरोजगार को बढ़ावा देने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए। कार्यक्रम के अंत में सदर विधायक भूपेश चौबे ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हर उत्सव पर हो पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण जरूरी

पर्यावरण संरक्षण और पानी के महत्व को भी समझाना जरूरीः महंत चरणदास : बेटी उत्सव पर दिया पर्यावरण संरक्षण एवं जल संग्रह का संदेश

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी । सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति, सदाचारी शिक्षा समिति एवं युवा जागृति एवं जन कल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा एक बेटी एक पेड़ मिशन व एक पेड़ मां के नाम व हर घर हरियाली थीम 2026 के तहत 5 दिवसीय बेटी उत्सव कार्यक्रम शुरू किया गया। जिसके तहत मिशन की ब्रांड एंबेसडर नव्या भारद्वाज ने अपने जन्मोत्सव पर स्थानीय हनुमान जोहड़ी धाम संजीवनी केंद्र पार्क में औषधीय पौधा रोपण किया । इस

अवसर पर विशेष सानिध्य श्री महंत चरण दास महाराज का रहा।

महंत चरण दास महाराज , शिक्षाविद हरेन्द्र पुनिया व मास्टर सुरेंद्र कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेटी सुरक्षा और नारी सशक्तिकरण के प्रति समाज को जागरूक करना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पानी के महत्व को भी समझाना है। इस तरह के आयोजनों से समाज में एक सकारात्मक बदलाव आ सकता है, जो हमारे भविष्य के लिए आवश्यक है। कहा कि बेटी नव्या ने पर्यावरण संरक्षण को समर्पित अभियान के तहत पौधारोपण कर अपना जन्मोत्सव मनाया और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया है। कहा कि यह अनूठी पहल है, हर घर हरियाली थीम के तहत हर घर से पौधा रोपण हो, जिससे हमारी प्रकृति का सौंदर्य बढ़ेगा। कार्यक्रम के दौरान, बेटियों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की चचाएं और सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही पानी के संरक्षण और पर्यावरण के महत्व पर भी गहन चर्चा होगी, ताकि लोग इन मुद्दों को अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकें। समिति अध्यक्ष व भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार ने कहा कि इस पहल से समाज में बेटियों व महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने का संदेश है,साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा सकेंगे। कहा जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए हर नागरिक को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा व राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में भी एक बेटी एक पेड़ मिशन 2025 व हर घर हरियाली थीम के तहत वन महोत्सव पौधारोपण कार्यक्रम रहेगा। कहा कि बड़ी बेटी नव्या के जन्मोत्सव पर 2014 में एक बेटी एक पेड़ मिशन का आगाज किया था। आज भी वर्तमान में जारी है। बेटी उत्सव व हर घर हरियाली थीम 2026 के तहत बेटी एवं पर्यावरण सुरक्षा अभियान अगस्त माह तक चलेगा और आज बड़ी बेटी नव्या भारद्वाज के जन्मोत्सव पर जुलाई ,अगस्त व सितम्बर माह में 2026 पौधों का रोपण किया जाएगा। इस अवसर पर महिला पर्यावरण संरक्षण साक्षरता अभियान की सूत्रधार एवं सामाजिक कार्यकर्ता अंजू भारद्वाज, हर घर हरियाली थीम की ब्रांड एंबेसडर आरोही भारद्वाज, शिक्षाविद हरेन्द्र पुनिया, मास्टर सुरेंद्र कुमार, श्री हनुमान संजीवनी केंद्र के संचालक ओमबीर कौशिक , मानवी, योगेश कुमार, खुशी कौशिक, कपिल वर्मा, कमल कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शहीद सैनिक प्रकाश लाखलान का सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र कभी नहीं भूलेगा : पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल

शहीदों के बलिदान से ही देश सुरक्षित, युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं वीर सैनिक

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल-सिवानी, 02 जुलाई। पूर्व कृषि एवं वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिक राष्ट्र की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। उनके त्याग, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान की बदौलत ही देशवासी सुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। शहीदों का बलिदान केवल उनके परिवार का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का गौरव होता है और देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने लोहारू विधानसभा क्षेत्र के गाँव मंढौली खुर्द के वीर सपूत एवं भारतीय सेना के जवान प्रकाश लाखलान के शहीद होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह समाचार अत्यंत दुःखद, हृदय विदारक और पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। देश ने अपना एक बहादुर, कर्तव्यनिष्ठ और सच्चा रक्षक खो दिया है, जिसकी भरपाई कभी संभव नहीं हो सकती। उन्होंने आज शहीद प्रकाश लाखलान के पैतृक गाँव मंढौली में आयोजित अंतिम यात्रा में शामिल होकर वीर जवान को अंतिम सलाम किया तथा पुष्पचक्र अर्पित कर
भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर

पर उन्होंने शहीद के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं और उन्हें ढांढस बंधाया। जेपी दलाल ने कहा कि शहीद प्रकाश लाखलान ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर पूरे प्रदेश और देश का मस्तक गर्व से ऊँचा किया है। उनका साहस, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। राष्ट्र उनके बलिदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश के वीर शहीदों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का भाव रखे। शहीदों के परिवारों का सम्मान करना पूरे समाज और राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी है। पूर्व मंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत वीर आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति, धैर्य और संबल दें। उन्होंने कहा कि पूरा क्षेत्र इस दुःख की घड़ी में शहीद के परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और वीर सपूत के सर्वोच्च बलिदान को सदैव नमन करता रहेगा। शहीद

सैनिक की अंतिम यात्रा में क्षेत्र के हजारों गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

युवा शक्ति के दम पर भारत बनेगा विश्व गुरु : मोहित चौधरी

युवाओं से स्किल डेवलपमेंट और इनोवेशन पर ध्यान देने का आह्वान

नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में दें योगदान

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 2 जुलाई। भिवानी महेंद्रगढ़ से लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के सुपुत्र एवं भाजपा के युवा नेता मोहित चौधरी ने कहा कि भारत की युवा शक्ति ही देश को विश्व गुरु (वर्ल्ड लीडर) बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास), इनोवेशन (नवाचार) और स्टार्टअप (नवउद्यम) के क्षेत्र में आगे आएं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदार बनें।

मोहित चौधरी ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह डेमोग्राफिक डिविडेंड (जनसांख्यिकीय लाभांश) ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। यदि युवा सही दिशा में मेहनत करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने युवाओं से

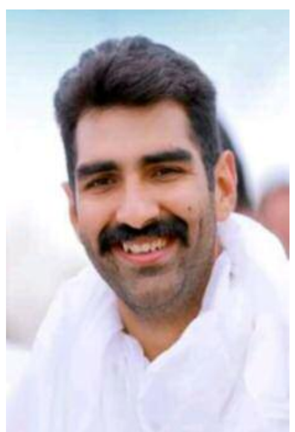

अपील की कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें और एजुकेशन (शिक्षा), स्पोर्ट्स (खेल), रिसर्च (अनुसंधान) और एंटरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता) को अपनी प्राथमिकता बनाएं। डिजिटल इंडिया (डिजिटल भारत), मेक इन इंडिया (भारत में निर्माण) और स्किल इंडिया (कौशल भारत) जैसे मिशन (अभियान) युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आए हैं।

मोहित चौधरी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार युवाओं के लिए स्टार्टअप इंडिया (स्टार्टअप भारत), स्टैंडअप इंडिया (स्टैंडअप भारत) और पीएम कौशल विकास योजना (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) जैसी योजनाएं चला रही है। युवाओं को इनका लाभ उठाकर रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का युवा टेक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई - कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और डिजिटल मार्केटिंग (अंकीय विपणन)

जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना साकार करेगी और भारत को पुनः विश्व गुरु का दर्जा दिलाएगी।

उद्योगपति व लायन कुलभूषण माहेश्वरी जट्टा एम.जे.एफ.अवार्ड से सम्मानित

(मन्नू शर्मा पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो,2 जुलाई : क्षेत्र की प्रसिद्ध मानवता को समर्पित समाज सेवी संस्था लायंस क्लब जैतो (गंगसर) के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध उद्योगपति कुलभूषण माहेश्वरी जट्टा को मेलिवन जोन्स फैलोशिप(एम.जे.एफ.) अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड माहाराजा रीजेंसी होटल लुधियाना में लायंस क्लब इंटरनैशनल की ओर से जिला गवर्नर एवं आगामी साल के लिए चुने गए मल्टीपल चेयरमैन अमरजीत सिंह जंडू आयोजित खूबसूरत प्रोग्राम के दौरान प्रदान किया गया। इंटरनैशनल डायरैक्टर एवं क्षेत्र के लायन नेता जतिंदर सिंह चौहान इस समारोह के मुख्य अतिथि थे जबकि विशेष अतिथि के रूप में लायन अभिमन्यु सिंह लखनऊ,लायन विशाल सिन्हा लखनऊ, पूर्व जिला गवर्नर अजय गोयल,लायन निवेश गर्ग व लायन शशि राणा सहित 200 से अधिक लायंस क्लबों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस दौरान लायन आई केयर सैंटर जैतो के चैयरमेन राकेश रोमाना,

लायंस क्लब जैतो गंगसर के नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप सिंगला,जोन चेयरमैन संदीप जिंदल,शक्ति मित्तल, प्रवीण जिंदल, रमेश वर्मा, नरेश मित्तल,मनु वर्मा, दिनेश गोयल, जीवन गर्ग रिंकू,मनु गोयल,संजीव शर्मा,आशू मित्तल, प्रवीण जैन ,टीटू गोयल, पंकज शर्मा, डायरैक्टर राजेश जिंदल सहित ने क्लब के पूर्व अध्यक्ष कुलभूषण माहेश्वरी जट्टा को एम.जे.एफ. अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने लायंस क्लब जैतो गंगसर के अध्यक्ष पद के दौरान मानवता की सेवा के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। लायंस क्लब जैतो के पूर्व अध्यक्ष कुलभूषण माहेश्वरी जट्टा को एम.जे.एफ. अवार्ड से सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि एवं अन्य लायन प्रतिनिधि।

प्रधानमंत्री मोदी पंजाब का दौरा करेंगे , देंगे बड़ा तोहफा

पंजाब चंडीगढ़ रघुनंदन पराशर जैतो

चंडीगढ़,2 जुलाई :प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अगस्त में पंजाब का दौरा करने वाले हैं। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के अनुसार, वह विभिन्न विकास और रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने के लिए पंजाब आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले वह इसी साल 1 फरवरी 2026 को जालंधर के डेरा सचखंड बल्लां आए थे और यहां मत्था टेका और संत निरंजन दास से

मुलाकात की थी।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पिछले महीने 3 दिवसीय दौरे पर रहे थे। राजनीति गलियारों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी ने आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर गतिविधियां तेज कर दी है इसको लेकर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं जबकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पंजाब का 3 दिवसीय दौरा कर चुके हैं।सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी इस बार पश्चिम बंगाल की तरह पंजाब में भी चुनाव मैदान में अपनी पहचान बनाने का लक्ष्य रखा है। भाजपा फिल अपने बल बूते पर ही चुनाव लडना चाहती हैं। लेकिन यह तो समय ही बताएगा कि ऊंट किस करवट बैठेगा।

मंडल रेल ने जून माह में टिकट चैकिंग अभियान के दौरान 3.16 करोड़ रुपए जूमार्ना वसूला डी.आर.एम.संजीव कुमार

(रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो,2 जुलाई : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल प्रबंधक संजीव कुमार ने वीरवार को कहा कि फिरोजपुर मंडल के टिकट चैकिंग दल द्वारा ट्रेनों में अनधिकृत रूप से यात्रा कर रहे रेलयात्रियों की प्रवृति पर रोक लगाने हेतु ट्रेनों में सतत टिकट चैकिंग किया जा रहा है। मंडल के टिकट चैकिंग स्टाफ एवं मुख्य टिकट निरीक्षकों द्वारा जून, 2026 के दौरान ट्रेनों में टिकट चैकिंग के दौरान कुल 40,244 यात्री बिना टिकट अथवा अनियमित यात्रा करते हुए पाए गए एवं उनसे जुमार्ने के तौर पर लगभग 03.16 करोड़ रुपए का राजस्व वसूल किया गया। मंडल के रेलवे स्टेशनों को

साफ-सुथरा बनाए रखने तथा आम जनता को स्टेशनों पर गंदगी फैलाने से रोकने एवं उनको साफ-सफाई के प्रति जागरूक बनाने के लिए मंडल के मुख्य स्टेशनों पर नियमित जाँच की जाती है। इसके फलस्वरूप, जून माह में 375 यात्रियों को स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने के कारण (एंटी लिटरिंग एक्ट) उनसे 69 हजार रुपए से अधिक वसूल किये गए। मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने बताया कि फिरोजपुर मंडल में टिकट चैकिंग अभियान जारी रहेंगे। टिकट चैकिंग का मुख्य उद्देश्य वैध यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करना है। टिकट चेकिंग के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि अनधिकृत अथवा बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के कारण वैध यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

आपातकालीन देखभाल को सशक्त बनानाः सड़क एम्बुलेंस के लिए बेहतर सुरक्षा उपाय

एआईएस-१२५ में संशोधन के मसौदे में विशेष प्रकार की एम्बुलेंस, बचाव के लिए अनिवार्य उपकरण और ई-एम्बुलेंस के लिए प्रावधान शामिल किए गए हैं

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने देश भर में सड़क एम्बुलेंस की सुरक्षा, कामकाज और चिकित्सीय सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु ह्यऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (एआईएस)-125 में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। सड़क एम्बुलेंस आपातकालीन देखभाल में महत्वपूर्ण जीवनरक्षक लिंक हैं; ये मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और गंभीर रूप से बीमार मरीजों को उन्नत जीवनरक्षक सहायता (एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट) देने में मदद करती हैं। भारत में हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती है, जिनमें से कई मौतों को समय पर चिकित्सीय सहायता देकर रोका जा सकता है। विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि अगर दुर्घटना के शिकार लोगों को पहले घंटे के अंदर अस्पताल में भर्ती करा दिया जाए, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली लगभग 50 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। मोटर वाहनों के उपयोग से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के सभी पीड़ितों को जरूरी चिकित्सीय उपचार की सुविधा प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री - सड़क दुर्घटना पीड़ितों की अस्पताल में भर्ती और सुनिश्चित उपचार (पीएम-राहत) योजना जैसी योजनाएं भले ही शुरू की गई हैं, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि जरूरत पड़ने पर नागरिकों को सड़क एम्बुलेंस आसानी से मिलें और उन्हें इस तरह से डिजाइन किया जाए कि चिकित्सा कर्मियों को काम करने में आसानी हो और मरीजों को ले जाते समय अधिक से अधिक आराम एवं सुरक्षा मिले। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 8 सितंबर, 2016 को जारी अधिसूचना जी.एस.आर 868 (ई) के जरिए एआईएस-125 (भाग 1) मानक को अधिसूचित किया था, ताकि सड़क पर चलने वाली एम्बुलेंस की बनावट और कामकाज से जुड़ी जरूरतों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, एआईएस-125 (भाग 2) को एक मानक दिशानिर्देश के तौर पर प्रकाशित किया गया था। इसमें अलग-अलग तरह की सड़क एम्बुलेंस के लिए जरूरी चिकित्सीय उपकरण के बारे में बताया गया था ताकि वे अपने निर्धारित काम ठीक से कर सकें। सड़क एम्बुलेंस की सुरक्षा और कामकाज की क्षमता को बेहतर बनाने हेतु अब एआईएस-125 (भाग 1) और एआईएस-125 (भाग 2) में संशोधन अपनाए गए हैं। इन संशोधनों में विशेष प्रकार के सड़क एम्बुलेंस शामिल हैं, जैसे किः (i) नवजात शिशु सड़क एम्बुलेंस झ्र बीमार या समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं को आमतौर पर उच्चस्तर की चिकित्सीय देखभाल के लिए एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक ले जाने के लिए डिजाइन की गई है; और (ii) मल्टी-स्ट्रेचर रोड एम्बुलेंस झ्र इसे एक साथ कई स्ट्रेचर ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि आम तौर पर यह एक बार में एक मरीज को सघन देखभाल सहायता (इंटेंसिव केयर सपोर्ट) देने पर ध्यान केन्द्रित करती है। जरूरी बचाव उपकरण - इसके अलावा, वर्ग बी, सी और डी श्रेणी में आने वाली सभी सड़क एम्बुलेंस में आपातकालीन और बचाव के उपकरण होने चाहिए।

जून 2026 में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से मासिक उत्पादन और ढुलाई

भारत के कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन क्षेत्र ने जून २०२६ में अपनी विकास गति को जारी रखा, इस दौरान उत्पादन और ढुलाई में वृद्धि दर्ज की गई।

वित्त वर्ष 2026-27 के जून 2026 में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयले का उत्पादन 17.88 मिलियन टन (एमटी) रहा, जबकि कोयले की ढुलाई 18.55 मिलियन टन तक पहुंच गई। जून 2025 के 15.56 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में उत्पादन में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून 2026) के दौरान संचयी कोयला उत्पादन में पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस तिमाही के दौरान कोयले की आपूर्ति में भी पिछले वर्ष की तुलना में 1.70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह प्रदर्शन खदान संचालन, क्षमता उपयोग और उत्पादन नियोजन में निरंतर सुधार को दशार्ता है। साथ में दिया गया ग्राफ मिलियन टन में कोयला उत्पादन और ढुलाई के रुझान को प्रदर्शित करता है। ग्राफ उत्पादन और ढुलाई (मिलियन टन) को दशार्ता है

.वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में प्रमुख उपलब्धियां

कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के दौरान निरंतर वृद्धि दर्ज की। वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2026-27 के बीच पहली तिमाही के दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक खानों से कोयला उत्पादन में लगभग 10.7 प्रतिशत की

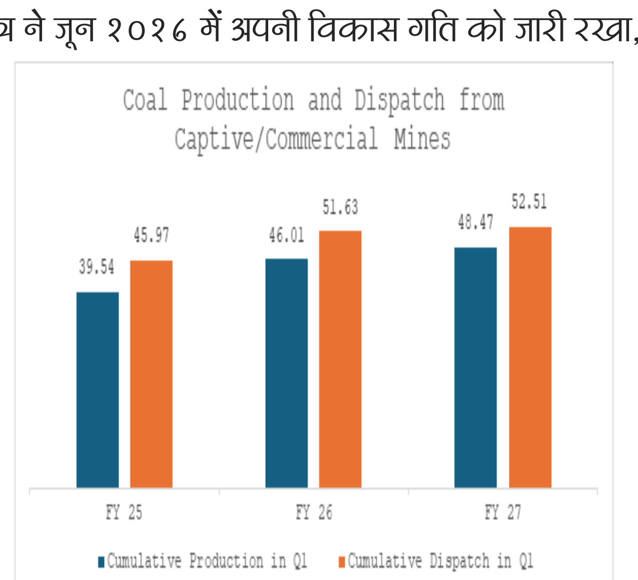

सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) से वृद्धि हुई है, जो घरेलू कोयला उत्पादन में स्थिर वृद्धि का संकेत है। इस तिमाही के दौरान, उर्टन, धीरौली और बिक्रम नामक तीन कोयला खदानों में कोयला उत्पादन शुरू हुआ। इन खदानों की संयुक्त अधिकतम उत्पादन क्षमता (पीक रेटेड कैपेसिटी - पीआरसी) 7.51 मीट्रिक टन प्रति वर्ष है।

इनके परिचालन से घरेलू कोयले की उपलब्धता बढ़ने, आपूर्ति सुरक्षा मजबूत होने और देश के ऊर्जा तथा औद्योगिक क्षेत्रों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने की उम्मीद है, जिससे आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

उर्टन स्थित कोकिंग कोल ब्लॉक से उत्पादन की शुरूआत विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोकिंग कोल इस्पात उत्पादन के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है। उम्मीद है कि यह खदान इस्पात क्षेत्र के लिए घरेलू कोकिंग कोल की उपलब्धता को मजबूत करेगी और आयात पर निर्भरता कम करने के प्रयासों में सहयोग प्रदान करेगी।

कोयला मंत्रालय इस क्षेत्र की प्रगति का श्रेय नीतिगत पहलों, नियामकीय सुगमता और हितधारकों के साथ निरंतर जुड़ाव को देता है। इन प्रयासों से समय पर परिचालन संबंधी स्वीकृतियां प्राप्त करना, क्षमता उपयोग में सुधार करना और कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों से कोयले के उत्पादन और ढुलाई को मजबूत करना संभव हुआ है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा कोडाइकनाल सौर वेधशाला से प्राप्त चमकीले सौर क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सूर्य की 100 वर्षों की तस्वीरों का अध्ययन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके कोडाइकनाल सौर वेधशाला (कोसो) से प्राप्त 100 वर्षों के हाथ से बनाए गए सूर्य के रिकॉर्ड का अध्ययन करके 1916 से 2007 तक सूर्य पर चुंबकीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में हुए परिवर्तन का पता लगाया गया है। इससे समय के साथ सौर गतिविधि में होने वाले परिवर्तनों का कहीं अधिक विस्तृत परिप्रेक्ष्य प्राप्त हो सकता है। सौ वर्षों से भी अधिक समय से वैज्ञानिक सूर्य की चुंबकीय गतिविधि के क्रमबद्ध चक्रों के घटने-बढ़ने के बारे में समझने का प्रयास कर रहे हैं। ये चक्र सूर्य के धब्बों, ज्वालाओं और विस्फोटों को प्रभावित करते हैं, जो उपग्रहों, नौवहन और पृथ्वी पर बिजली आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। हालांकि, पुराने अवलोकन अक्सर अपूर्ण और असंगत होते हैं, जिससे दीर्घकालिक अध्ययन कठिन हो जाता है। यही कारण है कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड अत्यंत मूल्यवान हैं। एक नए अध्ययन में, भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन एक स्वायत्त संस्थान, आर्यभट्ट अनुसंधान संस्थान (एआरआईएस) के दिब्य कीर्ति मिश्रा के नेतृत्व में अनुसंधानकताओं ने तिरुवनंतपुरम स्थित भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, अमेरिका के बोल्डर स्थित दक्षिणपश्चिम अनुसंधान संस्थान और बेंगलुरु स्थित भारतीय खगोल भौतिकी
संस्थान (आईआईए) के सहयोगियों के साथ मिलकर यह दिखाया है कि कोडाइकनाल सौर वेधशाला (कोसो) से प्राप्त 100 वर्षों के हाथ से बनाए गए सूर्य के रिकॉर्ड को आधुनिक मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके उपयोगी डेटा में परिवर्तित किया जा सकता है। इस वेधशाला में 1904 से 2022 तक के दैनिक 'सूर्य चार्ट' सहित प्रेक्षणों का एक अनूठा संग्रह है, जिसमें सूर्य के धब्बे, प्लेज, फिलामेंट और प्रमुखता से इनकी विशेषताओं को एक मानक ग्रिड पर सावधानीपूर्वक चित्रित किया गया था।

डिजिटल उपकरणों से पहले, वैज्ञानिक जो कुछ देखते थे उसे रिकॉर्ड करने के लिए सावधानीपूर्वक बनाए गए रेखाचित्रों पर निर्भर रहते थे। कोसो के सूर्य चार्ट मूल्यवान हैं क्योंकि वे कई चक्रों में सौर गतिविधि को दशार्ते हैं और इसमें विभिन्न विशेषताओं को विशिष्ट तरीकों से चिह्नित किया गया है। हालांकि, रेखाचित्र शैली में अंतर, कागज की उम्र और स्कैन की गुणवत्ता में भिन्नता के कारण पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके एक स्पष्ट और सुसंगत डेटासेट बनाना मुश्किल है। हाथ से बनाए गए अव्यवस्थित ऐतिहासिक रिकॉर्ड की समस्या को दूर करने के लिए, एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित अनुसंधान में दो मुख्य चरणों में पर्यवेक्षित मशीन लर्निंग (यू-नेट) पद्धति का उपयोग किया गया। सबसे पहले, मॉडल ने प्रत्येक स्कैन किए गए चित्र में सूर्य की डिस्क को स्वचालित रूप से खोजा, केंद्र, आकार और झुकाव को सटीक रूप से निर्धारित किया, ताकि प्रत्येक विशेषता को सूर्य पर सही स्थान पर रखा जा सके। इसके बाद, इसने 1916 से 2007 तक के नौ सौर चक्रों को कवर करने वाले चित्रों में प्लेजेस (सूर्य पर तितली के आकार के, चुंबकीय रूप से सक्रिय धब्बे) की पहचान की और उनका पता लगाया। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि प्लेज सूर्य के चुंबकत्व का एक विश्वसनीय "फिंगरप्रिंट" हैं, और
पुराने अभिलेखागार से इन्हें निकालने से वैज्ञानिकों को आज के अंतरिक्ष युग के मापों को दशकों पहले सूर्य की गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलती है। दिब्य कीर्ति मिश्रा के नेतृत्व में अनुसंधानकताओं ने रेखाचित्रों को मशीन-पठनीय डेटा में परिवर्तित करके यह पता लगाया कि समय के साथ प्लेज गतिविधि में कैसे बदलाव आता है, और सौर चक्र को दशार्ने वाला एक 'तितली आरेख' बनाया। उन्होंने यह भी पाया कि इन रेखाचित्रों से प्राप्त प्लेज क्षेत्र, कोसो के उं क्क ड पूर्ण-डिस्क प्रेक्षणों से प्राप्त क्षेत्रों से अच्छी तरह मेल खाते हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि सूर्य चार्ट अंतरालों को भरने और दीर्घकालिक सौर डेटा को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

सूर्य की चुंबकीय गतिविधि के दीर्घकालिक और सुसंगत रिकॉर्ड अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनसे वैज्ञानिकों को विभिन्न सौर चक्रों की शक्ति और संरचना में होने वाले परिवर्तनों की तुलना करने, सूर्य की ऊर्जा उत्पादन और चुंबकीय प्रभाव में अतीत में हुए बदलावों के पुनर्निर्माण में सुधार करने और पृथ्वी पर प्रौद्योगिकी को प्रभावित करने वाले दीर्घकालिक अंतरिक्ष मौसम संबंधी जोखिमों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। अध्ययन से पता चलता है कि मशीन लर्निंग का उपयोग करके पुराने, असमान ऐतिहासिक रिकॉर्डों में सुधार किया जा सकता है और कई दशकों तक सुसंगत डेटा तैयार किया जा सकता है, जो कि पारंपरिक तरीकों से संभव नहीं है।

किशनगंज पुलिस को बड़ी सफलता, अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का पदार्फाश

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज पुलिस ने जिले में हुई कई गृहभेदन (घर में चोरी) की घटनाओं का खुलासा करते हुए अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में छापेमारी कर गिरोह के एक सदस्य को चोरी के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर जिले के कई चोरी के मामलों के खुलासे का दावा किया गया है। वहीं, गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर जिले में गृहभेदन की घटनाओं पर अंकुश लगाने, लंबित मामलों के उद्भेदन तथा अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 29 जून 2026 को जिला आसूचना इकाई को तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर गृहभेदन की घटनाओं में संलिप्त एक अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र (रामगंज ओपी) अंतर्गत जागीरगच्छ कुचला गांव में छापेमारी कर मोहम्मद रज्जाक (पिता- हकीमुद्दीन) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार बरामद मोबाइल सुखानी थाना कांड संख्या 34/26, दिनांक 13 मई 2026, में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(2) एवं 305 के तहत दर्ज गृहभेदन एवं चोरी के मामले से संबंधित है। मोबाइल की बरामदगी के साथ इस मामले का सफल उद्भेदन हो गया।

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने किशनगंज जिले के कुछ अन्य अपराधियों के साथ मिलकर कई गृहभेदन की घटनाओं को अंजाम दिया है। आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर जिले के कई अन्य मामलों के भी खुलासे का दावा पुलिस ने किया है। पुलिस गिरोह के फरार सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है।

बरामदगी: एक चोरी का मोबाइल फोन।

इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मनोज कुमार सिंह, जिला आसूचना इकाई के प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद मुश्ताक, पोठिया थानाध्यक्ष कैप्टन संजय पांडेय, पहाड़कट्टा थानाध्यक्ष फुलेन्द्र कुमार, कुलीकोट थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार, सुखानी थानाध्यक्ष मन्नु कुमारी, गलगलिया थानाध्यक्ष राकेश कुमार, पुलिस पदाधिकारी मनीषा कुमारी, जिला आसूचना इकाई की टीम एवं सुखानी थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

नबीनगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर उठे सवाल, गरीबों के आशियाने उजड़े

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर नगर पंचायत द्वारा बुधवार को चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अतिक्रमण के नाम पर सिर्फ गरीबों की गुमटी, ठेला और फुटपाथ पर बने करकट के आशियाने उजाड़ दिए गए, जबकि रसूखदारों के पक्के अतिक्रमण को छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत ने अतिक्रमण के विरुद्ध 50 फिट जगह चिह्नित कर दागी लगाया गया था।कई लोगों को नोटिस जारी कर जगह खाली करने का निर्देश दिया था। स्थानीय लोगों का दावा है कि सड़क किनारे वास्तविक अतिक्रमण 70 से 80 फिट तक है।लेकिन बुधवार को हुई कार्रवाई में बुलडोजर मात्र 20 फीट के दायरे में ही चलाया गया। प्रभावित लोगों ने बताया कि फुटपाथ पर करकट डालकर, गुमटी और ठेला लगाकर गरीब परिवार अपनी जीविका चलाते थे। प्रशासन ने बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए उनके आशियाने तोड़ दिए। इससे दर्जनों परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों और प्रभावित दुकानदारों ने प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाया। लोगों का कहना है कि वार्ड पार्षदों और पहुंच वाले लोगों के दबाव में चुनिंदा जगहों पर ही कार्रवाई की गई। कई रसूखदारों के पक्के निर्माण और दुकानें सड़क पर अतिक्रमण कर बनी हैं, लेकिन उन्हें हाथ तक नहीं लगाया गया। इस मामले में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि सदर एसडीओ के आदेश पर अतिक्रमण हटाया गया है। पहले चरण में सड़क पर यातायात बाधित करने वाले अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया है। बाकी जगहों पर भी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि जन प्रतिनिधियों की दबाव की बात स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि पूरा अतिक्रमण चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।भेदभाव के आरोपों को उन्होंने गलत बताया। इस दौरान नबीनगर मुख्य सड़क पर दिनभर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

पटना के बाढ़ में स्कूटी सवार बदमाशों ने ऑटो चालक को चाकू मार किया जख्मी, पटना रेफर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में अपराधियों का दुस्साहस थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को एक निजी विद्यालय के सीएनजी ऑटो चालक को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल चालक को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने नाजुक हालत में पटना रेफर कर दिया है। घायल की पहचान शांति टोला निवासी चंदन कुमार (पिता विश्वनाथ शर्मा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य, बेढना पश्चिमी पंचायत) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, चंदन कुमार स्कूली बच्चों को पिकअप करने के लिए अपने ऑटो से जा रहे थे। रास्ते में एक स्कूटी सवार के साथ ओवरटेक को लेकर मामूली विवाद हुआ। हालांकि, चंदन के अनुसार स्कूटी या उनके वाहन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था, लेकिन स्कूटी सवार युवक अपनी नाराजगी को लेकर पीछा करने लगा। रेलवे पश्चिमी फाटक के पास पहुँचते ही स्कूटी सवार युवक ने एक अन्य व्यक्ति को मौके पर बुला लिया। इसके बाद दोनों ने मिलकर चंदन पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने चंदन के पेट में चाकू घोंप दिया और मौके से फरार हो गए। लहूलुहान अवस्था में भी चंदन ने साहस नहीं हारा और खुद ऑटो चलाकर अस्पताल तक पहुंचे। अस्पताल के बेड पर गिरते ही वह अचेत हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने बताया कि घाव गहरा होने के कारण पीड़ित की हालत अत्यंत गंभीर है। प्राथमिक उपचार के दौरान स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए तुरंत पटना रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित के बयान के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सरेआम हुई इस घटना ने स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना में साइबर अपराधियों का नया खेल न ओटीपी न मैसेज और खाते से उड़े लाखों

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना में साइबर अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वे बिना ओटीपी और बिना अलर्ट मैसेज के भी लोगों के बैंक खातों को खाली कर रहे हैं। साइबर ठगों ने फुलवारीशरीफ के एक निवासी के खाते से 2.79 लाख रुपये उड़ा लिए, जबकि कुर्जी की एक महिला से केवाईसी के नाम पर 99 हजार रुपये की ठगी की गई। दोनों मामलों में साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। फुलवारीशरीफ निवासी शाहिद अनवर अशरफी के साथ हुई ठगी का मामला बेहद चौंकाने वाला है। पीड़ित ने बताया कि उनके खाते से चार बार में कुल 2.79 लाख रुपये निकाल लिए गए, लेकिन उन्हें कोई भी ओटीपी प्राप्त नहीं हुआ और न ही बैंक की ओर से कोई निकासी का मैसेज आया। जब उन्होंने बैंक जाकर स्टेटमेंट निकलवाया, तब उन्हें घटना की जानकारी हुई। पीड़ित ने इस पूरे मामले में बैंक कर्मियों की मिलीभगत की आशंका भी जताई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि बिना उनकी अनुमति के यह निकासी कैसे संभव हुई, यह जांच का विषय है। दूसरी घटना में, कुर्जी निवासी श्वेता कुमारी को साइबर ठगों ने अपना निशाना बनाया। बदमाशों ने खुद को बैंक का अधिकारी बताकर फोन किया और खाता केवाईसी (KYC) अपडेट करने का झांसा दिया। बातों के जाल में फंसाकर ठगों ने उनसे बैंक खाते और डेबिट कार्ड की गोपनीय जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद ओटीपी मांगकर श्वेता के खाते से 99 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। साइबर थाने की पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बैंक कभी भी फोन पर आपसे ओटीपी या कार्ड की जानकारी नहीं मांगते हैं। किसी भी अज्ञात कॉल पर बैंक की गोपनीय जानकारी साझा न करें। यदि मोबाइल पर कोई संदिग्ध कॉल आए, तो तुरंत अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर संपर्क करें। पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए तकनीकी साक्ष्यों को खंगाल रही है।

जून में अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा, करोड़ों की स्मैक व गांजा बरामद

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

जिले में अपराध एवं अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर जून माह में चलाए गए विशेष अभियान में किशनगंज पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली। अभियान के तहत वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी, अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी, पशु तस्करी, गृहभेदन, वाहन चोरी तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। इस दौरान करोड़ों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों के साथ भारी मात्रा में शराब, नकदी, वाहन और अन्य सामान बरामद किए गए। पुलिस की मासिक रिपोर्ट के अनुसार 1 जून से 30 जून 2026 तक चलाए गए अभियान में 6 किलोग्राम 106 ग्राम हेरोइन/ब्राउन शुगर (स्मैक) बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 12 करोड़ 20 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा 13.460 किलोग्राम गांजा, 9.54 ग्राम मादक कैप्सूल, 2,092.405 लीटर विदेशी शराब, 172.1 लीटर देशी शराब तथा 380 लीटर अवैध जावा शराब जब्त एवं नष्ट की गई। कार्रवाई के दौरान 3 ट्रक, डीसीएम एवं बस, 9 स्कॉर्पियो, कार, पिकअप और ट्रैक्टर, 21 मोटरसाइकिल एवं साइकिल तथा 4 टेंपो जब्त किए गए। इसके अलावा पुलिस ने 49 मोबाइल फोन, 83 मवेशी, 6,28,364 रुपये भारतीय मुद्रा, 1,59,045 रुपये नेपाली मुद्रा, 4 इलेक्ट्रॉनिक तराजू, विभिन्न पहचान पत्र एवं बैंक कार्ड, लोहे का सामान, बिजली विभाग का चोरी का 44 फीट तार तथा अन्य सामग्री भी बरामद की।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 14,52,906 रुपये का शमन शुल्क भी वसूला गया।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने कहा कि जिले में अवैध शराब, मादक पदार्थ, जुआ, तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल-112 पर दें, ताकि पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सके।

किशनगंज में न्यूरो अस्पताल का अभाव बना जीवन-मृत्यु का सवाल, गंभीर मरीजों को सिलिगुड़ी रेफर करने से बढ़ रही परेशानी

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

2 जून। सीमांचल का प्रमुख जिला किशनगंज आज भी अत्याधुनिक न्यूरो चिकित्सा सुविधाओं से वंचित है। जिले में न्यूरो अस्पताल, न्यूरो सर्जन और आधुनिक न्यूरोलॉजी सेवाओं का अभाव गंभीर मरीजों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। सड़क दुर्घटना, ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन हेमरेज, सिर में गंभीर चोट तथा रीढ़ की हड्डी से जुड़े मामलों में मरीजों को इलाज के लिए तत्काल हाई सेंटर, विशेषकर सिलिगुड़ी, रेफर किया जाता है।

स्थानीय लोगों एवं मरीजों के परिजनों का आरोप है कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, किशनगंज में सड़क दुर्घटना, ब्रेन हेमरेज और अन्य गंभीर न्यूरो मामलों के मरीजों का समुचित उपचार नहीं किया जाता। उनका कहना है कि ऐसे मरीजों को बिना पर्याप्त उपचार किए ही हाई सेंटर, विशेषकर सिलिगुड़ी, रेफर कर दिया जाता है। परिजनों का आरोप है कि लंबी दूरी, ट्रैफिक जाम और इलाज शुरू होने में होने वाली देरी के कारण कई मरीजों की हालत रास्ते में और गंभीर हो जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि किशनगंज का प्रतिनिधित्व चार विधायक, एक सांसद तथा राज्य सरकार में जिले से एक मंत्री करते हैं। इसके बावजूद आज तक जिले में न्यूरो सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल या विभाग की स्थापना नहीं हो सकी है। लोगों का आरोप है कि जिले के चारों विधायक, सांसद और अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या के स्थायी समाधान के लिए अपेक्षित पहल नहीं की है। उनका कहना है कि यदि जनप्रतिनिधि सरकार के समक्ष मजबूती से यह मांग उठाएं, तो किशनगंज में भी न्यूरो सुपर स्पेशियलिटी सुविधा स्थापित की जा सकती है।

लोगों का कहना है कि सड़क दुर्घटना, ब्रेन हेमरेज और अन्य गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के मरीजों को आज भी इलाज के लिए सिलिगुड़ी या अन्य बड़े शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है। उनका सवाल है कि जब जिले में मेडिकल कॉलेज मौजूद है, तब भी गंभीर मरीजों को बाहर क्यों भेजा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन हेमरेज और गंभीर सिर की चोट जैसे मामलों में शुरूआती "गोल्डन ऑवर" के भीतर उपचार मिलना जीवन बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे मामलों में थोड़ी भी देरी मरीज की जान के लिए खतरा बन सकती है।

सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने बिहार सरकार, स्वास्थ्य विभाग तथा जिले के सभी जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि किशनगंज में शीघ्र न्यूरो सुपर स्पेशियलिटी विभाग की स्थापना, न्यूरो सर्जन एवं न्यूरोलॉजिस्ट की नियुक्ति तथा आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि सीमांचल के लोगों को समय पर जीवनरक्षक उपचार अपने ही जिले में मिल सके।

नबीनगर में दूसरे दिन भी गरजा बुलडोजर, भारी सुरक्षा के बीच हटाया गया अतिक्रमण

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को हुई कार्रवाई के बाद गुरुवार को भी भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी और बुलडोजर चलाए गए। स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद नगर पंचायत की टीम ने अतिक्रमण हटाने का काम जारी रखा।गुरुवार को अभियान की शुरूआत बस स्टैंड के समीप पुनपुन नदी पुल से की गई। यहां से स्टेशन रोड जाने वाली सड़क के दोनों किनारों पर बने अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया गया। सड़क किनारे लोहे की बनी कई गुमटियों और अस्थायी दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई के दौरान अफरा-तफरी का माहौल रहा। कुछ दुकानदारों ने विरोध भी जताया, लेकिन भारी पुलिस बल के कारण अभियान नहीं रुका।नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि यह अतिक्रमण मुक्त अभियान अभी रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, "सदर एसडीओ के आदेश पर पूरे नगर पंचायत क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। आज पुनपुन पुल से स्टेशन रोड तक कार्रवाई हुई है। आने वाले दिनों में टंडवा रोड, जनकपुर पोखरा, दास मोहल्ला, शनिचर बाजार और मंगल बाजार समेत सभी मुख्य सड़कों व मोहल्लों में अभियान चलाया जाएगा।

प्रशासन का कहना है कि सड़क किनारे अवैध कब्जे के कारण शहर में रोज जाम की स्थिति बनती थी। स्कूली वाहन, एंबुलेंस और आम लोगों को भारी परेशानी होती थी। इसी को देखते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी तरह के विरोध या विधि-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को देखते हुए मौके पर दंडाधिकारी बिजेंद्र कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

पटना के फतुहा में शराब पार्टी के दौरान खूनी संघर्ष, दोस्त ने ही दोस्त को गोली मार की हत्या

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फतुहा थाना क्षेत्र में दोस्ती को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। रायपुरा फैक्ट्री मोड़ के पास बुधवार की देर रात शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में एक दोस्त ने दूसरे की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान दरियापुर नयाटोला निवासी 30 वर्षीय नवीन कुमार (पिता श्रवण पासवान) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना बुधवार की देर रात करीब एक बजे की है। बताया जा रहा है कि नवीन अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी मामूली बात पर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि साथ बैठे एक दोस्त ने आपा खो दिया और नवीन को गोली मार दी। गोली लगते ही नवीन लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में घायल नवीन को स्थानीय फतुहा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे पटना के पारस अस्पताल ले गए, लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही फतुहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने शुरू किए। पुलिस फिलहाल मामले की गहराई से जांच कर रही है। हालांकि, हत्या के पीछे की स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या यह महज शराब के नशे में हुआ विवाद है या इसके पीछे कोई पुरानी रंजिश छिपी थी। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सिद्धार्थ हत्याकांड: नबीनगर में निकला कैंडल मार्च, हत्यारे को फांसी की किया मांग

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के टंडवा थाना अंतर्गत मोहरी ईटवा गांव में पांच वर्षीय मासूम सिद्धार्थ कुमार की गला काटकर की गई निर्मम हत्या के विरोध में गुरुवार देर शाम नबीनगर बाजार में कैंडल मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने हत्यारे को फांसी की सजा देने की मांग की।सामाजिक कार्यकताओं, छात्रों, ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने हाथों में मोमबत्ती लेकर "सिद्धार्थ को न्याय दो", "हत्यारे को फांसी दो" के नारे लगाए। मार्च बस स्टैंड रोड , न्यू एरिया,मंगल बाजार,शनिचर बाजार दुर्गा चौक पर पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। गौरतलब है कि 30 जून को

मोहरी ईटवा गांव निवासी प्रमोद सिंह चंद्रवंशी का 5 वर्षीय बेटा सिद्धार्थ घर से लापता हो गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर गांव के ही 20 वर्षीय धनसेवक कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर बच्चे का शव घर से 200 मीटर दूर झाड़ी से बरामद हुआ था। प्रथम दृष्टया कारण प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार हत्यारे धनसेवक का मृतक की बहन से प्रेम संबंध चल रहा था और शादी करना चाहता था जिसमें असफल होने पर बालक सिद्धार्थ को रात में अपहरण कर हत्या कर दिया था।कैंडल मार्च में शामिल लोगों ने कहा कि मासूम की हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। लोगों ने स्पीडी ट्रायल चलाकर आरोपी को जल्द से जल्द फांसी की सजा देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा और सुरक्षा देने की भी मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन से मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने और दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की।

पटना के बाढ़ में आकाशीय बिजली का कहर

खेत में काम कर रहे दो लोगों की मौके पर ही मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत पंडारक प्रखंड के लालपुर गांव में गुरुवार को कुदरत का कहर बरपा। अचानक हुए वज्रपात (आकाशीय बिजली) की चपेट में आने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान लालपुर गांव निवासी सीताराम महतो (पिता हीरा महतो) और गुप्ता महतो (पिता सिया महतो) के रूप में हुई है।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, दोपहर के समय आसमान में घने बादल छाए हुए थे और जोरदार बारिश हो रही थी। इसी दौरान अचानक बिजली कड़की और खेत में मौजूद इन दोनों व्यक्तियों पर गिर गई। मृतक उस समय वहां धान का बिचड़ा उखाड़ने और मवेशी चराने गए थे। घटना के बाद आसपास के खेतों में काम कर रहे

मजदूरों ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया और दर्जनों की संख्या में ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। घटना की सूचना मिलते ही भदौर थाना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस बल के साथ वे मौके पर पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि वज्रपात की चपेट में आने से दो व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अचानक हुई इस अनहोनी से मृतक के परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में गम का माहौल है और स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तेज बारिश और बिजली कड़कने के दौरान खेतों या खुले स्थानों पर जाने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। फिलहाल, पुलिस मामले की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है।

पटना में रिटायर्ड पुलिसकर्मी से 25 लाख की रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

अपहरण-हत्या की साजिश बेनकाब

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ फतुहा नदी थाना पुलिस ने एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी के परिवार से 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और अपहरण कर हत्या की साजिश रचने के मामले का बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी संजीव कुमार राय (39 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है, साथ ही एक विधि-विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। फतुहा एसडीपीओ अवधेश कुमार ने बताया कि पीड़ित शिवचन्द्र राय हाल ही में मिजोरम पुलिस से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्हें सेवानिवृत्ति के लाभ के रूप में करीब एक करोड़ रुपये की राशि मिली थी। इसी आर्थिक स्थिति की भनक लगते ही अपराधियों ने उनके बेटे राजन कुमार को अपना निशाना बनाया। पीड़ित परिवार को लगातार फोन कर 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी। अपराधी रुपये न देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे थे, जिससे परिवार दहशत में था। राजन कुमार द्वारा नदी थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के बाद थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल्स और मानवीय अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान की। जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ—आरोपी केवल रंगदारी तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि वे रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे का अपहरण कर उसकी हत्या करने की खौफनाक साजिश भी रच रहे थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेठूली निवासी मुख्य आरोपी संजीव कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस अब इस पहलू पर भी जांच कर रही है कि इस साजिश में और कौन-कौन शामिल है। इस सफल ऑपरेशन में नदी थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन, पुलिस निरीक्षक और उनकी टीम की भूमिका सराहनीय रही। इस कार्रवाई से इलाके में अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की जमकर सराहना की है। पुलिस का कहना है कि मामले में संलिप्त अन्य लोगों को भी जल्द ही कानून के दायरे में लाया जाएगा।